राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 पीएम मोदी ने गुरु पूर्णिमा की बधाई दी, लिखा....

टी20 में वैभव ने लगाई 230 स्थानो की छलांग.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 97 | नई दिल्ली, गुरूवार, 30 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 26.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	60%
नहीं	30%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,42,350
चांदी	2,35,000
संसेक्स	77,656.40
निफ्टी	24,249.45

संक्षिप्त खबरें

भारत का अफ्रीका में संचई निवेश बढ़कर 75 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। भारत और अफ्रीका के बीच व्यापार 2001 के 7 अरब डॉलर से करीब 14 गुना बढ़कर 98 अरब डॉलर हो गया है। वहीं, संचई निवेश भी 75 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है, जो कि टेलीकॉम, फार्मा, इन्फ्रास्ट्रक्चर और कृषि पर केंद्रित है। यह जानकारी इंडिया-अफ्रीका एंटरप्रेन्योरशिप फोरम (आईएईएफ) की ओर से संकलित आंकड़ों में दी गई। अफ्रीका न्यूज एजेंसी (एएनए) की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि केपटाउन शहर ने हालिया आंकड़े भी पेश किए हैं। शहर की मेयर समिति में आर्थिक विकास के सदस्य जेम्स वोस के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में अफ्रीका और भारत के बीच व्यापार 100 अरब डॉलर से अधिक रहा, जबकि 2019-20 में यह 56 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि आने वाली और बड़ी प्रगति की सिर्फ शुरूआत होनी चाहिए। एएनए की रिपोर्ट के अनुसार, 13 से 15 जुलाई, 2026 के दौरान केपटाउन में आयोजित छठे इंडिया-अफ्रीका एंटरप्रेन्योरशिप एंड इन्वेस्टमेंट समिट में 26 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में पूर्ण सत्र, लक्षित कारोबारी बैठकें और विभिन्न कार्य समूहों का आयोजन किया गया। इन कार्य समूहों में क्षेत्रीय निवेश, डिजिटल कौशल, फार्मास्यूटिकल्स, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित औद्योगिकीकरण, जलवायु-अनुकूल कृषि, उप-सहारा अफ्रीका में फिनटेक इकोसिस्टम का विकास तथा अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र के तहत व्यापार एकीकरण जैसे विषयों पर चर्चा हुई। आईएईएफ के अनुसार, भारत और अफ्रीका की संयुक्त आर्थिक क्षमता लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर के बराबर है। दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा, आर्टिफिशियल इटेलिजेंस (एआई), फिनटेक, जलवायु प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेजी से अवसर बढ़ रहे हैं। सम्मेलन के दौरान आईएईएफ ने अफ्रीका के भारतीय मूल के 100 सबसे प्रभावशाली उद्यमियों की सूची भी जारी की।

मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि मंदिर में किए दर्शन-पूजन

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को मंदिर मार्ग स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान के समक्ष राष्ट्र की प्रगति, दिल्ली के सर्वांगीण विकास तथा समाज में शांति, सद्भाव और समरसता की प्रार्थना की। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संत-महात्माओं एवं गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल ज्ञान प्रदान करने वाले शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। गुरु ही व्यक्ति के भीतर ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और सेवा की भावना का संचार करते हैं तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति की उन महान परंपराओं का पर्व है, जो हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। हमारे ऋषि-मुनियों और गुरु परंपरा ने भारत को ज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति की ऐसी अमूल्य धरोहर दी है, जिसने विश्व को सदैव प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हमें अपने जीवन में सत्य, सेवा, अनुशासन, नैतिकता और सदाचार के मूल्यों को अपनाने का भी संदेश देता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने गुरुजनों के आदर्शों का अनुसरण करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिल्लीवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की।

मुर्मु ने कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने पर अनेक नागरिक-केंद्रित पहलों का शुभारंभ किया

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रपति भवन तथा राष्ट्रपति संपदाओं में अनेक पहलों का उद्घाटन किया और विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी। राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को बताया कि इन पहलों में राष्ट्रपति भवन के आगंतुकों के लिए हिंदी, अंग्रेजी तथा 14 अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध, सांकेतिक भाषा मॉड्यूल से युक्त एप-आधारित ई-ऑडियो गाइड का शुभारंभ, 300 चयनित राष्ट्रपति उपहारों की सार्वजनिक नीलामी के लिए ई-उपहार के तीसरे संस्करण का शुभारंभ, जिसकी नीलामी आगामी 5 अगस्त से 5 सितंबर तक होगी, राष्ट्रपति संपदा के बच्चों के लिए ह्यबचपन बाल परिसरह्व का उद्घाटन तथा कर्मचारियों और राष्ट्रपति संपदा के निवासियों के लिए महिलाओं द्वारा संचालित चालकों और परिचालकों के साथ किराया-मुक्त विद्युत बस सेवा ह्यराहीह्व का शुभारंभ शामिल है। राष्ट्रपति ने नेट जीरो एनर्जी रणनीति के अंतर्गत सेवा ब्लॉक के निर्माण की आधारशिला भी रखी तथा राष्ट्रपति निकेतन, देहरादून और राष्ट्रपति निलयम, सिकंदराबाद में आवास सुविधाओं का उद्घाटन किया। इसके अलावा राष्ट्रपति संपदा में स्टाफ क्वार्टरों के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखी। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह निरंतर प्रयास रहा है कि राष्ट्रपति भवन भारत की समृद्ध परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय आदर्शों का एक सजीव प्रतीक बना रहे। उन्होंने पिछले एक वर्ष के दौरान भारत की सभ्यतागत विरासत को बढ़ावा देने के लिए उठाये गये कदमों का भी उल्लेख किया। बाद में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति मुर्मु के कार्यकाल पर आधारित पांच प्रकाशनों का लोकार्पण किया और उनकी प्रथम प्रतियां राष्ट्रपति को भेंट कीं। राष्ट्रपति ने कहा कि इन पुस्तकों के शीर्षक समावेशी लोकतंत्र में हमारी आस्था को प्रतिबिंबित करते हैं और ये पाठकों को राष्ट्रपति भवन की परंपराओं, कार्यप्रणाली तथा उसके विविध आयामों से परिचित करायेंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि चार वर्ष पहले 25 जुलाई को भारत के राष्ट्रपति का पद ग्रहण करना उनके लिए सम्मान से अधिक एक जिम्मेदारी थी और उन्होंने पिछले चार वर्षों में इसी दायित्वबोध के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि वे युवाओं को नैतिक मूल्यों पर कायम रहने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, जनजातीय समुदायों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए विकास की मुख्यधारा से जुड़ने तथा विदेशों में रहने वाले भारतीयों को भारत की विकास यात्रा में योगदान देने के लिए प्रेरित करती रही हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु ने पिछले चार वर्षों में गरिमा, विनम्रता, विवेक तथा संविधान के अक्षर और भावना के प्रति प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्रपति पद की प्रतिष्ठा को और समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि ओडिशा के एक दूरस्थ जनजातीय गांव से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक उनकी यात्रा भारतीय लोकतंत्र की शक्ति और समावेशिता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु के कार्यकाल की विभिन्न पहलों ने राष्ट्रपति पद को जनता के और निकट लाने तथा औपनिवेशिक मानसिकता से आगे बढ़ने की दिशा में योगदान दिया है।

जोशी के बारे में कुछ भी असंसदीय नहीं कहा, हर सजा के लिए तैयार: प्रियंका

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी के बारे में एक दिन पहले लोकसभा में जो कुछ बोला था, उसमें कुछ भी ह्यह्यअसंसदीयह्वह्व नहीं था और वह किसी भी सजा के लिए तैयार हैं। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि जोशी ने अपने गृह प्रदेश कर्नाटक में उस व्यक्ति को भाजपा में शामिल करवाया था जिसने मेंगलुरु में एक पब में महिलाओं की पिटाई की थी। सदन की कार्यवाही से उनके कुछ शब्दों को हटाए जाने के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस सांसद ने संवाददाताओं से कहा, ह्यह्यमैंने नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी के लिए सदन में जो कहा, उसमें कुछ भी असंसदीय नहीं था। वह सच्चाई है, जिसका वीडियो भी है। सत्तापक्ष की ओर से विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही किए जाने की संभावना से जुड़े सवाल पर प्रियंका गांधी का यह भी कहना था कि यदि सच बोलने की वजह से उन्हें सजा मिलती है तो वह उसे स्वीकार करेंगी, लेकिन सच बोलना नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने आरोप लगाया, मेंगलुरु के एक पब में लड़कियों की पिटाई करने वाले व्यक्ति को प्रह्लाद जोशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल कराया था और इसके समर्थन में तस्वीरें भी मौजूद हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रह्लाद जोशी की यही मानसिकता है। कांग्रेस महासचिव ने बिलकीस बानो मामले में दोषियों को जमानत मिलने से संबंधित एक अखबार में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए मंगलवार को लोकसभा में शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी को लेकर कुछ टिप्पणी की थी, जिसे कार्यवाही से हटा दिया गया। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आपत्ति जताते हुए कहा था कि नये शिक्षा मंत्री के संबंध में की गई टिप्पणी चरित्र हनन है और बिना सत्यापन के इस तरह के आरोप लगाना उचित नहीं है।

एकेजी भवन मामले पर बोले जेपी नड्डा-आपातकाल के दौरान मुझे कई बार कक्षा से गिरफ्तार किया गया

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में माकपा सांसद डॉ. जॉन ब्रिटास और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा दिल्ली स्थित माकपा मुख्यालय एकेजी भवन में दिल्ली पुलिस के प्रवेश का मुद्दा उठाया गया। जॉन ब्रिटास ने कहा कि पुलिस यहां एक छात्र नेता को गिरफ्तार करने पहुंची थी। इस पर राज्यसभा में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस घटना को अनावश्यक रूप से तूल दिया जा रहा है और इसे सामान्य कानून-व्यवस्था की कार्रवाई के रूप में देखा जाना चाहिए। जेपी नड्डा ने सरकार की ओर से इस विषय पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके मित्र डॉ. जॉन ब्रिटास ने जो मुद्दा उठाया है, वह मूल रूप से कानून-व्यवस्था से जुड़ा एक सामान्य मामला है और इसे उसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। उन्होंने अपने छात्र जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि वह स्वयं छात्र राजनीति से जुड़े रहे हैं। आपातकाल के दौरान उन्हें कई बार कक्षा से ही गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि उन्हें एक बार नहीं, बल्कि दो बार कक्षा से गिरफ्तार किया गया और उस समय भी उन्होंने ऐसी परिस्थितियों का सामना किया था। जेपी नड्डा ने कहा कि छात्र आंदोलनों में सक्रिय रहने वालों को कई बार कानून के तहत कार्रवाई का सामना करना पड़ता है और पुलिस अपने दायित्व के अनुसार काम करती है। इस मामले में भी पुलिस ने अपने कर्तव्य के अनुरूप कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि इस घटना को सनसनीखेज बनाने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। सदन के नेता ने कहा कि यह कानून-व्यवस्था से जुड़ी सामान्य प्रशासनिक कार्रवाई है, जिसे पुलिस समय-समय पर करती रहती है। जो लोग छात्र आंदोलन या सक्रिय राजनीति का हिस्सा बनते हैं, उन्हें ऐसी कानूनी प्रक्रियाओं का सामना करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

राहुल गांधी के गोली चलाने के आरोपों पर जितेंद्र सिंह का पलटवार

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों पर तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिना तथ्यों की पुष्टि किए गंभीर आरोप लगा रहे हैं और उन्हें प्रशासनिक प्रक्रियाओं की बुनियादी जानकारी भी नहीं है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इतने महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष का रवैया निराशाजनक रहा। उन्होंने कहा कि यह कानून सार्वजनिक परीक्षाओं में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, लेकिन विपक्ष रचनात्मक सुझाव देने के बजाय इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है। उन्होंने कहा, सबसे पहले विपक्ष का आचरण बेहद निराशाजनक है। इतने अहम विधेयक पर सार्थक चर्चा करने और सुझाव देने के बजाय विपक्ष राजनीति कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकसभा में राहुल गांधी द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा अनुचित थी और सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं थी। उन्होंने कहा, मुझे विपक्ष के नेता के व्यवहार पर आश्चर्य है। संसद में जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया, वह उचित नहीं थी। यदि कोई सांसद अपने बारे में किसी तरह की टिप्पणी करना चाहता है तो वह संसद के बाहर कर सकता है, लेकिन सदन के भीतर ऐसी भाषा का कोई स्थान नहीं है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्ष के नेता का पद अत्यंत सम्मानजनक होता है और यह हैरानी की बात है कि राहुल गांधी को संसदीय मयार्दाओं की बुनियादी जानकारी भी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी का दावा है कि उनकी टिप्पणी किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं थी, तो फिर क्या वह छात्रों के लिए थी। यदि देश के छात्रों के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, तो इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता। राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश देने के आरोपों को खारिज करते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया गया।

विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने भारत में कार्यकाल संपन्न करने वाले अल सल्वाडोर के राजदूत से की मुलाकात

नई दिल्ली। विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) पबित्रा मार्गेरिटा ने बुधवार को नई दिल्ली में अल सल्वाडोर के राजदूत गुइलेर्मो रुबियो फुनेस से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान की सराहना की। मुलाकात के बाद पबित्रा मार्गेरिटा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत में अपना कार्यकाल पूरा कर रहे अल सल्वाडोर के राजदूत महामहिम गुइलेर्मो रुबियो फुनेस से मुलाकात की। उनके कार्यकाल के दौरान भारत-अल सल्वाडोर संबंधों को मजबूत करने में दिए गए बहुमूल्य योगदान की सराहना की। दोनों देशों के संबंध काफी अच्छे रहे हैं। कई समारोह का आयोजन किया जाता रहा है जिसमें भारत की सहभागिता अभूतपूर्व रही है। जून में ग्वाटेमाला में भारत के राजदूत और अल सल्वाडोर के लिए समवर्ती रूप से मान्यता प्राप्त राजदूत राज कुमार सिंह ने अल सल्वाडोर के राष्ट्रीय महल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में भाग लिया था। हर साल 21 जून को दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष योग दिवस का 12वां संस्करण स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम के साथ मनाया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए योग के महत्व पर जोर दिया गया। ग्वाटेमाला स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, राज कुमार सिंह ने अल सल्वाडोर के राष्ट्रीय महल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 समारोह में भाग लिया। इस आयोजन ने योग के शाश्वत संदेश सद्भाव, कल्याण और एकता को रेखांकित किया। सितंबर 2025 में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अल सल्वाडोर के अपने समकक्ष एलेक्जेंड्रा हिल टिनोको को 204वें स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए संबंधों को प्रगाढ़ बनाए रखने पर बल दिया था। जयशंकर ने एक्स पर लिखा था, अल सल्वाडोर के 204वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विदेश मंत्री एलेक्जेंड्रा हिल टिनोको, सरकार और वहां के लोगों को बधाई। विश्वास है कि हमारे संबंध लगातार मजबूत होते रहेंगे। भारत और अल सल्वाडोर के बीच करीबी और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

कहा-चार साल में 6 पेपर लीक, फिर भी इनकार कर रहे सीएम मान....

विपक्ष के सांसदों ने पंजाब के शिक्षा मंत्री का मांगा इस्तीफा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने पंजाब सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की। कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी ने कहा कि देशभर में लगातार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं, जिससे लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में 150 से अधिक पेपर लीक के मामले सामने आए हैं लेकिन दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। अपराधियों को न तो गिरफ्तार किया जा रहा है और न ही उन्हें कड़ी सजा मिल रही है, जिससे ऐसी घटनाओं पर रोक नहीं लग पा रही है। धर्मवीर गांधी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में सरकार बनने के बाद पेपर लीक के छह मामले सामने आ चुके हैं। इन घटनाओं से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य अंधकार में चला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार इन मामलों को गंभीरता से लेने के बजाय पेपर लीक की घटनाओं से ही इनकार कर रही है जबकि इससे जुड़े कई मामले पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में लंबित हैं। उन्होंने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सभी पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए, ताकि छात्रों को न्याय मिल सके। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष और सांसद अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने पंजाब में कथित पेपर लीक मामले पर कहा कि 4 साल में 6 पेपर लीक हुए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान यह क्यों नहीं कह रहे हैं कि पंजाब में जो पेपर लीक हुआ है, उस पर कार्रवाई होगी बल्कि उल्टा वे कह रहे हैं कि कोई पेपर लीक हुआ ही नहीं है। जब प्रदर्शन होगा तब ये बच्चों को कहेंगे कि इन्होंने विधानसभा का घेराव कर दिया और तोड़फोड़ कर दी है। सीएम भगवंत मान को माफी मांगनी चाहिए और राज्य के शिक्षा मंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी पर लगाए गए आरोपों के संदर्भ में कहा कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में उपलब्ध जानकारी स्वयं कई बातों की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में किसी भी तथ्य को लंबे समय तक छिपाना संभव नहीं है।टीएमसी सांसद सॉगत राय ने भी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्ष ने सदन में पूरी गंभीरता से चर्चा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि विपक्ष की ओर से गौरव गोगोई, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव ने सरकार की नीतियों और कमियों पर विस्तार से अपनी बात रखी। सौगत राय ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों को सुनने के बजाय उन्हें नजरअंदाज कर रही है। उनके अनुसार, संसद में महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हो रही है और सरकार को विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देना चाहिए।

वन्यजीव संरक्षण की कहानियां मात्र आंकड़ों तक सीमित नहीं, इनमें पारंपरिक ज्ञान, भावनाएं, अनुभव समाहित: भूपेंद्र यादव

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा आयोजित वैश्विक बाघ दिवस 2026 समारोह को संबोधित किया। उन्होंने प्रकृति के साथ गहरे सामाजिक जुड़ाव और संरक्षण-उन्मुख जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि संरक्षण का अर्थ केवल वन्यजीवों की रक्षा करना ही नहीं है बल्कि प्रकृति के साथ सम्मानजनक संबंध विकसित करना भी है। उन्होंने कहा, प्रकृति केवल पर्यटन या मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि इसका सम्मान किया जाना चाहिए और लोगों को इससे शांति प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने लोगों को प्रकृति से प्रेरणा लेने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत की संरक्षण संबंधी उपलब्धियों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में बाघों (3682) और बाघ अभ्यारण्यों (58) की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में हाथी अभ्यारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभ्यारण्यों, संरक्षित क्षेत्रों, सामुदायिक अभ्यारण्यों और आर्द्रभूमि की संख्या में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने एनटीसीए के पर्यावरण-पर्यटन वेब पेज का शुभारंभ करते हुए सभी बाघ अभ्यारण्यों से संबंधित जानकारी को एक एकीकृत मंच पर लाने के लिए एनटीसीए को बधाई दी। यह सफारी और आवास बुकिंग के लिए सभी बाघ अभ्यारण्यों की प्रामाणिक वेबसाइटों के सीधे लिंक प्रदान करता है। इससे जानकारी अधिक सुलभ हो जाती है और साथ ही जिम्मेदार और टिकाऊ प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा मिलता है। संरक्षण अनुभवों के दस्तावेजीकरण के महत्व का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि वनों की कहानियां केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि इनमें पारंपरिक ज्ञान, भावनाएं, वन्यजीव संरक्षण के प्रति जुनून और वन्यजीव अधिकारियों, संरक्षणवादियों आदि के वर्षों के अनुभव शामिल हैं। उन्होंने वन अधिकारियों से वन्यजीव संरक्षण के बारे में अधिक लिखने और अपने अनुभवों को इस तरह साझा करने का आग्रह किया जिससे व्यावहारिक और लागू करने योग्य नीतिगत समाधानों में योगदान मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

2.558 मिलियन यूनिट बिजली बनाकर तोड़े पिछले सभी रिकॉर्ड

बनबसा (चंपावत), एजेंसी। बनबसा के टनकपुर पावर स्टेशन ने बिजली उत्पादन में नया कीर्तिमान बनाया है। महाप्रबंधक ऋषि रंजन आर्य ने बताया कि पावर स्टेशन ने 23 जुलाई को 2.558 मिलियन यूनिट रिकॉर्ड बिजली पैदा कर अपने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व टनकपुर पावर स्टेशन ने एक दिन का सर्वाधिक उत्पादन 2.548 मिलियन यूनिट 10 सितंबर 2025 के दिन हुआ था। महाप्रबंधक ने इस शानदार उपलब्धि के लिए अपनी पूरी टीम के अधिकारियों, कर्मियों और संविदा कर्मियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनकी पूरी टीम के अनुशासन, समर्पण, तकनीकी उत्कृष्टता, कुशल प्रचालन आयोजन, कठिन परिश्रम और टीम भावना से ही संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि शारदा नदी में पर्याप्त पानी मिलने से समय पर देय लक्ष्य पूरा किया जाता है। कई बार पर्वतीय वर्षा से नदी में आने वाले मलबे के कारण साफ पानी प्रवाहित होने तक भी उत्पादन बंद करना पड़ता है। गंदा पानी पावर चैनल में छोड़ने से पावर हाउस के जनरेटर के ब्लेड में घिसाव होने का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि एनएचपीसी बिजली उत्पादन के साथ ही सीएसआर के तहत पावर स्टेशन क्षेत्र में जनहित कार्य भी कर रही है।

अंधड़ से 11 केवी लाइन ठप, 50 से ज्यादा गांव बेहाल

अस्कोट (पिथौरागढ़), एजेंसी। बिजली लाइन में आई खराबी से अस्कोट क्षेत्र के 50 से ज्यादा गांव पूरी रात अंधेरे के आगोश में रहे। इसके चलते करीब 40 हजार लोगों को पूरी रात परेशानी झेलनी पड़ी। अगले दिन सुबह 11 बजे विद्युत आपूर्ति बहाल होने के बाद ही व्यवस्था सामान्य हो सकी। बृहस्पतिवार देर शाम सात बजे अंधड़ और बारिश से 11 केवीए लाइन में खराबी आ गई। ऐसे में अस्कोट कस्बे के साथ ही देवल, हिनकोट, खोलियागांव, रसगाड़ी, गर्खा, सिंगाली, भागीचौरा, बगड़ीहाट सहित आसपास के गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। यूपीसीएल की टीम ने खराबी का पता लगाने में जंगलों की खाक छानी लेकिन सफलता नहीं मिली। ऐसे में क्षेत्र की बड़ी आबादी को अंधेरे में रात बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। शुक्रवार सुबह टीम ने बमुश्किल खराबी का पता लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की। 16 घंटे बाद आपूर्ति सुचारु होने पर लोगों को राहत मिली। अस्कोट के साथ ही आसपास के गांव घाटी क्षेत्र में बसे हैं जहां इन दिनों गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है। बारिश के बीच उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। इसी बीच बिजली गुल रहने से लोगों की दिक्कत बढ़ गई। कूलर, पंखे शोपीस बने रहे और लोग गर्मी से बेहाल रहे। वहीं फ्रिज बंद होने से दुकानों में रखी आइसक्रीम भी पिघल गई इससे कारोबारियों को नुकसान झेलना पड़ा है। अस्कोट के व्यापारी रमेश पाल ने बताया कि पूर्व में लाइन सुधारीकरण के नाम पर बिजली कटौती होने से नुकसान झेलना पड़ा था। अब आए दिन में लाइन में खराबी आने से हमारी परेशानी बढ़ रही है।

सरस्वती के दूरस्थ मंदिरों में विद्यावाहिनी से पहुंचे विद्यार्थी

चंपावत, एजेंसी। विद्यावाहिनी कार्यक्रम के तहत जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं के लिए वाहन सुविधा शुरू हो गई है। इन विद्यालयों में पढ़ने वाले 100 से अधिक बच्चों को इसका लाभ मिल रहा है। अब विद्यार्थियों को स्कूल और घर पहुंचने के लिए मीलों की दूरी पैदल तय नहीं करनी पड़ेगी। सोमवार को सल्ली-सायली क्षेत्र से जीआईसी धौन के लिए दायित्वधारी श्याम नारायण पांडे ने 40 से अधिक विद्यार्थियों के लिए बस को हरी झंडी दिखाई। बिरगुल और गोली क्षेत्र से जीआईसी भिंगराड़ा के लिए दायित्वधारी मुकेश महराना ने दो वाहन रवाना किए। लोहाघाट विकासखंड के डूंगरालेटी और जमरसी क्षेत्र से जीआईसी मडलक तक दायित्वधारी सुभाष बगौली, ब्लॉक प्रमुख महेंद्र ढेक और ग्राम प्रधान मोहित पाठक ने दो वाहनों को रवाना किया। नौलापानी क्षेत्र से जीआईसी अमोड़ी और बुडम-सुकनी क्षेत्र से जीआईसी तालियाबांज के लिए जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सुंदर बोहरा ने तीन वाहन रवाना किए। जिले के सीमांत क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया कि अब तक छात्रों को कई किलोमीटर पहाड़ी रास्तों पर पैदल चलकर स्कूल पहुंचना पड़ता था, बरसात में यह सफर और कठिन हो जाता था। वाहन सुविधा मिलने से अब बच्चे समय पर विद्यालय पहुंचेंगे और उपस्थिति बढ़ने के साथ ड्रॉपआउट की आशंका भी कम होगी। दूरस्थ क्षेत्र के प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। खनन न्यास निधि से जिले में शिक्षा को हर बच्चे तक पहुंचाने के लिए बस सेवा शुरू की गई है। अब कोई भी बच्चा दूरी या परिवहन के अभाव में शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा।

राजकीय पॉलीटेक्निक में स्पॉट काउंसिलिंग शुरू, 14 अगस्त तक होंगे प्रवेश

द्वाराहाट (अल्मोड़ा), एजेंसी। उत्तराखंड प्राविधिक शिक्षा परिषद ने प्रदेश के सभी राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए स्पॉट काउंसिलिंग शुरू कर दी है। हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई उत्तीर्ण तथा जेईईपी-2026 की पात्रता रखने वाले अभ्यर्थी मेरिट के आधार पर पहले आओ, पहले पाओ व्यवस्था के तहत सीधे प्रवेश ले सकेंगे। संस्थान की ओर से बताया गया कि आवेदन और विकल्प पत्र जमा करने की प्रक्रिया 14 अगस्त तक (कार्य दिवसों में) सुबह 10 से 12 बजे तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थी रिक्त सीटों की जानकारी संबंधित संस्थान की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

खेल विश्वविद्यालय का ढांचा होने जा रहा तैयार, 123 पदों और 4 कोर्सेज से होगी शुरूआत

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के पहले खेल विश्वविद्यालय के संचालन के लिए 123 पदों का ढांचा तैयार करने पर विचार चल रहा है। इन पदों के सृजन को मंजूरी के लिए आगामी कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही विश्वविद्यालय के लिए विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। प्रस्तावित पदों में शैक्षणिक और प्रशासनिक पदों के साथ ही खेल प्रशिक्षण से जुड़े कोच, असिस्टेंट कोच और अन्य तकनीकी पद भी शामिल किए जाएंगे। सरकार की कोशिश है कि विश्वविद्यालय को केवल डिग्री देने वाले संस्थान तक सीमित न रखकर इसे खेल प्रशिक्षण, खेल विज्ञान और खेल प्रतिभाओं के विकास का प्रमुख केंद्र बनाया जाए।

गौलापार खेल विश्वविद्यालय शिलान्यासः हल्द्वानी के गौलापार में स्थापित किए जा रहे उत्तराखंड राज्य खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास अगस्त में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को प्रस्तावित शिलान्यास कार्यक्रम के साथ ही विश्वविद्यालय को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया तेज करदी है। विश्वविद्यालय के स्थायी भवन और अन्य आधारभूत ढांचे का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, लेकिन इसके लिए भवन निर्माण पूरा होने का इंतजार नहीं किया जाएगा। उपलब्ध मौजूदा ढांचे से ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी है।

शुरुआत में खेलों से जुड़े चार प्रमुख क्षेत्रों पर जोरः विश्वविद्यालय में शुरुआती चरण में खेलों से जुड़े विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इनमें स्पोर्ट्स जर्नलिज्म, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और स्पोर्ट्स साइंस प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा बीएससी स्पोर्ट्स जैसे पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाने की योजना है। इसका उद्देश्य खेलों को केवल मैदान तक सीमित रखने के बजाय उससे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में

विशेषज्ञ तैयार करना है।

स्पोर्ट्स साइंस के माध्यम से खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, फिटनेस, प्रदर्शन और वैज्ञानिक तैयारी पर काम किया जाएगा। स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में खेल आयोजनों, टीमों, संस्थानों और खेल गतिविधियों के प्रबंधन से जुड़े विशेषज्ञ तैयार किए जा सकेंगे। वहीं स्पोर्ट्स जर्नलिज्म के जरिए खेल पत्रकारिता और खेल संचार के क्षेत्र में युवाओं को अवसर मिलेंगे। इस तरह खेल विश्वविद्यालय में खिलाड़ी तैयार करने के साथ-साथ खेलों से जुड़े अन्य क्षेत्रों के लिए भी मानव संसाधन विकसित किया जाएगा।

123 पदों में खेल प्रशिक्षण से जुड़े पद भी शामिलः विश्वविद्यालय के लिए प्रस्तावित 123 पदों में अलग-अलग श्रेणियों के पद शामिल होंगे। इनमें शिक्षण और प्रशासनिक पदों के अलावा कोच, असिस्टेंट कोच और खेलों से जुड़े तकनीकी पद भी प्रस्तावित हैं। इन पदों की मदद से विश्वविद्यालय में अकादमिक गतिविधियों के साथ खेल प्रशिक्षण की व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा। सरकार की योजना है कि विश्वविद्यालय में पढ़ाई और प्रशिक्षण को एक-दूसरे से जोड़ा जाए। खिलाड़ी खेल विज्ञान की मदद से अपनी फिटनेस और प्रदर्शन को बेहतर कर सकें, वहीं विद्यार्थियों को खेलों के व्यावहारिक और तकनीकी पहलुओं की जानकारी मिले। इसके लिए प्रशिक्षित कोच और तकनीकी विशेषज्ञों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। कैबिनेट से पदों के ढांचे को मंजूरी मिलने के बाद भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। पहले रायपुर में स्थापना पर हुआ था विचारः खेल विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर शुरुआती दौर में देहरादून के रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज को भी संभावित स्थल के तौर पर देखा गया था। गढ़वाल मंडल में विश्वविद्यालय स्थापित करने को लेकर भी मंथन हुआ, लेकिन बाद में हल्द्वानी के गौलापार को इसके लिए अंतिम रूप दिया गया। गौलापार में पहले से मौजूद बड़े खेल परिसर और खेल सुविधाओं को देखते हुए यहां विश्वविद्यालय की स्थापना का निर्णय लिया गया। यहां उपलब्ध खेल आधारभूत ढांचे का उपयोग विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए किया जा सकेगा। इससे नए संस्थान को प्रारंभिक स्तर पर सुविधाएं विकसित करने में भी मदद मिलेगी। खेल प्रतिभाओं को तैयार करने का बनेगा केंद्रः सरकार की दीर्घकालिक योजना इस विश्वविद्यालय को उत्तराखंड में खेल प्रतिभाओं के विकास के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की है। खासतौर पर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और खेल विज्ञान की सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर रहेगा। विश्वविद्यालय के माध्यम से खेल शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और प्रतिभा विकास को एक ही मंच पर लाने की कोशिश की जाएगी।

झिरना पर्यटन जोन में झुंड से बिछड़ा तीन माह का हाथी का बच्चा, वन विभाग ने निगरानी में रखा

नैनीताल, एजेंसी। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के झिरना जोन में सोमवार सुबह करीब 2-3 माह का एक हाथी का बच्चा अपने झुंड से बिछड़ गया। वनकर्मियों ने गश्त के दौरान उसे अकेले घूमते देखा और काफी देर तक झुंड के न आने पर अधिकारियों को सूचना दी।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के झिरना पर्यटन जोन में सोमवार सुबह करीब दो से तीन माह का हाथी का बच्चा अपने झुंड से बिछड़ गया। गश्त के दौरान वनकर्मियों ने उसे ग्रासलैंड में अकेले घूमते देखा। काफी देर तक आसपास कोई हाथियों का झुंड नहीं पहुंचा तो इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दी गई। अधिकारियों के निर्देश पर पहले उसे प्राकृतिक वातावरण में ही छोड़ दिया गया।

इस दौरान हाथियों का झुंड वहां पहुंचा लेकिन बच्चे को अपने साथ नहीं ले गए। इसके बाद वन विभाग ने बच्चे का रेस्क्यू कर उसे झिरना वन चौकी में निगरानी में रखा है। सीटीआर निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि उसे दोबारा ग्रासलैंड में छोड़ा जाएगा ताकि मूल झुंड उसे पहचानकर अपने साथ ले जा सके।

रुद्रपुर में युवती का अपहरण कर गैंगरेप का आरोप, जांच के लिए टीमें गठित, एक्शन में पुलिस

रुद्रपुर, एजेंसी। सिडकुल क्षेत्र में कार्यरत एक युवती ने तीन युवकों पर अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पीड़िता के अनुसार, शनिवार रात वह अपनी सहेली और दो परिचित युवकों के साथ भूरारानी रोड पर गई थी। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे। उन्होंने चारों को रोक लिया। आरोप है कि तीनों ने जबरन दोनों युवकों और दोनों युवतियों को उनकी ही बाइक पर बैठाकर गदरपुर की ओर ले जाना शुरू कर दिया। घटना के दौरान चारों भयभीत थे। आरोपियों लगातार उन्हें धमकाते रहे।

रास्ते में मौका मिलते ही एक युवक और एक युवती चलती बाइक से कूदकर किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलने में सफल रहे। दूसरी युवती और उसके साथ मौजूद युवक आरोपियों के कब्जे में ही रहे। आरोप है कि बदमाश दोनों को गदरपुर क्षेत्र की ओर ले गए. वहां पहुंचने के बाद आरोपियों ने युवक को रास्ते में उतार दिया. वे युवती को अपने साथ ले गए।

सीओ सिटी रुद्रपुर विभव सैनी ने बताया मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है. जांच शुरू कर दी गए है. आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने बताया पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद तीनों आरोपियों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया. पूरी रात उसे अपने कब्जे में रखने के बाद रविवार सुबह आरोपी उसे मेट्रोपोलिस अंडरपास के पास छोड़कर फरार हो गए. किसी तरह पीड़िता ने अपने परिचितों और पुलिस को घटना की सूचना दी.

जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची. पीड़िता को सुरक्षित अपने साथ लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की. पुलिस ने पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया. साथ ही उसके बयान दर्ज किए. शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना से जुड़े सभी तथ्यों की गहनता से जांच की जा रही है। घटनास्थल से लेकर आरोपियों के संभावित आने-जाने वाले मार्गों तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है. साथ ही पीड़िता और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ कर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं. पुलिस का दावा है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है. उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है.

अधिकारियों ने कहा यह बेहद संवेदनशील मामला है. जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी. वैज्ञानिक साक्ष्यों, मेडिकल रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर विवेचना आगे बढ़ाई जा रही है.

खटीमा के बीएसएफ जवान मोहन सिंह ने किया एवरेस्ट फतह, थारू जनजाति समाज ने किया सम्मानित

खटीमा, एजेंसी। हौसलों की उड़ान जब बुलंद हो, तो दुनिया की सबसे ऊंची चोटी भी कदमों में झुक जाती है. खटीमा के अंजनिया गांव के बीएसएफ जवान मोहन सिंह राणा ने माउंट एवरेस्ट फतह कर इतिहास रच दिया है. थारू जनजाति समाज के पहले एवरेस्ट विजेता बने मोहन सिंह राणा का उनके गृह क्षेत्र में भव्य सम्मान हुआ. उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल पूरे थारू समाज, बल्कि खटीमा और उत्तराखंड का भी गौरव बढ़ाया है.

खटीमा के अंजनिया चकरपुर ग्राम निवासी बीएसएफ जवान मोहन सिंह राणा ने विश्व की सबसे ऊंची चौथी माउंट एवरेस्ट को फतेह कर थारू जनजाति समाज सहित खटीमा क्षेत्र को गौरवान्वित किया है. खटीमा क्षेत्र के लाल अंजनिया खेतलसंडा मुस्ताजर निवासी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान मोहन सिंह राणा ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को बीएसएफ के एवरेस्ट अभियान के तहत फतह किया है.

उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों उनके परिजनों में खुशी की लहर है.

मोहन सिंह राणा साल 2012 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे.

मोहन सिंह राणा ने बीएसएफ के पर्वतारोही दल 12 सदस्यीय दल के साथ एवरेस्ट फतेह कर अपना सपना पूरा किया हैं.

उन्होंने अपने दल के साथ 21 जून को एवरेस्ट पर तिरंगा फहराया था. एवरेस्ट फतेह करने के बाद मोहन सिंह राणा अब अपने घर अंजनिया खटीमा पहुंचा, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया.

जवान मोहन सिंह राणा थारू जनजाति समाज के पहले ऐसे युवा बन गए, जिन्होंने एवरेस्ट की विश्व विख्यात चोटी को विजय कर भारत का तिरंगा फहरा दिया. थारू राणा परिषद खटीमा के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ जनजातीय नेता एडवोकेट रमेश सिंह राणा ने अपने समाज के युवाओं के साथ मोहन सिंह राणा को सम्मानित किया. एडवोकेट रमेश सिंह राणा ने कहा कि एक साधारण किसान परिवार से निकलकर मोहन सिंह राणा ने अपनी मेहनत, लगन और साहस के दम पर विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर विजय प्राप्त कर पूरे थारू जनजाति समाज खटीमा और उत्तराखंड को गौरवान्वित किया है. उनकी यह उपलब्धि जनजातीय समाज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी. उन्होंने यह भी कहा कि इससे पूर्व खटीमा की बेटी एवं आईटीबीपी की जवान तिला सैन भी माउंट एवरेस्ट फतह कर क्षेत्र को गौरवान्वित कर चुकी हैं. अब मोहन सिंह राणा की सफलता ने एक बार फिर खटीमा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है.

पोस्टकार्ड के रूप में लोगों तक पहुंचेगी फूलों की घाटी की सौंदर्यता, डाक विभाग ने की है अनूठी पहल

ज्योतिर्मठ (चमोली), एजेंसी। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल पर आधारित चित्रित पोस्टकार्ड जारी किया गया है। फूलों की घाटी अपने दुर्लभ अल्पाइन पुष्पों और मनोरम दृश्यों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, और यह पोस्टकार्ड इस प्राकृतिक सौंदर्य को एक नए माध्यम से पेश करेगा। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल 'वैली ऑफ फ्लावर्स' (फूलों की घाटी) की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता अब विशेष चित्रित पोस्टकार्ड के रूप में लोगों तक पहुंचेगी। ज्योतिर्मठ-डाक विभाग उत्तराखंड परिमंडल ने आज इस अनूठी पहल का शुभारंभ किया, जिसमें मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, उत्तराखंड परिमंडल शशि शालिनी कुजूर ने विशेष पोस्टकार्ड का विमोचन किया।

यह पहल उत्तराखंड की समृद्ध प्राकृतिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने और क्षेत्र में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई है। फूलों की घाटी अपने दुर्लभ अल्पाइन पुष्पों और मनोरम दृश्यों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, और यह पोस्टकार्ड इस प्राकृतिक सौंदर्य को एक नए माध्यम से पेश करेगा।

रामगंगा बांध क्षेत्र में घुसा विशाल टस्कर हाथी, कर्मचारियों में मची अफरा-तफरी

रामनगर, एजेंसी। कालागढ़ टाइगर रिजर्व के रामगंगा बांध क्षेत्र में बीते रोज एक विशाल टस्कर हाथी के अचानक पहुंचने से कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गया. हाथी काफी देर तक बांध परिसर में बेखौफ होकर घूमता रहा. इस दौरान कर्मचारियों ने किसी तरह सुरक्षित स्थानों पर जाकर खुद को हाथी से दूर रखा. वहीं, कर्मचारियों ने दूर से ही हाथी की गतिविधियों का वीडियो अपने मोबाइल पर कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

बताया जा रहा है कि कालागढ़ स्थित रामगंगा बांध क्षेत्र में कर्मचारी अपने रोजमर्रा के काम में जुटे हुए थे. इसी दौरान एक विशाल टस्कर हाथी अचानक परिसर के आसपास पहुंच गया, हाथी को सामने देखकर वहां मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया. कुछ ही देर में कर्मचारियों ने सतर्कता बरतते हुए खुद को हाथी से सुरक्षित दूरी पर कर लिया. विशाल टस्कर हाथी काफी देर तक बांध परिसर में घूमता रहा. इस दौरान किसी भी कर्मचारी ने उसके करीब जाने या उसे छेड़ने की कोशिश नहीं की. कर्मचारियों ने सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए हाथी की गतिविधियों को अपने मोबाइल कैमरों में रिकॉर्ड किया. अब हाथी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वन्यजीव विशेषज्ञ संजय छिम्वाल के अनुसार, बरसात के मौसम में जंगलों और वन क्षेत्रों में हाथियों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं. भोजन और पानी की तलाश में कई बार हाथी जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों, सड़कों और विभिन्न संस्थानों के आसपास भी पहुंच जाते हैं. ऐसे में वन क्षेत्र से सटे इलाकों में रहने वाले लोगों और संस्थानों में काम करने वाले कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है. विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि यदि हाथी या कोई अन्य वन्यजीव दिखाई दे तो उसके करीब जाने, उसे परेशान करने या उसका रास्ता रोकने का प्रयास न करें. वन्यजीव से सुरक्षित दूरी बनाए रखें और तत्काल संबंधित वन विभाग को इसकी सूचना दें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके.बता दें कि कालागढ़ क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही लगातार बनी रहती है. जंगल से सटा इलाका होने के कारण अक्सर हाथी जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों की ओर भी मूवमेंट करते नजर आते हैं. खासतौर पर कालागढ़ टाइगर रिजर्व की सड़कों पर आए दिन हाथियों के झुंड या अकेले टस्कर हाथी दिखाई देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं.

29 में से 9 गाड़ी कंपनियों ने माना, ई-20 से 2023 से पहले की 30 करोड गाड़ी होंगी खराब: केजरीवाल

● मैंने 29 ऑटो कंपनियों को पत्र लिख कर पूछा था, क्या ई-20 से 2023 से पहले बनी गाड़ियां खराब होती हैं तो हजार्ना देंगे?- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। ई-20 पेट्रोल 2023 से पहले बनी गाड़ियों के लिए सुरक्षित नहीं हैं, इसके इस्तेमाल से करीब 30 करोड़ पुरानी गाड़ियां खराब हो जाएंगी, लेकिन मोदी सरकार के डर से यह बात सार्वजनिक रूप से लिखकर देने के लिए कोई भी ऑटो निमार्ता कंपनी तैयार नहीं है। हालांकि देश में स्थित 29 में से 9 ऑटो कंपनियों ने मीटिंग में यह माना है कि इसके इस्तेमाल से पुरानी गाड़ियों को नुकसान होगा और माइलेज भी गिरेगी। बुधवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ये यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल से इथेनॉल महंगा है, माइलेज कम देता है, विदेशी मुद्रा भी नहीं बचती और न किसानों को फायदा है, फिर मोदी जी की इतनी दिलचस्पी क्यों? गाड़ी और पेट्रोल जनता को इस्तेमाल करना है, फिर मोदी सरकार इथेनॉल जबरदस्ती क्यों थोप रही है? बुधवार को आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई-20 पेट्रोल थोपने के लिए मोदी सरकार पूरी तरह से गुंडागर्दी पर उतर आई है। अभी कुछ दिन पहले मैंने 29 कंपनियों को चिट्ठी लिखी थी। ये 29 वो कंपनियां हैं जो हमारे देश में पेट्रोल पर चलने वाले टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर बनाती हैं। उनसे चिट्ठी में मैंने साफ-साफ लिखकर यह बताने को कहा था कि क्या 2023 से पहले बने हुए उनके वाहनों में ई-20 पेट्रोल इस्तेमाल किया जा सकता है? मैंने पूछा था कि अगर वे कंपनियां कहती हैं कि इसका इस्तेमाल किया जा सकता है, तो क्या हमारी गाड़ी खराब होने पर या माइलेज गिरने पर वे हजार्ना देंगी? 29 में से लिखित में तो किसी का भी जवाब नहीं आया, लेकिन नौ कंपनियों के अधिकारियों के साथ फोन पर मेरी लंबी बातचीत हुई। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि 9 कंपनियों के अधिकारियों ने व्यक्तिगत मुझे बताया कि मोदी सरकार खुलेआम धमकी दे रही है। तकनीकी और इंजीनियरिंग के नजरिए से सच्चाई यह है कि अगर 2023 से पहले के वाहनों में ई-20 इस्तेमाल किया जाता है, तो वाहन, उसका इंजन और फ्यूल ट्रेन सिस्टम खराब होगा और माइलेज भी गिरेगी। कंपनियों को मोदी सरकार द्वारा धमकी दी गई है कि अगर उन्होंने पब्लिक में यह बात कही, तो उनकी खैर नहीं है। मोदी सरकार उनका प्लांट बंद करा देगी, ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई की रेड करा देगी और उनकी कंपनी बंद करा देगी। इसलिए वे यह लिखकर नहीं दे सकते। मोदी सरकार दबाव डाल रही है कि वे लिखकर दें कि ई-20 सेफ है। मारुति ने ऐसा लिखकर दिया था, तो उन्हें लेने के देने पड़ गए और कंज्यूमर कोर्ट ने आदेश दिया कि गाड़ी रिप्लेस करके दो। कंपनियों का कहना है कि अगर वे लिखकर देते हैं कि ई-20 सेफ है, तो जनता कोर्ट में जाकर गाड़ी रिप्लेस करने और खराब कॉम्पोनेंट व गिरी हुई माइलेज का हजार्ना मांगेगी, इसलिए वे कुछ भी लिखकर नहीं दे सकते। अरविंद केजरीवाल ने सवाल किया कि मोदी सरकार कंपनियों पर गुंडागर्दी करके दबाव क्यों डाल रही है?

सांसद कमलजीत सहरावत और बांसुरी स्वराज ने दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा महिलाओं के लिए 2500 रुपये प्रतिमाह की दिल्ली लक्ष्मी योजना को मंजूरी दिए जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज और सांसद कमलजीत सहरावत ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार जताया। समाज की दो महिलाओं संतोष देवी एवं सोनिया के साथ दिल्ली की दो महिला लोकसभा सांसदों कमलजीत सहरावत एवं बांसुरी स्वराज ने बुधवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा दिल्ली लक्ष्मी योजना लागू करने पर उनका आभार प्रकट किया। संतोष देवी लाजपत नगर में खाने की रेहड़ी लगाती हैं और सोनिया घरेलू कार्य सहायक के रूप में कार्यरत हैं। कमलजीत सहरावत ने वार्ता में कहा कि दिल्ली का दुर्भाग्य रहा है कि 2014 -2025 तक एक ऐसी सरकार यहां रही जिसने अपनी राजनीतिक स्वार्थ को सर्वोपरि रखा, चाहे उसके लिए दिल्ली की जनता केन्द्र सरकार की योजनाओं से अछूती क्यों ना रह जाये। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार ने केन्द्र सरकार की किसी भी योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया और अपनी ओर से किसी भी तरह की योजनाओं की पहल नहीं की। जो योजनाएं वे लेकर भी आए वह सिर्फ भ्रष्टाचार का माध्यम बनीं। कमलजीत सहरावत ने कहा कि 2025 में जब रेखा गुप्ता की सरकार बनी तो उन्होंने जो केन्द्रीय योजनाएं दिल्ली में लागू नहीं की गई थीं उन्हें लागू किया और साथ ही अब अपनी नई योजनाओं के माध्यम से दिल्लीवालों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मात्र 16 महीने की सरकार ने कई योजनाएं दी और अब दिल्ली लक्ष्मी योजना लागू कर दिल्ली की महिलाओं को लाभ पहुंचाने का काम किया है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को ग्राउंड पर चरितार्थ करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि वुमेन लेड डेवलपमेंट केवल भाजपा का नारा ही नहीं है बल्कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने इसको चरितार्थ करने का काम किया है। चाहे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ हो या फिर जन धन योजना हो। 50 फीसदी से ज्यादा बैंक एकाउंट महिलाओं के ही खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मुद्रा योजना के तहत महिलाओं को वित्तीय मजबूती दी तो उज्जवला योजना के तहत उन्हें समाजिक न्याय दिया।

संक्षिप्त खबरें

कांवड़ शिविरों की बढ़ी अनुदान राशि का स्वागत

नई दिल्ली। सीमापुरी के विधायक वीर सिंह धिंगान ने कांवड़ शिविर लगाने वाली संस्थाओं के लिए अनुदान राशि और बिजली की इकाइयों में वृद्धि के दिल्ली सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। साथ ही उन्होंने वर्ष 2025 में वंचित रह गई संस्थाओं को भी शीघ्र भुगतान कराने की मांग भी उठाई है। वीर सिंह धिंगान ने कहा कि इस वर्ष यमुना पार की कई कांवड़ शिविर समितियों को भी पूरा भुगतान नहीं मिला, जबकि कुछ संस्थाओं को नियमों की अनदेखी करते हुए कोई भुगतान ही नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा करने वाली संस्थाओं के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने दिल्ली सरकार से मांग की कि वर्ष 2025 के भुगतान संबंधी मामलों की विशेष जांच कराई जाए तथा जिन संस्थाओं को अनुदान राशि नहीं मिली या कम भुगतान हुआ, उन्हें शीघ्र पूरा भुगतान किया जाए। इस संबंध में वीर सिंह धिंगान ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के उपराज्यपाल को संयुक्त पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

हेपेटाइटिस के लक्षणों को न करें नजरअंदाज : डॉ. मनोज कुमार निराला

नई दिल्ली। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर वरिष्ठ वाणी, भाषा एवं श्रवण रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज कुमार निराला ने कहा कि हेपेटाइटिस आज भी जनस्वास्थ्य की गंभीर चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच, टीकाकरण और वैज्ञानिक उपचार से इस रोग के गंभीर दुष्परिणामों को काफी हद तक रोका जा सकता है। डॉ. मनोज कुमार निराला ने बताया कि हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई प्रकार के विषाणुओं के कारण होता है। इनमें विशेष रूप से हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी लंबे समय तक बिना स्पष्ट लक्षणों के शरीर में रहकर यकृत सिरोसिस और यकृत कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि लगातार थकान, भूख कम लगना, मतली, पेट में दर्द और पीलिया जैसे शुरूआती लक्षणों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षित रक्त चढ़ाना, स्वच्छ सुई और सिरिंज का उपयोग, स्वच्छ भोजन तथा पेयजल और विशेष रूप से हेपेटाइटिस-बी का टीकाकरण इस रोग की रोकथाम के प्रभावी उपाय हैं। उन्होंने लोगों से हेपेटाइटिस से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और प्रभावित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव समाप्त करने का आह्वान करते हुए कहा कि जागरूकता, समय पर उपचार और पुनर्वास के माध्यम से स्वस्थ भारत का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

परीक्षा सुधार समिति का स्वागत, व्यवस्था होगी मजबूत : विनोद जायस

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के उत्तर-पूर्वी जिला के पूर्व उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस ने देश की परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति का स्वागत किया है। उन्होंने इसे छात्रों के भविष्य की सुरक्षा और परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। ठाकुर विनोद जायस ने कहा कि हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं की घटनाओं से छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ी थी। ऐसे समय में विशेषज्ञों की समिति का गठन यह दशार्ता है कि सरकार परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए गंभीर है। उन्होंने कहा कि समिति में विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञ शामिल हैं, जो परीक्षा व्यवस्था की कमियों का अध्ययन कर प्रभावी सुझाव देंगे। उनका विश्वास है कि आधुनिक तकनीक के अधिक उपयोग से प्रश्नपत्रों की गोपनीयता मजबूत होगी, अनियमितताओं पर अंकुश लगेगा और योग्य विद्यार्थियों को निष्पक्ष वातावरण में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

कांवड़ रूट पर ट्रैफिक पुलिस का सख्त पहरा, अफसर सड़क पर

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा-पूर्वी दिल्ली। कांवड़ यात्रा के बढ़ते दबाव के बीच ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी खुद मैदान में उतर आए। जोन-1 के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) विजयंत आर्य और विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) मनीष अग्रवाल ने गाजीपुर टेल्को प्वाइंट से चिंतामणि चौक तक कांवड़ रूट का सघन निरीक्षण कर जमीनी हालात का जायजा लिया। संवेदनशील स्थानों पर अधिकारियों ने विशेष फोकस किया, जहां कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। मौके पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए गए कि कांवड़ियों की आवाजाही सुरक्षित और निर्बाध बनी रहे, साथ ही आम जनता को भी कम से कम असुविधा हो। अप्सरा बॉर्डर, मेन एंट्री, सीमापुरी गोल चक्कर समेत कई अहम प्वाइंटों पर रुककर ट्रैफिक और सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से समीक्षा की गई। रूट संचालन में किसी भी तरह की लापरवाही न हो, इसके लिए मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस दौरान पूर्वी रेंज के पुलिस उपायुक्त के. रमेश, सहायक पुलिस आयुक्त अमरीक राज और यातायात निरीक्षक शाहदरा संजय द्विवेदी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्थानीय स्तर पर तैनाती और समन्वय को और मजबूत करने के निर्देश दिए।

गौ संरक्षण संकल्प के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पुर्वी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महात्यागी खालसा के श्री महन्त एवं महामण्डलेश्वर श्री रामगोविन्द दास महात्यागी जी महाराज के पावन सानिध्य में गुरु के प्रति श्रद्धा एवं समर्पण का महापर्व गुरु पूर्णिमा कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र के चन्द्र पार्क पुरानी अनारकली कालोनी स्थित सिद्ध पीठ श्री सीताराम सन्त सेवा मन्दिर एवं गौ सेवा सदन में गौ संरक्षण संकल्प के साथ मनाई गई सिद्ध पीठ में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित महोत्सव में गाजीपुर होलसेल पेपर मार्किट के चेयरमैन राजीव शर्मा , प्रसिद्ध समाज सेवी रजनीश गुप्ता , विद्या भास्कर त्रिपाठी, मनोज गुप्ता , संजय गुप्ता (नांगल ज्वैलर्स) , भाजपा शाहदरा जिला अध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) विपिन जैन , सखी बाबा (ऋषिकेश) , रिंकू सेठ, महेन्द्र पाल सैनी , राजेश शर्मा , ज्ञानेश्वर भारद्वाज , भाजपा प्रदेश मंत्री प्रवीण शर्मा , शशि भूषण और राजकुमार शर्मा के अलावा दिल्ली , उत्तर प्रदेश , हरियाणा , पंजाब , हिमाचल , महाराष्ट्र , उड़ीसा , उत्तराखण्ड , मध्य प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों से भारी तादाद में पहुंचे भक्तों ने सुप्रभात बेला में श्री राम गोविन्द दास महात्यागी जी महाराज के सानिध्य में गौ संरक्षण संकल्प लेने के साथ गुरु पूजन प्रारम्भ किया । गुरु पूर्णिमा महोत्सव में उपस्थित धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं पर ज्ञान गंगा की अमृत वर्षा करते हुए महात्यागी जी महाराज ने बताया कि गुरु और शिष्य का सम्बन्ध सेतु के समान होता है ।जिसकी महत्ता को शब्दों में बयाँ नहीं किया जा सकता ।शास्त्रों के अनुसार मनुष्य के जीवन में गुरु का स्थान सबसे श्रेष्ठ माना गया है क्योंकि सदगुरु मनुष्य को अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रुपी प्रकाश की और ले जाने का हर सम्भव प्रयास करते हैं ।गुरु पूजा का अर्थ किसी व्यक्ति का पूजन व आदर करना नहीं बल्कि उस गुरु की देह में स्थित ब्रह्म ज्ञान का पूजन करना है । इस वर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महाराज जी ने लड़खड़ाते पर्यावरण संतुलन पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए यह भी कहा कि वर्तमान कलि काल में जिस गति से पृथ्वी पर हरियाली घट रही है और पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है यह बेहद चिंता का विषय है ` ज्ञात रहे इसी वजह से पृथ्वी पर जल संकट भी बढ़ रहा है और प्राण वायु भी घट रही है अतः जीवन बचाने के लिए हर व्यक्ति एक वृक्ष ऐसा अवश्य लगाये जो दशकों तक प्राण वायु बहाने का स्रोत बना रहे महाराज जी ने बताया कि आदिकाल में नारद जी ने भी मानव प्राणी के लिए गुरु की महिमा के सन्दर्भ में सन्देश दिया था कि गुरु गूँगे - गुरु बाबरे - गुरु के रहिये दास - गुरु जो भेजे नर्क को - स्वर्ग की रखिये आस । अर्थात गुरु के प्रति सदैव आसावान रहिये । गुरु के सानिध्य में कभी शिष्य का अहित नही होता गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मन्दिर में सर्वत्र प्राणियों के कल्याणार्थ हरी नाम संकीर्तन व विशाल भंडारे का भी विशेष आयोजन किया गया।

अरुणा आसफ अली को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में आज स्वतंत्रता सेनानी एवं दिल्ली प्रदेश कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष अरुणा आसफ अली की पुण्यतिथि पर उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि अरुणा आसफ अली ने 9 अगस्त 1942 को बंबई के गोवालिया टैंक मैदान में कांग्रेस का ध्वज फहराकर भारत छोड़ो आंदोलन को नई दिशा दी और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने नमक सत्याग्रह में भाग लिया तथा कई बार कारावास भी भोगा उन्होंने बताया कि अरुणा आसफ अली 1946-47 के दौरान दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रहीं। वर्ष 1958 में वह दिल्ली की पहली महिला महापौर निर्वाचित हुईं। स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के लिए उन्हें 1992 में पद्म विभूषण तथा 1997 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

शाहदरा में पुलिस का बड़ा प्रहार: 25 मामलों का आदतन बदमाश दबोचा

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। जिले के जगतपुरी थाना पुलिस ने वाहन चोरी और स्ट्रीट क्राइम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से तीन चोरी के दोपहिया वाहन और एक अवैध बटनदार चाकू बरामद किया गया है। इस कार्रवाई को इलाके में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ अहम सफलता माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार 28 जुलाई को गश्त के दौरान मिली सूचना पर टीम ने मास्टर प्लान रोड पर जाल बिछाया। शाम करीब 5:25 बजे संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह भागने लगा और बारिश के कारण बाइक फिसलने से गिर पड़ा, जिसके बाद उसे दबोच लिया गया। जांच में बरामद बाइक चोरी की निकली और तलाशी में उसके पास से बटनदार चाकू मिला। पूछताछ में आरोपी ने चोरी के वाहनों से स्नैचिंग करने की बात कबूल की, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर दो और चोरी के स्कूटर बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी अमित ठाकुर उर्फ काले (33) लोनी, गाजियाबाद का रहने वाला है और उस पर पहले से करीब 25 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इस कार्रवाई से तीन वाहन चोरी के मामलों का खुलासा किया है और आगे की जांच जारी है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गुरु ही सृष्टि के सृजनहार, पालनहार और संहारकर्ता—डॉ. पंकज पटवा

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। गांधी नगर स्थित डी.ए.वी. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, नेहरू गली, महावीर चौक में बुधवार को व्यास पूजा उत्सव अत्यंत भव्य, गरिमामय और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। पूरे विद्यालय परिसर में गुरु महिमा की गूंज सुनाई दी और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं विधिवत दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय के अध्यक्ष नरेश शर्मा, विद्यालय प्रमुख लखीराम, आचार्य सतीश शर्मा तथा मुख्य अतिथि डॉ. पंकज पटवा (असिस्टेंट प्रोफेसर, श्याम लाल कॉलेज) ने महर्षि वेदव्यास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि डॉ. पंकज पटवा ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु ही ब्रह्मा, गुरु ही विष्णु और गुरु ही महेश हैं, गुरु ही साक्षात परम ब्रह्म हैं। उन्होंने कहा कि गुरु ही वह शक्ति हैं जो अज्ञान के अंधकार को समाप्त कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं और जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। आचार्य सतीश शर्मा ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता बताते हुए विद्यार्थियों को संस्कार, अनुशासन और ज्ञान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भजन, कविता, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वक्ताओं ने महर्षि वेदव्यास के जीवन, उनके अद्वितीय साहित्यिक योगदान और भारतीय संस्कृति में उनके अमूल्य स्थान पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को बताया गया कि महर्षि वेदव्यास ने वेदों को ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद में विभाजित कर ज्ञान को व्यवस्थित किया तथा विश्व के महान महाकाव्य महाभारत की रचना की, जिसका लेखन भगवान गणेश द्वारा किया गया। उन्होंने अठारह पुराण, श्रीमद्भागवत महापुराण और ब्रह्मसूत्र जैसे महान ग्रंथों की रचना कर भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को गुरु-शिष्य परंपरा का महत्व समझाते हुए कहा कि आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा अथवा व्यास पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है, जो गुरु के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के सह बौद्धिक आचार्य सतीश शर्मा ने संत शिरोमणि गुरु रविदास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मन चंगा तो कठौती में गंगा का संदेश दिया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

जरूरतमंद छात्राओं को दुपहिया साइकिलें शिक्षा की राह हुई आसान

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

दिल्ली। कमला नगर स्थित बिरला आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को अखिल भारतीय संस्था तरुण मित्र परिषद द्वारा जरूरतमंद छात्राओं को दुपहिया साइकिलें वितरित की गईं। सादगीपूर्ण कार्यक्रम में छात्राओं के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास नजर आया, वहीं शिक्षा के प्रति समाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी दिया गया। मुख्य अतिथि स्कूल के चेयरमैन योगेश आर्य ने परिषद के 51 वर्षों से चल रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था लंबे समय से साधनहीन विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री, यूनिफॉर्म और छात्रवृत्तियों के माध्यम से सहयोग प्रदान कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के संस्थापक एवं अध्यक्ष अशोक जैन ने की। परिषद के महासचिव मनोज कुमार जैन (मनोनीत निगम पार्षद) ने बताया कि इन्नोविया इंडिया प्रा. लि. के सहयोग से विद्यालय की पांच जरूरतमंद छात्राओं को दुपहिया साइकिलें प्रदान की गईं, जिससे उनकी पढ़ाई में आने वाली कठिनाइयां दूर होंगी। इस अवसर पर वोयजंत इंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिक्की, मानव संसाधन निदेशक काजल पांडे मल्होत्रा, उपाध्यक्ष अशोक कुमार जैन, सहसचिव आलोक जैन, विकास जैन, प्रधानाचार्य निधि वर्मा, अध्यापिका नीलू अरोड़ा तथा प्रबंधक वीरेन्द्र साही सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर गोरक्षनाथ सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की भेंट, लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गोरखपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गोरक्षनाथ सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार त्रिपाठी ने संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गोरखनाथ मठ में शिष्टाचार भेंट कर गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मठ में आयोजित श्रीराम कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया, प्रसाद ग्रहण किया तथा पूज्य गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। गोरक्षनाथ सनातन संघ के राष्ट्रीय मीडिया सह दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित संतोष मिश्रा ने बताया कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा, ज्ञान, सेवा और संस्कार का प्रतीक पर्व है। उन्होंने कहा कि संगठन राष्ट्रहित, सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता एवं जनकल्याण के उद्देश्यों को लेकर निरंतर कार्य कर रहा है तथा देशभर में संगठनात्मक विस्तार और जनजागरण अभियान को गति दे रहा है। मुख्यमंत्री से हुई भेंट के दौरान समाजहित, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा संगठन की भावी गतिविधियों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और लोककल्याण की कामना करते हुए गुरु पूर्णिमा के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी (उत्तर प्रदेश) सुधाकर त्रिपाठी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हरीनाथ राज सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (गोरक्ष प्रांत) आलोक रंजन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, कार्यकारी सदस्य देवानंद शुक्ला, राधामोहन सिंह सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तरुण हत्याकांड: मुख्य आरोपी के नाबालिग होने के दावे पर सवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तम नगर के हस्तसाल इलाके में होली की रात हुए तरुण हत्याकांड में मुख्य आरोपी की उम्र को लेकर विवाद गहरा गया है। मामले में द्वारका की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) अदालत ने उत्तम नगर थाना पुलिस को नोटिस जारी कर कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है। मृतक तरुण के परिवार का आरोप है कि मुख्य आरोपी को नाबालिग साबित करने के लिए उसके परिजनों ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनवाया। शिकायतकर्ता ने कहा कि इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद अदालत का रुख किया गया। तरुण के चाचा टेकचंद ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में शिकायत दायर की है। इसमें आरोप लगाया गया कि आरोपी की मां, पिता और नाना ने उसे नाबालिग दिखाने के उद्देश्य से फर्जी दस्तावेज तैयार कराए। शिकायत के अनुसार, जांच के दौरान आरोपी के दो अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र सामने आए। एक प्रमाण पत्र में जन्मतिथि 7 अक्तूबर 2007 दर्ज है, जबकि दूसरे में 7 अक्तूबर 2011 लिखी गई है। परिवार का आरोप है कि बाद में तैयार किए गए दूसरे प्रमाण पत्र के जरिये आरोपी को नाबालिग दिखाने की कोशिश की गई। सुनवाई में न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उत्तम नगर थाना के एसएचओ को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई से पहले कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करें। अदालत ने पुलिस से यह भी पूछा कि शिकायत मिलने के बाद क्या कार्रवाई की गई, एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई और यदि कार्रवाई में देरी हुई तो उसका कारण क्या था। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी। वहीं, आरोपित की उम्र को लेकर चल रहे विवाद के कारण जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजेबी) में लंबित कार्यवाही पर अपीलीय अदालत ने 1 अगस्त तक अंतरिम रोक लगा रखी है।

सैदुल्लाजाब की आरक्षित वन भूमि से अतिक्रमण हटाइए : एनजीटी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार को साकेत के सैदुल्लाजाब स्थित खसरा संख्या 209 की आरक्षित वन भूमि से सभी अतिक्रमण चार माह के भीतर हटाने का निर्देश दिया है। अधिकरण ने स्पष्ट किया कि पूरी कार्रवाई कानून के अनुरूप की जाए और सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर दिया जाए। आदेश के साथ ही एनजीटी ने मामले का निस्तारण कर दिया। यह मामला करप्शन रिमूवल सोसाइटी की याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि भूमि माफिया और अन्य लोगों ने आरक्षित वन भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है। दावा किया गया कि करीब 50 प्रतिशत वन क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया गया और वहां अवैध निर्माण कर लिए गए हैं। जांच में 19 बीघा जमीन 6.12 बीघा ही मिली थी मामले की जांच के लिए गठित संयुक्त समिति की रिपोर्ट में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी रिकॉर्ड में खसरा संख्या 209 का क्षेत्रफल 19 बीघा दर्ज है, जबकि मौके पर केवल करीब 6.12 बीघा भूमि ही उपलब्ध मिली। समिति ने वन क्षेत्र में पेड़ों की संख्या कम होने, कई स्थानों पर अवैध निर्माण, एक मंदिर, स्थायी चबूतरे तथा बड़ी मात्रा में प्लास्टिक और अन्य कचरा मिलने की पुष्टि की। रिपोर्ट में कहा गया कि इन अतिक्रमणों से वन क्षेत्र की पारिस्थितिकी और वन्यजीवों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। चार माह में कार्रवाई पूरी करने के निर्देश सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के लिए जारी नोटिसों को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी।

संक्षिप्त खबरें

छात्रों का भविष्य प्रभावित, सरकार ने देर की : भीष्म शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं घोंडा के पूर्व विधायक भीष्म शर्मा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह निर्णय बहुत पहले हो जाना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा संबंधी विवादों पर सरकार की देरी और लापरवाही से देश के लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। भीष्म शर्मा ने कहा कि छात्रों और अभिभावकों ने लगातार निष्पक्ष जांच, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की, लेकिन सरकार ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए। उनका कहना था कि यदि समय पर निर्णय लिए जाते तो छात्रों को आंदोलन करने और मानसिक तनाव झेलने की नौबत नहीं आती। उन्होंने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए कठोर कानून, आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था तथा जवाबदेही तय करने की मांग की। भीष्म शर्मा ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित कर ही छात्रों का विश्वास दोबारा स्थापित किया जा सकता है।

एम्स दिल्ली ने बायोकेमिस्ट्री में मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के जैव रसायन विभाग ने हाइ एनालिटिकल टेक्नीक्स इन बायोकेमिस्ट्री नामक एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किया है। यह कोर्स स्वयं-सीईसी प्लेटफॉर्म पर निःशुल्क उपलब्ध है। इसका उद्देश्य जैव रसायन, जैव-चिकित्सीय अनुसंधान और क्लिनिकल प्रयोगशालाओं में उपयोग होने वाली आधुनिक जांच तकनीकों की जानकारी देना है। यह पाठ्यक्रम एमबीबीएस, एमडी, एमएससी, पीएचडी के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों और लैब प्रोफेशनल्स के लिए उपयोगी होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र भी इससे लाभ उठा सकते हैं। कोर्स में क्रोमैटोग्राफी, इलेक्ट्रोफोरेसिस, स्पेक्ट्रोस्कोपी, माइक्रोस्कोपी, एलिसा, पीसीआर और मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स जैसी तकनीकें पढ़ाई जाएंगी। इन तकनीकों के शोध और चिकित्सा क्षेत्र में उपयोग की जानकारी भी दी जाएगी। नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण पर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की निगम पार्षद मोहिनी जीनवाल ने अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी के मामले में दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया। मोहिनी जीनवाल ने कहा कि राम मंदिर से जुड़े इस प्रकरण ने देशभर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि कथित घटना के बाद अब तक दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि इस मामले की पारदर्शी जांच कर दोषियों को कानून के अनुसार दंड मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा के समय श्रेय लेने वाले अब इस प्रकरण पर मौन हैं। मोहिनी जीनवाल ने कहा कि यदि सरकार श्रद्धालुओं की भावनाओं के प्रति गंभीर है तो दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध शीघ्र कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

दिल्ली राजस्व विभाग में तीन अहम पदों पर नई तैनाती

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग में प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। राजस्व विभाग के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच की ओर से जारी आदेशों के अनुसार, प्रदीप कुमार को ग्रुप ए के डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स के पद पर पदोन्नत कर राजस्व विभाग में तैनात किया गया है। इससे पहले वे गुरु तेग बहादुर अस्पताल में कार्यरत थे। उन्होंने 30 जून को कार्यभार संभाल लिया है। मंजीत सिंह शौकीन को असिस्टेंट डायरेक्टर आईटी व सिस्टम एनालिस्ट के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया गया है। वे रजिस्ट्रार कॉपरेटिव सोसायटी विभाग से स्थानांतरित होकर आए हैं और उन्होंने 29 जून को कार्यभार ग्रहण किया। दानिक्स अधिकारी पंकज भटनागर को एसडीएम मुख्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वंदे मातरम का अपमान नही होना चाहिए, लेकिन तिरंगा, जन गण मन का अपमान करने वालों पर कानून कब आएगा? संजय सिंह

● आरएसएस के ऑर्गेनाईजर अखबार ने 28 दिसंबर 1949 के अंक में राष्ट्रगान को मनोरंजन की एक वस्तु लिखा- संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने वंदे मातरम को लेकर लाए जा रहे सख्त कानून को लेकर भाजपा और आरएसएस को जमकर घेरा। उन्होंने सदन में कहा कि वंदे मातरम का अपमान नही होना चाहिए, लेकिन तिरंगा, जन गण मन का अपमान करने वालों पर कानून कब आएगा? भारत माता के बेटे-बेटियों को पीटा गया, जिम्मेदारों को सजा कब मिलेगी? संजय सिंह ने कहा कि आरएसएस के ऑर्गेनाइजर अखबार ने 28 दिसंबर 1949 के अंक में राष्ट्रगान को मनोरंजन की एक वस्तु लिखा था। जबकि 52 साल तक आरएसएस ने अपने मुख्यालय पर तिरंगा झंडा नही फहराया। वहीं, डॉ. हेडगेवार ने 21 जनवरी 1930 को तिरंगे का विरोध करने के लिए संघ के स्वयंसेवकों को पत्र लिखा था। सदन को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा कि वंदे मातरम का अपमान बिल्कुल नहीं होना चाहिए, यह आम आदमी पार्टी की भी मानना है। भारत के राष्ट्रगान और तिरंगे का भी अपमान नहीं होना चाहिए, इसके लिए देश में पहले से ही कानून है। लेकिन मुझे बहुत हंसी आती है कि आज वंदे मातरम पर वो पार्टी बिल लेकर आ रही है, जिसने 52 साल तक आरएसएस के मुख्यालय पर भारत का तिरंगा नहीं फहराया। संजय सिंह ने कहा कि आज वो लोग वंदे मातरम को लेकर सख्त कानून बनाने की बात कर रहे हैं, जिनकी पत्रिका ऑर्गेनाइजर ने 1949 में लिखा था कि राष्ट्रगान मनोरंजन की एक वस्तु है। जिन लोगों और संस्थाओं ने हमारे राष्ट्रगान और तिरंगे का अपमान किया है, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। डॉ. हेडगेवार ने 1930 में तिरंगे का विरोध करने के लिए संघ के स्वयंसेवकों को एक पत्र लिखा था। संजय सिंह ने भाजपा और आरएसएस से पूछा कि वे संघ की शाखाओं में तिरंगा क्यों नहीं लगाते हैं, जो आज वंदे मातरम की बात कर रहे हैं? संजय सिंह ने कहा कि वंदे मातरम का नारा हम भी लगाते हैं और इसका मतलब मातृभूमि की वंदना करना होता है। हम भी भारत माता की जय बोलते हैं और पूरी दुनिया में अपनी भारत माता की जय- जयकार करते हैं। लेकिन सत्ता में बैठे ये भाजपा के लोग उसी भारत माता की बेटियों के सिर दिल्ली में तोड़ते हैं। मातृभूमि की वंदना असल में तब होगी जब सरकार भारत माता के बेटे-बेटियों, देश के किसानों और हिंदुस्तान के मजदूरों का सम्मान करेगी। सरकार तो सबका शोषण कर रही है और सबके ऊपर लाठियां चला रही है।

दिल्ली लक्ष्मी योजना महिलाओं के साथ भद्दा मजाक है, 5 लाख महिलाओं को भी 2500 रुपए नहीं मिल पाएंगे: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने 2500 रुपए देने को लेकर दिल्ली की महिलाओं के साथ धोखा कर ही दिया। रेखा गुप्ता सरकार ने दिल्ली लक्ष्मी योजना में इतनी शर्तें लगा दी है कि उसे पूरा करना अधिकांश महिलाओं के लिए आसान नहीं है। योजना में इतनी शर्तें लगाने पर आम आदमी पार्टी ने पीएम मोदी और भाजपा को उनके चुनावी वादे की याद दिलाते हुए तीखा हमला बोला है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मोहन भागवत कह रहे है कि हर हिंदू को ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। जबकि दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता कह रही हैं कि तीन से ज्यादा बच्चे होने पर दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत 2500 रुपए का लाभ नहीं मिलेगा। हिंदू बेचारा कन्फ्यूज्ड है। रेखा गुप्ता और मोहन भागवत मिलकर बता दें कि हिंदुओं को आखिर करना क्या है? उधर, आप मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के सारे मंत्रियों ने मिलकर यह तय किया है कि दिल्ली में किन महिलाओं को 2500 रुपए दिए जाएंगे और किन्हें नहीं। दिल्ली चुनाव से पहले प्रधानमंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हर भाजपा नेता कह रहा था कि दिल्ली में हर महिला को 2500 रुपए महीना दिया जाएगा। लेकिन अब भाजपा ने इस योजना पर इतनी सारी शर्तें थोप दी हैं कि किसी को यह राशि मिले ही ना। इनकी नीयत इतनी खराब है कि यह किसी भी महिला को पैसे नहीं देना चाहते हैं। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि भाजपा सरकार ने पहली शर्त यह रखी है कि महिला की उम्र 21 से 60 साल के बीच होनी चाहिए। 60 साल से ऊपर और 21 साल से नीचे की महिलाओं को बाहर कर दिया गया है। वोट तो 18 साल से ऊपर की सभी महिलाओं का लिया जाता है। क्या मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री प्रवेश वर्मा या मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के घर में 60 साल से ऊपर की महिलाओं को महिला नहीं माना जाता? इसके बाद इन्होंने एक और शर्त लगा दी कि हर परिवार में सिर्फ एक ही महिला को यह लाभ मिलेगा। जब वोट परिवार के सभी सदस्यों से चाहिए, तो पैसे देते समय यह नियम क्यों लगाया गया है? सौरभ भारद्वाज ने बताया कि एक शर्त यह रखी गई है कि महिला के पास दिल्ली में कम से कम 10 साल रहने का प्रमाण होना चाहिए। एक गरीब आदमी के लिए यह प्रमाण जुटाना बहुत मुश्किल काम है और वोट लेते वक्त तो कोई 10 साल का प्रमाण नहीं मांगता। आखिर इस 10 साल के प्रमाण का औचित्य क्या है और इसके पीछे क्या लॉजिक है?

चिढ़ाने पर नाबालिग की चाकू मारकर की गई थी हत्या, दो किशोर पकड़े

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में मंगलवार सुबह नाबालिग की चाकू मारकर हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में 16 और 17 साल के दो नाबालिग लड़कों को दबोचा है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू और खून से सने कपड़े भी बरामद किए हैं। पूछताछ में दोनों आरोपी लड़कों ने बताया कि मृतक साद उर्फ नामी (16) दोनों आरोपी लड़कों को कुछ न कुछ कहकर चिढ़ाता था। पिछले दिनों आरोपियों ने चिढ़ाने का विरोध किया तो साद ने एक लड़के को थप्पड़ मार दिया। इस बात से खफा होकर दोनों आरोपी साद को बहाने से लोनी से दिल्ली लाए और वारदात को अंजाम दे दिया। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 11.30 बजे उनकी टीम को खबर मिली कि शास्त्री पार्क, डीडीए ग्राउंड के एक गड्ढे में युवक का शव पड़ा है। युवक पर चाकू से कई वार किए गए थे। उस समय मृतक की पहचान नहीं हो पाई। बाद में किसी तरह मृतक की पहचान बेहटा-हाजीपुर, लोनी, गाजियाबाद निवासी साद के रूप में हुई। साद परिवार के साथ बेहटा-हाजीपुर में रहता था। इसके परिवार में मां के अलावा भाई व बहनें हैं। साद एक फैक्टरी में नौकरी करता था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर पड़ताल शुरू की। सीसीटीवी फुटेज से पड़ताल हुई तो दोनों नाबालिग साद के साथ दिखाई दिए। पुलिस ने इसके आधार पर बेहटा-हाजीपुर में छापेमारी कर दोनों नाबालिग को दबोच लिया।

व्यापार, निवेश, सेवाओं को आसान बनाने और अनावश्यक नियमों को हटाने का निर्देश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने व्यापार, निवेश और नागरिक-अनुकूल सेवाओं को आसान बनाने के लिए सभी विभागों को तेजी से काम करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग के विजन के अनुरूप दिल्ली में डीरेगुलेशन (विनियमन में ढील) और कंप्लायंस (अनुपालन) में कमी लाने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री आशीष सूद व मनजिंदर सिंह सिरसा भी शामिल हुए। उपराज्यपाल ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे अनावश्यक नियमों को हटाने और अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में तेजी लाएं। साथ ही ऐसे सुधारों को आगे बढ़ाया जाए जो उद्यमिता को बढ़ावा दें, रोजगार पैदा करें और दिल्ली को सभी के लिए रहने के लिहाज से और बेहतर शहर बनाएं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज दिल्ली में अनावश्यक नियमों को कम करने और शासन-व्यवस्था को सरल बनाने के सुधारों की प्रगति का जायजा लेने के लिए उपराज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (व्यापार में आसानी) और ईज ऑफ लिविंग (जीवन-यापन में आसानी) के विजन के अनुरूप सभी विभागों को उन सुधारों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है जिनसे प्रक्रियाएं सरल हों, निवेश को बढ़ावा मिले, रोजगार के अवसर पैदा हों और बेहतर, तेज तथा नागरिक-अनुकूल सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार पारदर्शी, कुशल और जन-केंद्रित शासन-व्यवस्था के माध्यम से विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

मानसून सत्र में प्रश्नकाल की बहाली की मांग आप ने विधानसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के आगामी मानसून सत्र को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से प्रश्नकाल को शामिल करने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि प्रश्नकाल लोकतांत्रिक विधायी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से जनप्रतिनिधि जनता से जुड़े मुद्दे सदन में उठाकर सरकार से जवाब मांगते हैं। बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने कहा कि लगातार दूसरी बार विधानसभा सत्र बिना प्रश्नकाल के आयोजित होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल के अभाव में जनप्रतिनिधियों को जनता की समस्याओं पर सरकार से सीधे जवाब मांगने का अवसर नहीं मिलेगा। संजीव झा ने विधानसभा अध्यक्ष से प्रश्नकाल की व्यवस्था पुनः लागू करने का आग्रह करते हुए कहा कि विधायी कार्यवाही का उद्देश्य केवल विधेयकों पर चर्चा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। इस मांग का समर्थन करते हुए कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि प्रश्नकाल विधानसभा की कार्यप्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके माध्यम से निर्वाचित प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े जनहित के विषयों को सदन में उठाते हैं और सरकार से उत्तर प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए प्रश्नकाल का आयोजन अनिवार्य होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र 7 अगस्त से 11 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय लिया गया था। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस अवधि में सदन की कार्यवाही तीन दिनों तक चलेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि मानसून सत्र के दौरान दिल्ली के विकास, जनकल्याण और विभिन्न लोकहितकारी योजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर एवं सार्थक चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सरकार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक निर्णय लेने और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली में एसआईआर के तहत 75 लाख से अधिक मतदाता सत्यापन प्रपत्रों का डिजिटलीकरण

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)की प्रक्रिया के तहत 75 लाख से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। निर्वाचन आयोग की नवीनतम स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, 75,72,315 गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया गया है जो दिल्ली के कुल 1,45,10,298 मतदाताओं का 52.19 प्रतिशत है। अब तक 1,44,92,544 मतदाताओं यानी कुल मतदाताओं में से 99.88 प्रतिशत को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। दिल्ली के 13 जिलों में बाहरी उत्तर जिला 64.34 प्रतिशत प्रपत्र अपलोड किए जाने के साथ डिजिटलीकरण अभियान में सबसे आगे है। इसके बाद दक्षिण-पश्चिम में 62.45 प्रतिशत, पश्चिम में 59.46 प्रतिशत, उत्तर-पश्चिम में 58.53 प्रतिशत और मध्य उत्तर में 56.72 प्रतिशत प्रपत्र अपलोड किए गए हैं। दक्षिण-पूर्व जिले में सबसे कम 38.51 प्रतिशत प्रपत्रों का डिजिटलीकरण हुआ है। इसके बाद पूर्व में 43.57 प्रतिशत, दक्षिण में 45.11 प्रतिशत, मध्य में 48.41 प्रतिशत और पुरानी दिल्ली में 48.51 प्रतिशत प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया गया है। संख्या के लिहाज से उत्तर-पूर्व जिले में सर्वाधिक 10,13,554 प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया गया है। इसके बाद पश्चिम में 8,65,773, दक्षिण-पश्चिम में 8,30,483 और दक्षिण में 6,06,769 प्रपत्रों का डिजिटलीकरण हुआ है। दक्षिण-पूर्व, पुरानी दिल्ली, उत्तर, नई दिल्ली, मध्य, बाहरी उत्तर, उत्तर-पूर्व, पूर्व, दक्षिण और पश्चिम समेत 10 जिलों में गणना प्रपत्रों का वितरण पूरा हो चुका है।शेष जिलों में से दक्षिण-पश्चिम में 99.98 प्रतिशत और मध्य उत्तर में 99.95 प्रतिशत प्रपत्र वितरित किए गए हैं जबकि उत्तर-पश्चिम में यह आंकड़ा सबसे कम 98.66 प्रतिशत है। निर्वाचन आयोग ने दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण की समयसीमा बढ़ा दी है। लंबित गणना प्रपत्रों को एकत्र करने और उनका डिजिटलीकरण करने के लिए बूथ स्तर के अधिकारी अब पहले निर्धारित 29 जुलाई के बजाय आठ अगस्त तक घर-घर जाकर सत्यापन कर सकेंगे।

कांवड़ यात्रा मार्गों पर मांस की सभी अवैध दुकानों को बंद किया जाएगा: एमसीडी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अपने 12 क्षेत्रों को निर्देश दिया है कि कांवड़ यात्रा मार्गों और कांवड़ शिविरों के आसपास मांस की सभी अनधिकृत दुकानों को बंद कराया जाए और स्वीकृति नियमों का उल्लंघन करने वाली लाइसेंस प्राप्त दुकानों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। अधिकारियों ने बताया कि नगर निकाय ने कांवड़ यात्रा से पहले सभी नागरिक सुविधाओं से जुड़े इंतजाम पूरे करने के निर्देश भी दिए हैं। दिल्ली में 30 जुलाई से 11 अगस्त तक 308 कांवड़ शिविर लगाए जाने हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को जारी कार्यालय ज्ञापन में सभी क्षेत्रीय उपायुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे यात्रा शुरू होने से पहले चिह्नित कांवड़ शिविर स्थलों से अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करें। ज्ञापन में कहा गया है कि कांवड़ यात्रा से काफी पहले शिविर स्थलों से अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी एमसीडी को सौंपी गई है। क्षेत्रीय अधिकारियों को पहले ही चिह्नित स्थानों का विवरण उपलब्ध करा दिया गया है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त शिविरों की अनुमति भी दी जा सकती है। नगर निकाय ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि कांवड़ यात्रा मार्गों या कांवड़ शिविरों के आसपास कोई भी अनधिकृत या बिना लाइसेंस वाली मांस की दुकान संचालित न हो। साथ ही, लाइसेंस प्राप्त मांस की दुकानों में भी लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई करने को कहा गया है।

दिल्ली पुलिस और ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने नरेला में नकली दवा बनाने और जमा करने वाले रैकेट का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग और हरियाणा के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान में नरेला के एक रिहायशी अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स से चल रहे नकली दवा बनाने और जमा करने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि वहां नकली दवाएं, एनाबॉलिक स्टेरॉयड, कच्चा माल और दवा बनाने की मशीनें मिलीं। स्वास्थ्य विभाग के एक प्रेस बयान में अधिकारियों ने कहा कि यह दो दिन का अभियान उस खास खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था जिसमें उस जगह से नकली दवाओं की संदिग्ध आवाजाही की बात कही गई थी। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी में अपार्टमेंट से बिना लाइसेंस के दवा बनाने और पैकेजिंग करने वाली इकाई का पता चला। तलाशी के दौरान, टीम को सीलिंग मशीनें, हीट गन, इलेक्ट्रिक स्टिरर, वजन करने वाली मशीनें, इंडस्ट्रियल फिल्टर पेपर, ग्लास बीकर और पैकेजिंग का सामान मिला। उन्होंने बिना लेबल वाली हजारों गोलियां (जिनके टोफैसिटिनिब होने का शक है), एनाबॉलिक स्टेरॉयड की लिक्विड शीशियां (जिनमें बोल्डनोन, मास्टरोन और टेस्टोस्टेरोन के प्रकार शामिल हैं) और दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल सॉल्यूशन भी जब्त किए। अधिकारियों के मुताबिक, अपार्टमेंट में रहने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि यह जगह एलोपैथिक दवाओं को जमा करने और पैकेजिंग के लिए किराए पर ली गई थी और आरोप लगाया कि यह काम सोनीपत में दवा बनाने वाली यूनिट से जुड़े किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा किया जा रहा था। हालांकि, जांच के दौरान कोई वैध ड्रग लाइसेंस, खरीद का रिकॉर्ड या स्टॉक रजिस्टर नहीं दिखाया गया। नई खुफिया जानकारी के आधार पर, संयुक्त टीम अगले दिन फिर वहां गई और अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में इलेक्ट्रिक यूटिलिटी शाफ्ट के अंदर छिपाकर रखा गया और सामान बरामद किया। छिपे हुए स्टॉक में प्रोजेस्टेरोन, ऑक्सैंड्रोलोन, मेस्टेरोलोन और ट्रेंबोलोन एनैन्थेट जैसे स्टेरॉयड हार्मोन पाउडर, ह्लमेड इन जर्मनीह्न लेबल वाले 1,500 से ज्यादा तैयार स्टेरॉयड इंजेक्शन की शीशियां, 5,000 से ज्यादा खुली गोलियां, हजारों खाली शीशियां, पैकेजिंग बॉक्स और फ्लिप-ऑफ कैप शामिल थे। जब्त किए गए सामान को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत कब्जे में ले लिया गया है। शुरूआती जांच से पता चलता है कि बिना वैध लाइसेंस के दवा बनाने, जमा करने और बांटने से जुड़े नियमों का उल्लंघन हुआ है।

नेहा बोरा का दावा- मेरा पूरा परिवार भाजपा समर्थक, आंदोलन के बाद बदला मां का नजरिया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। नीट प्रश्नपत्र लीक प्रकरण को लेकर हुए छात्र आंदोलन के दौरान जंतर-मंतर पर 23 दिनों तक अनशन करने वाली ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने दावा किया है कि उनका पूरा परिवार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थक है। उन्होंने कहा कि आंदोलन में शामिल होने पर उनकी मां ने शुरूआत में कड़ी नाराजगी जताई थी, लेकिन बाद में घटनाक्रम देखने के बाद उनका दृष्टिकोण बदल गया। एक संवाद में नेहा बोरा ने कहा कि जंतर-मंतर पर आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में लोग उनसे मिलने आते थे और कई लोग भावुक होकर अपनी राजनीतिक पसंद को लेकर पछतावा भी व्यक्त करते थे। उनके अनुसार, अनेक लोगों ने आंदोलनकारियों के प्रति सहानुभूति जताते हुए भविष्य में अलग निर्णय लेने की बात कही। नेहा बोरा ने बताया कि 19 जुलाई को उनकी मां अचानक जंतर-मंतर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने अनशन की जानकारी परिवार को पहले नहीं दी थी। जब परिवार को इसका पता चला तो उनकी मां ने उन्हें फोन पर आंदोलन में शामिल होने को लेकर नाराजगी जताई थी। बाद में जब वह स्वयं जंतर-मंतर पहुंचीं और वहां की परिस्थितियों को देखा, तो उनका दृष्टिकोण बदलने लगा। नेहा बोरा का कहना है कि जंतर-मंतर पर हुए घटनाक्रम और उसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद उनकी मां ने आंदोलन से जुड़े लोगों को बधाई देने की बात कही। उन्होंने दावा किया कि इस आंदोलन के बाद कई परिवारों के विचारों में भी परिवर्तन देखने को मिला। उन्होंने यह भी बताया कि छात्र आंदोलन के दौरान उनकी मुलाकात विभिन्न संगठनों से हुई। नेहा बोरा के अनुसार, छात्र आंदोलन के संबंध में अभिजीत दीपके ने उनसे संपर्क कर सहयोग का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि जब तक आम आदमी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ संघर्ष करती रहेगी, तब तक उसे समर्थन देने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उल्लेखनीय है कि नेहा बोरा का यह बयान एक साक्षात्कार के दौरान सामने आया है, जिसमें उन्होंने छात्र आंदोलन, अपने परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि और आंदोलन के दौरान हुए व्यक्तिगत अनुभव साझा किए।

यमुना के पुनर्जीवन के लिए बनेगा साझा एक्शन प्लान, सितंबर में आएगा दिल्ली-यमुना कॉम्पैक्ट

नई दिल्ली। यमुना के पुनर्जीवन और बाढ़ क्षेत्र के विकास के लिए अब दिल्ली में सभी संबंधित पक्षों की सहमति से एक साझा एक्शन प्लान तैयार होगा और उसी के अनुरूप काम आगे बढ़ेगा। इसके लिए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की निगरानी में अब तक तीन दौर की परामर्श बैठकें की गई हैं। इनके सुझावों पर डीडीए जल्द ही दिल्ली यमुना कॉम्पैक्ट का जीरो ड्राफ्ट तैयार करेगा। इस मसौदे पर 11 सितंबर को यमुना डायलॉग्स में चर्चा होनी है। इसके बाद इसे भविष्य की नीति और कामकाज का आधार बनेगा। उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू के निर्देश पर डीडीए को इस पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है। यमुना बाढ़ क्षेत्र के दौरे और समीक्षा बैठकों के दौरान एलजी ने कहा था कि नदी को प्रदूषण से मुक्त करने और बाढ़ क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए सभी संबंधित पक्षों को साथ लेकर योजना तैयार की जाए। इसके बाद तीन चरण में हितधारक परामर्श कार्यशालाएं हुईं। इन बैठकों में नीति निमार्ता, सरकारी विभाग, पर्यावरण विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, शहरी योजनाकार, वित्तीय संस्थान और सामाजिक संगठनों ने भाग लिया। बाढ़ क्षेत्र की योजना, घाटों का विकास, प्रकृति आधारित समाधान, जल गुणवत्ता, ड्रेनेज, वित्तीय व्यवस्था और बेहतर प्रशासन जैसे छह प्रमुख विषयों पर सुझाव लिए गए। अब इन सुझावों से ऐसी योजना तैयार करना है, जिसे जमीन पर आसानी से लागू किया जा सके। सितंबर में आएगा साझा विजन सभी सुझावों को मिलाकर दिल्ली यमुना कॉम्पैक्ट का जीरो ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा। इसे हितधारकों के साथ साझा करने के बाद 11 सितंबर को बांसेरा में होने वाले यमुना डायलॉग्स में योजना को अंतिम रूप देने पर चर्चा होगी। इसके आधार पर यमुना बाढ़ क्षेत्र के संरक्षण, विकास और प्रबंधन की आगे की रणनीति तय की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पलवल : खेत में मृत मिले पांच राष्ट्रीय पक्षी मोर

पलवल। जिले के हथीन क्षेत्र के अकबरपुर नाटोल गांव में खेत में पांच राष्ट्रीय पक्षी मोर मृत मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही वन्य जीव विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से संदिग्ध गेहूं के नमूने कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं। प्रारंभिक तौर पर जहरीला पदार्थ खाने से मोरों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। वन्य जीव निरीक्षक राकेश की रजत शिकायत पर हथीन थाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वन्य जीव विभाग की टीम ने सभी मृत मोरों को मिंडकोला के पशु चिकित्सक से पोस्टमार्टम कराया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। वन्य जीव निरीक्षक राकेश ने बताया कि उन्हें मिंडकोला पुलिस चौकी में तैनात एएसआई संजय से सूचना मिली थी कि अकबरपुर नाटोल गांव के जंगल क्षेत्र में पांच मोर मृत अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही विभागीय टीम मौके पर पहुंची और सभी मृत मोरों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। ग्रामीण धर्मपाल ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि गांव के जंगल स्थित एक खेत में किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा धान की पौध लगाई गई है। उनकी आशंका है कि पौध के साथ जहरीला गेहूं भी खेत में डाला गया था। संभव है कि उसी गेहूं को खाने से पांचों मोरों की मौत हुई हो। पुलिस ने खेत से मिले संदिग्ध गेहूं के नमूने एकत्र कर जांच के लिए भेज दिए हैं। जांच अधिकारी ने बताया कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि जहरीले पदार्थ के प्रयोग की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अधिवक्ता का शिष्यों ने स्वागत किया

फरीदाबाद। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अधिवक्ता एलएन पाराशर का उनके शिष्यों ने उन्हें फूल माला पहनाकर स्वागत किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का आयोजन फरीदाबाद लॉयर्स बिल्डिंग चेंबर नंबर- 382 में किया गया। इस मौके पर अधिवक्ता जीएस अधाना, बीडी कौशिक, एसके पाराशर, सचिन पाराशर, विष्णु दत्त कौशिक, नवाब सिंह मान, अर्जुन, अनिल अधाना, हितेश पाराशर, नीतीश पाराशर, रामकिशन कौशिक, सुधीर शर्मा अभिनीत अधाना, संजीव कंवर, कुलदीप नागर, हरिंदर चौधरी, सुमित नागर, वरुण कपासिया, दीपक कोडान, केशव नागर, साहिल चंदीला सोमनाथ शर्मा, बृजमोहन शर्मा, सुंदर नरवत दीपक शर्मा, ऋषिपाल, जितेंद्र सिंह, हेमंत शर्मा, रविंदर, कार्तिक राव आदि मौजूद थे।

गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के तहत लगाए जाएंगे 18 हजार पौधे

गुरुग्राम। गुरुग्राम मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण के दौरान हटाए गए पेड़ों की भरपाई के लिए 18 हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) की ओर से अब तक 7,300 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। जबकि, शेष 10,700 पौधों का रोपण मानसून के दौरान किया जा रहा है। जीएमआरएल अधिकारियों के अनुसार, मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर-9 तक मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण के लिए करीब 1,800 पेड़ों को हटाने की अनुमति वन विभाग से ली गई थी। इसके बदले क्षतिपूरक पौधरोपण की जिम्मेदारी हरियाणा वन विकास निगम (एचएफडीसी) को सौंपी गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष की शुरुआत में पचगांव के पास केएमपी एक्सप्रेसवे के किनारे चयनित भूमि पर 7,300 पौधे लगाए गए थे। बाकी पौधों का रोपण मानसून के अनुकूल मौसम में किया जा रहा है। जीएमआरएल का कहना है कि गुरुग्राम मेट्रो परियोजना में आधुनिक सार्वजनिक परिवहन के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

लोकल से ग्लोबल की सोच को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं : राजरानी मल्होत्रा

एसडीजी कॉन्क्लेव कॉन्फेरेंसिया-2026 का मेयर राजरानी मल्होत्रा ने किया शुभारंभ

-44 से अधिक विद्यालयों के 600 विद्यार्थियों ने लिया भाग

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-49 में बुधवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सतत विकास लक्ष्य कॉन्क्लेव कॉन्फेरेंसिया-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों की थीम पर आयोजित इस प्रतिष्ठित कॉन्क्लेव में 44 से अधिक विद्यालयों के लगभग 600 विद्यार्थियों एवं प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैश्विक चुनौतियों के प्रति जागरुकता, नेतृत्व क्षमता, नीति निर्माण की समझ तथा जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम में गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा, डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी के उपाध्यक्ष अनिल कुमार राव तथा नगर निगम गुरुग्राम की संयुक्त आयुक्त सपना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, नगर निगम गुरुग्राम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी तथा बुलंद आवाज वेलफेयर सोसाइटी की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा प्रिंका यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर अनेक शिक्षाविद्, संस्थागत प्रमुख एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में मेयर राजरानी मल्होत्रा ने विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के परिवर्तनकर्ता हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से लोकल से ग्लोबल की सोच अपनाने, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जल संरक्षण और नागरिक उत्तरदायित्व को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा चलाए जा रहे जनहित एवं स्वच्छता अभियानों में युवाओं की भागीदारी शहर के सतत विकास को नई दिशा दे सकती है। संयुक्त आयुक्त सपना यादव ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में युवाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आरओएफ अपार्ट सोसाइटी में धंसी मिट्टी, 400 परिवारों की सुरक्षा पर खतरा

-सेक्टर 108 स्थित सोसायटी में मिट्टी धंसने से पलटे भारी-भरकम डीजी सेट, करोड़ों के फ्लैट लेने के बाद भी सुरक्षा की कमी, बाउंड्री वॉल और मुख्य गेट तक नहीं

प्रात : किरण संवाददाता

न्यू गुरुग्राम। सेक्टर-108 स्थित आरओएफ अपार्ट सोसाइटी में मिट्टी धंसने से वहां रह रहे लोगों पर खतरा मंडराने लगा है। मिट्टी खिसकने के कारण सोसाइटी में लगे भारी-भरकम डीजी सेट और जनरेटर असंतुलित होकर गिर गए। गनीमत रही कि हादसे के वक्त मौके पर कोई मौजूद नहीं था। इस घटना के बाद सोसाइटी में रह रहे करीब 400 परिवारों में दहशत का माहौल है। इससे बहुमंजिला इमारतों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सोसाइटी में रह रहे लोगों के अनुसार परिसर में बनाए गए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पिट के नीचे की मिट्टी खिसक गई, जिससे पूरी जमीन धंस गई। सोसाइटी के लोगों का आरोप है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण यह हादसा हुआ है। करोड़ों रुपये के फ्लैट खरीदने के बावजूद लोग बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोसाइटी में न तो सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं न ही मुख्य गेट है। सोसाइटी में चहारदीवारी तक नहीं है जिससे हादसों का खतरा बना रहता है। सोसाइटी के साथ सटे खेत हैं, जो सोसाइटी के धरातल से कुछ फीट नीचे है। बारिश का पानी खेतों में जमा होने से नीचे की मिट्टी खिसक रही है। हार्वेस्टिंग पिट के नीचे से मिट्टी बह जाने के कारण ही जनरेटर और डीजी सेट उलटे पलट गए।

-रंजीत राय, सोसाइटी निवासी

लोगों ने जीवन भर की कमाई लगाकर करोड़ों के फ्लैट खरीदे हैं, लेकिन यहां तो जिंदगी ही आफत में पड़ गई है। मिट्टी धंसने से हादसों का डर बना हुआ है। इतनी बड़ी लापरवाही के बावजूद बिल्डर और प्रबंधन बेपरवाह बने हुए हैं।

-आनंद यादव, सोसाइटी निवासी

सोसाइटी में बाउंड्री वॉल ही नहीं बनी है और मुख्य गेट भी अधूरा है। 400 परिवारों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। अगर जमीन खिसकने का यह दायरा मुख्य इमारतों की तरफ बढ़ा तो बड़ी जनहानि हो सकती है।

-शंकर भट्ट, सोसाइटी निवासी

इस मिट्टी के खिसकने से निवासियों में डर का माहौल है कहीं इसकी वजह से सोसाइटी की इमारतें तक न आ पहुंचें।

जलभराव पर सख्ती : जेई निलंबित, पंपिंग एजेंसी को कारण बताओ नोटिस

-शहर में पानी निकासी को लेकर निगम ने सख्त कदम उठाया

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने में लापरवाही बरतने पर नगर निगम गुरुग्राम (एमसीजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कनिष्ठ अभियंता (जेई) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं, समय पर पंपिंग मशीनरी उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नगर निगम के अनुसार 28 जुलाई को हुई भारी बारिश से पहले सभी संवेदनशील और जलभराव संभावित क्षेत्रों में पंपसेट तैनात रखने तथा त्वरित जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद सेक्टर-14 और सेक्टर-17सी में समय पर पंपसेट नहीं लगाए गए, जिससे लंबे समय तक जलभराव बना रहा और लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। इसमें गंभीर लापरवाही मानते हुए हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के तहत कनिष्ठ अभियंता सुमित चहल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसी मामले में वार्ड-25 के लिए अनुबंधित पंपिंग मशीनरी समय पर उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित एजेंसी द हजारी लाल को-ऑपरेटिव लेबर एंड कंस्ट्रक्शन सोसायटी लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निगम का कहना है कि बार-बार मौखिक और टेलीफोनिक निर्देश देने के बावजूद चिन्हित स्थानों पर पंपिंग मशीनरी तैनात नहीं की गई। 28 जुलाई की बारिश के दौरान भी मशीनरी उपलब्ध नहीं होने से क्षेत्र में जलभराव

गुरुग्रामः मानसून प्रबंधन में लापरवाही पर नगर निगम का जेई निलंबित

-पंपिंग मशीनरी उपलब्ध नहीं कराने पर एजेंसी को कारण बताओ नोटिस

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने में लापरवाही पर नगर निगम गुरुग्राम ने सख्त रुख अपनाया है। सेक्टर-14 एवं सेक्टर-17सी में समय पर पंपसेट तैनात नहीं करने पर बुधवार को कनिष्ठ अभियंता सुमित चहल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। दूसरी ओर पंपिंग मशीनरी उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित एजेंसी द हजारी लाल को-ऑपरेटिव लेबर एंड कंस्ट्रक्शन सोसायटी लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नगर निगम द्वारा जारी आदेश के अनुसार 28 जुलाई को हुई भारी वर्षा के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई थी। वर्षा से पूर्व सभी संवेदनशील एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों में पंपसेट तैनात रखने तथा त्वरित जलनिकासी सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद सेक्टर-14 एवं सेक्टर-17सी में समय पर पंपसेट तैनात नहीं किए गए, जिससे जलभराव लंबे समय तक बना रहा और आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। मामले को गंभीर लापरवाही मानते हुए हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के तहत कनिष्ठ अभियंता तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसी क्रम में वार्ड-25 में मानसून सीजन के लिए अनुबंधित पंपिंग मशीनरी समय पर उपलब्ध नहीं कराने पर संबंधित एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि बार-बार मौखिक एवं टेलीफोनिक निर्देश दिए जाने के बावजूद जलभराव वाले चिन्हित स्थानों पर आवश्यक पंपिंग मशीनरी तैनात नहीं की गई। 28 जुलाई की वर्षा के दौरान भी मशीनरी समय पर उपलब्ध न होने के कारण क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बनी रही और स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर निगम ने एजेंसी को दो दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में एजेंसी के विरुद्ध कार्य आदेश समाप्त करने, सुरक्षा राशि जब्त करने, ब्लैकलिस्ट करने तथा अनुबंध की शर्तों के अनुसार अन्य आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि मानसून प्रबंधन से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

एचएसआईआईडीसी की जमीन से दूसरे दिन भी हटाया अतिक्रमण

-नोटिस के बाद भी जमीन खाली नहीं करने वालों पर बुलडोजर से की कार्रवाई, दोबारा कब्जा रोकने के लिए होगी बाउंड्री

प्रात : किरण संवाददाता

मानेसर। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) ने दूसरे दिन भी अपनी जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रखी। इस दौरान एचएसआईआईडीसी की जमीन पर बनी अस्थायी झोपड़ियों और दुकानों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों के साथ पुलिस बल भी मौजूद रहा। एचएसआईआईडीसी के अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण हटाने से पहले कब्जाधारियों को नोटिस जारी किए गए थे और स्वयं जमीन खाली करने का समय भी दिया गया था। इसके बावजूद कई लोगों ने जमीन खाली नहीं की। इसके बाद निगम ने बुलडोजर चलाकर अवैध कब्जे हटाने की कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि जमीन खाली होने के बाद उसके चारों ओर बाउंड्री बनाई जाएगी। इससे दोबारा किसी के लिए कब्जा करना आसान नहीं होगा। एचएसआईआईडीसी के कार्यकारी अभियंता यशस्वी वर्मा ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण करने वालो पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद : मकान का छज्जा गिरने से महिला की मौत

फरीदाबाद। बारिश के दौरान डबुआ कॉलोनी में एक मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया। उस समय छज्जे पर खड़ी एक महिला भी उसके साथ नीचे गिर गई। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन और आसपास के लोगों ने उसे तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृतका की पहचान 28 वर्षीय लाडली खातून के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के सारण जिले की रहने वाली थी। लाडली अपने पति कुसमा मोहम्मद और छह महीने की बेटी के साथ डबुआ कॉलोनी में रमन भारद्वाज के मकान में किराए पर रहती थीं। परिवार करीब दो महीने पहले ही रोजगार की तलाश में फरीदाबाद आया था और यहीं रहकर काम कर रहा था। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह से ही बारिश हो रही थी। इसी दौरान लाडली खातून कुछ देर के लिए मकान के छज्जे पर खड़ी थीं। लगातार हो रही बारिश के कारण छज्जा कमजोर हो चुका था। अचानक वह भरभराकर नीचे गिर गया और लाडली भी उसके साथ नीचे आ गिरीं। छज्जे का मलबा उनके ऊपर गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। छज्जा गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। वहीं उनके पति कुसमा मोहम्मद भी दौड़कर बाहर आए। स्थानीय लोगों की मदद से लाडली को तुरंत मलबे से बाहर निकाला गया और बिना समय गंवाए सिविल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण कुछ ही देर बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति कुसमा मोहम्मद ने बताया कि हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने बताया कि उनकी छह महीने की एक बेटी है और परिवार दो महीने पहले ही गांव से फरीदाबाद आकर किराए के मकान में रहने लगा था। पत्नी की मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। डबुआ थाना प्रभारी सुमेर ने बताया कि छज्जा गिरने से महिला की मौत का मामला पुलिस के संज्ञान में है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल परिजनों की ओर से मकान मालिक के खिलाफ कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। यदि शिकायत मिलती है, तो उसके आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

फरीदाबाद : मकान का ताला तोडकर लाखों की नकदी चोरी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। सेहतपुर स्थित सूर्या कॉलोनी में कच्छा गैंग ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोडकर अंदर घुसे और कमरों में रखी अलमारी का लॉक तोडकर करीब पांच लाख रुपए के सोने के जेवर, लैपटॉप, मोबाइल फोन और कैश चोरी कर फरार हो गए। वारदात के समय परिवार पड़ोस में आयोजित एक जन्मदिन की पार्टी में गया हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता शहनाज ने बताया कि वह पल्ला थाना क्षेत्र के सेहतपुर स्थित सूर्या कॉलोनी में अपनी दो बेटियों के साथ रहती हैं, जबकि उनके पति सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। उनका मायका भी पड़ोस में ही है। मंगलवार रात को वह दोनों बेटियों के साथ मायके में आयोजित जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गई थीं। रात अधिक होने के कारण सभी वहीं रुक गए। शहनाज ने बताया कि बुधवार सुबह, जब वह अपने घर लौटीं तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो कमरों में रखा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी का ताला भी टूटा हुआ था। चोर अलमारी में रखे कीमती सामान को लेकर फरार हो चुके थे। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने अपनी दोनों बेटियों की शादी के लिए धीरे-धीरे करके सोने के जेवर बनवाए थे। चोर करीब पांच लाख रुपये कीमत के सोने के जेवर, एक लैपटॉप, मोबाइल फोन और कुछ नगदी चोरी कर ले गए। उन्होंने कहा कि जल्द ही बेटियों की शादी की तैयारी चल रही थी, इसलिए वर्षों की मेहनत से जेवर बनवाए थे। कॉलोनी निवासी दीपक ने बताया कि घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में दो युवक केवल कच्छा पहने हुए हाथ में लैपटॉप और अन्य सामान लेकर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। आशंका है कि वारदात देर रात करीब दो बजे के बाद अंजाम दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पल्ला थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

फरीदाबाद में वकीलों की हड़ताल कई मामलों की सुनवाई टली

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम योजना के विरोध में बुधवार को वकीलों ने कोर्ट का कामकाज बंद रखा। जिला बार एसोसिएशन के आह्वान पर वकीलों ने कोर्ट के काम का बहिष्कार किया, जिससे कई मामलों की सुनवाई प्रभावित हुई। एलएडीसीएस योजना के तहत सरकार गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता देने के लिए जिला स्तर पर वेतन पर वकील नियुक्त करती है। ये वकील ऐसे लोगों के मुकदमे लड़ते हैं, जो निजी वकील करने में सक्षम नहीं होते। जो अपराधी वकील नहीं कर पाएंगे, उनको इस योजना के तहत वकील मुहैया कराया जाएगा। जबकि पहले पैनल वाले निजी वकीलों को हायर किया जाता था। वकील जोगिंदर नरवत का कहना है कि इस योजना से निजी वकीलों का काम कम हो जाएगा। उनका मानना है कि सबसे ज्यादा असर नए और युवा वकीलों पर पड़ेगा, क्योंकि कानूनी सहायता वाले मामले उन्हें मिलने की बजाय सरकारी नियुक्त वकीलों के पास चले जाएंगे। इसी मांग को लेकर फरीदाबाद सहित हरियाणा के कई जिलों में वकीलों ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। वकीलों ने सरकार से इस योजना पर दोबारा विचार करने और इसे वापस लेने की मांग की है। हड़ताल के कारण अदालतों में कई मामलों की सुनवाई नहीं हो सकी। इससे अपने मामलों की तारीख पर पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा और कई मामलों में नई तारीख देनी पड़ी।

फरीदाबाद : पार्षद दीपक यादव के खिलाफ लामबंद हुए निगम अधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। वार्ड-42 के पार्षद दीपक यादव द्वारा बल्लभगढ़ नगर निगम कार्यालय में ताला लगाने और कार्यकारी अभियंता डालचंद शर्मा को गाड़ी से उतारकर अपने क्षेत्र का निरीक्षण करवाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। बुधवार को पार्षद के खिलाफ निगम अधिकारी और कर्मचारी विरोध में आ गए। एसडीओ, जेई और अन्य कर्मचारियों ने पार्षद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया व पार्षद से मांफी मांगने की मांग भी की। इससे पहले भी पार्षद व अधिकारी आमने सामने आ चुके हैं। एक मामले में तो अधिकारी के साथ मारपीट करने के मामले में पार्षद को जेल भी जाना पड़ा था। मंगलवार को पार्षद दीपक यादव ने बल्लभगढ़ नगर निगम कार्यालय में ताला लगा दिया। दीपक यादव ने कार्यकारी अभियंता डालचंद शर्मा पर आरोप लगाया कि उन्होंने विधायक के कहने पर वार्ड में सीवर लाइन का काम रोका हुआ है। जिसकी वजह से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही पार्षद ने कार्यकारी अभियंता से अपने क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए भी कहा। इस पर कार्यकारी अभियंता ने कहा कि वह अभी जरूरी काम से बाहर जा रहे हैं। वापस आते ही वार्ड में निरीक्षण कर लेंगे। लेकिन पार्षद ने जबरन कार्यकारी अभियंता की गाड़ी की चाबी निकाल ली। प्रदर्शन करते हुए कर्मचारियों ने कहा कि जब तक दीपक यादव माफी नहीं मांगेगे, धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। हालांकि इंटरनेट मीडिया पर लोग पार्षद के पक्ष में खड़े हुए नजर आए। लोगों ने कहा कि निगम अधिकारी और कर्मचारी छोटे छोटे कामों के लिए लोगों को चक्कर कटवाते हैं, उनको परेशान करते हैं। ऐसे में पार्षद ने बल्लभगढ़ कार्यालय पर ताला लगाकर सही किया। पूरे मामले में पार्षद दीपक यादव को अपने साथी पार्षदों का ही साथ मिलता नजर नहीं आ रहा है। पार्षद अजय बैसला ने कहा कि इस मामले में मेयर को हस्तक्षेप करना चाहिए था। लेकिन मेयर को पार्षदों और जनता की परेशानियों से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने दो साल में हाउस की एक भी बैठक नहीं बुलाई।

सिद्धदाता आश्रम में गुरु पूर्णिमा पर गुरु-शिष्य परंपरा दिखी

फरीदाबाद। स्मार्ट सिटी में गुरु पूर्णिमा के अवसर में शिक्षण संस्थानों एवं मंदिरों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस क्रम में सूरजकुंड मार्ग स्थित लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम-सिद्धदाता आश्रम में गुरुपूर्णिमा महोत्सव पर बुधवार को गुरु-शिष्य परंपरा में आस्था के रंग दिखाई दिए। भक्तों की श्रद्धा, कृतज्ञता, समर्पण और आत्मिक आनंद के अनेक रूप देखने को मिले। प्रत्येक श्रद्धालु कृतज्ञता का भाव लिए जीवन को ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने के लिए सदगुरुदेव के प्रति आभार व्यक्त करता तो तन, मन, और सेवा भावना के साथ अपने अहंकार को गुरु के चरणों में त्यागने का भाव दिखा। कुछ भक्तगण गुरु की असीम कृपा को याद करके भक्ति के अतिरेक में आंखों से प्रेम के आंसुओं के साथ हृदय द्रवित होता दिखा। आश्रम परिसर गुरु भक्ति के भाव से सराबोर रहा और देर रात तक भक्तगण श्रद्धा, भक्ति और विश्वास के साथ गुरु चरण वंदना में लीन रहे।

नशा उन्मूलन के लिए तैयार एक्शन प्लान की समीक्षा की

फरीदाबाद । अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) अंजलि श्रोत्रिया की अध्यक्षता में आज बुधवार को लघु सचिवालय में जिला एन-कोर्ड (एन-सीओआरडी) कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में नशा उन्मूलन हेतु तैयार डिस्ट्रिक्ट एक्शन प्लान के क्रियान्वयन की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों का आंकलन किया गया। बैठक के दौरान एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों से विभागवार प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने कहा कि नशा उन्मूलन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्कूलों, कॉलेजों, औद्योगिक इकाइयों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जाएं, ताकि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी, भंडारण एवं बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए।

विद्यार्थियों को करियर निर्माण, सरकारी नौकरी तैयारिया

फरीदाबाद। मंडल रोजगार कार्यालय के व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह के तहत कई विद्यालयों में सेमिनार आयोजित किए गए। सेमिनार के दौरान रोजगार अधिकारी डॉ. नेहा सिंह ने विद्यार्थियों को करियर निर्माण, सरकारी नौकरियों की तैयारी की प्रभावी रणनीतियों तथा स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मसंधान, आत्मप्रोत्साहन और सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सही दिशा में निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है। स्नेहा अदलखा यंग प्रोफेशनल (एमसीसी) तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य सतीश कुमार ने भी विद्यार्थियों को उनके करियर चयन, कौशल विकास, रोजगारपरक शिक्षा तथा भविष्य की चुनौतियों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में मंडल रोजगार कार्यालय, फरीदाबाद ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस प्रकार के मार्गदर्शन कार्यक्रम युवाओं को सही करियर चुनने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

फरीदाबाद : कांवड़ यात्रा की सुरक्षा संभालेंगे दो हजार पुलिसकर्मी

-25 से अधिक स्थानों पर नाकाबंदी, आगरा कैनाल मार्ग रहेगा बंद

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। श्रावण मास में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए फरीदाबाद पुलिस ने व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। 30 जुलाई से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान हजारों शिवभक्त हरिद्वार/नीलकंठ से पवित्र गंगाजल लेकर फरीदाबाद से गुजरते हुए विभिन्न शिव मंदिरों की ओर प्रस्थान करेंगे। महाशिवरात्रि के अवसर पर जलाभिषेक के साथ यात्रा का समापन होगा। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और यातायात संचालन को सुचारु बनाए रखने के लिए फरीदाबाद पुलिस ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बुधवार को बताया कि पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देशन में कांवड़ यात्रा के लिए विशेष सुरक्षा एवं ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। संपूर्ण यात्रा के दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात जयवीर राठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जबकि पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, एनआईटी, बल्लभगढ़ एवं सेंट्रल अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और यातायात संचालन की लगातार निगरानी करेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान लगभग दो हजार पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी विभिन्न ड्यूटियों पर तैनात रहेंगे। आवश्यकता पडन पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तत्काल उपलब्ध कराया जाएगा। थाना पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, अपराध शाखा, महिला पुलिस, ईआरवी, राइडर तथा मोबाइल गश्ती दलों को ड्यूटी के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एसडब्ल्यूएटी टीमों को भी पूरी तरह सक्रिय रखा जाएगा। फरीदाबाद पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पहला मार्गः कालिंदी कुंज (दिल्ली) से एमसीडी टोल होते हुए आगरा कैनाल के साथ-साथ रहेगा। दूसरा मार्गः बदरपुर बॉर्डर से आउटर बाईपास के माध्यम से तथा तीसरा मार्गः बदरपुर बॉर्डर से राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के रास्ते निर्धारित किया गया है। इन सभी मार्गों पर संबंधित थाना पुलिस लगातार गश्त करेगी, जबकि केजीपी एक्सप्रेस-वे पर विशेष मोबाइल पुलिस पार्टियां तैनात रहेंगी। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए 25 से अधिक स्थानों पर विशेष नाकाबंदी की जाएगी। इनमें दुर्गा बिल्डर, आगरा कैनाल मार्ग, सेहतपुर पल्ला पुल, पल्ला पुल, एत्मादपुर पुल, सेक्टर-28/29 पुल, खेड़ी पुल, सेक्टर-17 पुल, सेक्टर-14 पुल, बीपीटीपी पुल, बड़ौली पुल, सेक्टर-8 पुल, तिगांव पुल, आईएमटी पुल, चंदावली पुल, सुनपेड़ पुल, जाट चौक, मलेरना चौक, जाजरू चौक, शाहपुरा कलां, शाहपुरा मोड़, डीग पुल, प्याला मोड़, सीकरी चौकी तथा कैली बाईपास सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं। इन सभी नाकों पर पुलिस कर्मियों द्वारा गहन जांच की जाएगी तथा संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई के लिए टीमें तैयार रहेंगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कांवड़ यात्रा के दौरान आगरा कैनाल के साथ लगने वाले मार्ग पर सामान्य वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर डायवर्जन लगाए जाएंगे तथा वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। इसके अतिरिक्त अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) की टीमें सादा वर्दी में यात्रा मार्ग पर तैनात रहेंगी और असामाजिक तथा शरारती तत्वों पर लगातार नजर रखेंगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जाएगी। यात्रा मार्ग पर स्थित शराब के ठेकों, पेट्रोल पंपों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों की भी विशेष निगरानी रखी जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से तुरंत निपटने के लिए यात्रा मार्ग पर एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड वाहन तथा क्रेन अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहेंगी।

सफाई कर्मचारियों पर लाठीचार्ज का विरोध

फरीदाबाद। पंजाब के बरनाला में सफाई कर्मचारियों, महिलाओं और बच्चों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को नगर निगम कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर निगम मुख्यालय पर सैकड़ों कर्मचारियों ने भोजन अवकाश के समय एकत्र होकर पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्यमंत्री भगवंत मान का पुतला फूंका। प्रदर्शन की अध्यक्षता संघ के जिला प्रधान दलीप बोहोत ने की, जबकि संचालन जिला सचिव अनिल चिंडालिया ने किया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पंजाब में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों पर पुलिस ने बिना वजह बल प्रयोग किया। इसमें महिलाओं और बच्चों को भी चोटें आईं।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता / प्रथम, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	ADEN/PNP के अधीन SSE/W/PNP के सेक्शन में जींद–पानीपत सेक्शन पर मडलौडा (MLDE) – असन रेलवे स्टेशनों के बीच लेवल क्रॉसिंग नंबर–45 को समाप्त करके बॉक्स पुशिंग विधि द्वारा LHS (6.0 x 5.0m) का निर्माण करना।
अनुमानित लागत	रु. 5,42,16,289.07
धरोहर राशि	रु. 10,84,300 / –
समापन अवधि	12 महीने
ई–निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	ई–निविदा भरने का समय 21.08.2026 को 15:00 बजे तक, निविदा खुलने का समय दिनांक 21.08.2026 को 15:00 बजे के बाद।
निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
समान प्रकार के कार्य	बॉक्स पुशिंग / पाइप पुशिंग विधि से पुलों / सीमित ऊंचाई वाले सबवे का निर्माण।

पत्र संख्या :–128–डब्लू / 280 / निविदा सूचना / 26–27 / डब्लू–I (NIT-33)
दिनांक : 29.07.2026
2622/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरूवार, 30 जुलाई, 2026

सम्पादकीय

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस पर विशेष

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

मानव जीवन में मित्रता सबसे पवित्र और अनमोल संबंधों में से एक है। रक्त संबंधों से परे यह ऐसा बंधन है, जो विश्वास, स्नेह, त्याग, सहयोग और आत्मीयता के सूत्रों से जुड़ा होता है। मित्रता मनुष्य के जीवन को सुख-दुःख, संघर्ष और सफलता के प्रत्येक पड़ाव पर संबल प्रदान करती है। इसी अमूल्य संबंध के महत्व को रेखांकित करने के लिए प्रतिवर्ष 30 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति और पौराणिक परंपरा में मित्रता के अनेक उदाहरण मिलते हैं, किंतु भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता को संसार की सबसे आदर्श और प्रेरणादायक मित्रताओं में गिना जाता है। यह केवल दो मित्रों की कथा नहीं, बल्कि प्रेम, समानता, विनम्रता, करुणा और निःस्वार्थ भाव का ऐसा अनुपम उदाहरण है, जो युगों-युगों से मानवता को प्रेरणा देता आ रहा है। द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में एक साथ शिक्षा प्राप्त की थी। गुरुकुल में दोनों ने समान रूप से अध्ययन, सेवा और तपस्या की। यद्यपि श्रीकृष्ण स्वयं भगवान विष्णु के अवतार थे, फिर भी उन्होंने कभी अपने मित्र के साथ भेदभाव नहीं किया। दोनों के मध्य गहरा स्नेह और आत्मीयता थी। एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार गुरुमाता ने दोनों को वन से लकड़ियां लाने भेजा। अचानक भीषण वर्षा और तूफान आ गया। दोनों मित्र पूरी रात जंगल में भीगते रहे, किंतु एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। उनकी इस निष्ठा और सेवा भावना से प्रसन्न होकर गुरु सांदीपनि ने उन्हें आशीर्वाद दिया। यही मित्रता आगे चलकर आदर्श मित्रता का प्रतीक बनी। समय बीतने के साथ श्रीकृष्ण द्वारका के राजा बने और सुदामा एक अत्यंत निर्धन ब्राह्मण के रूप में जीवन यापन करने लगे। आर्थिक अभाव इतना था कि कई बार उनके परिवार को भोजन तक उपलब्ध नहीं हो पाता था। किंतु सुदामा ने कभी अपनी निर्धनता को अपनी आत्मिक समृद्धि पर हावी नहीं होने दिया। वे सदैव भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा और प्रेम में लीन रहते थे। एक दिन उनकी पत्नी सुशीला ने आग्रह किया कि वे अपने बालसखा श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका जाएं। प्रारंभ में सुदामा संकोच करते रहे, क्योंकि वे मित्रता को किसी स्वार्थ या याचना का माध्यम नहीं बनाना चाहते थे। अंततः पत्नी के आग्रह पर वे श्रीकृष्ण से मिलने चल पड़े। घर में भेंट स्वरूप देने के लिए कुछ नहीं था, इसलिए पड़ोसियों से प्राप्त थोड़ा सा चिवड़ा (पोहा) एक कपड़े में बांधकर साथ ले लिया। जब सुदामा द्वारका पहुंचे तो उनका वेश अत्यंत साधारण था। महल के द्वार पर खड़े द्वारपालों को यह विश्वास नहीं हुआ कि एक निर्धन ब्राह्मण द्वारकाधीश का मित्र हो सकता है। किंतु जैसे ही श्रीकृष्ण को अपने बालसखा के आगमन का समाचार मिला, वे सिंहासन छोड़कर नंगे पांव दौड़ते हुए द्वार तक पहुंचे। भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा को गले लगा लिया। उनके नेत्रों से प्रेम और करुणा के अश्रु बहने लगे। उन्होंने स्वयं अपने मित्र के चरण धोए और राजसी सम्मान के साथ उन्हें अपने समीप आसन दिया। यह दृश्य दशार्ता है कि सच्ची मित्रता में न धन का भेद होता है, न पद का और न ही प्रतिष्ठा का। सुदामा अपने साथ लाए चिवड़े की पोटली को संकोचवश छिपाने लगे। किंतु श्रीकृष्ण ने प्रेमपूर्वक वह पोटली अपने हाथों में ले ली। उन्होंने बड़े आनंद से चिवड़े का सेवन किया, क्योंकि उनके लिए वह साधारण भेंट नहीं, बल्कि मित्र के प्रेम और आत्मीयता का प्रतीक थी। सुदामा अपने मित्र से कुछ भी मांग नहीं सके। वे बिना किसी याचना के वापस लौट पड़े। किंतु जब वे अपने गांव पहुंचे तो देखा कि उनकी झोपड़ी के स्थान पर भव्य भवन खड़ा है और उनका परिवार समृद्धि से परिपूर्ण है। श्रीकृष्ण ने बिना मांगे ही अपने मित्र के समस्त कष्ट दूर कर दिए। यही सच्ची मित्रता की पहचान है जहां शब्दों से पहले भावनाएं समझी जाती हैं। कृष्ण और सुदामा की कथा केवल भौतिक सहायता की कहानी नहीं है। यह हमें बताती है कि सच्ची मित्रता स्वार्थ से परे होती है। मित्र वही है जो विपत्ति में साथ खड़ा रहे, सफलता में प्रसन्न हो, दुःख में संबल बने और बिना कहे मन की बात समझ ले। भगवान श्रीकृष्ण ने यह सिद्ध किया कि मित्रता में ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी, सत्ता और प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। वहीं सुदामा ने यह दिखाया कि आत्मसम्मान और निष्ठा मित्रता की सबसे बड़ी पूंजी है।

लंबी उम्र, लेकिन जीवन स्वस्थ क्यों नहीं

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

मान लो यदि किसी व्यक्ति की आयु 80 वर्ष है, लेकिन अंतिम 10-15 वर्ष अस्पतालों, दवाइयों और दूसरों पर निर्भरता में बीते हैं, तो क्या इसे वास्तविक प्रगति कहा जा सकता है? यही प्रश्न आज पूरे विश्व के सामने खड़ा है। पिछले कुछ दशकों में चिकित्सा विज्ञान ने औसत जीवन-प्रत्याशा बढ़ाने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। भारत सहित अधिकांश देशों में लोग पहले की तुलना में अधिक समय तक जीवित रह रहे हैं। किंतु इसके साथ एक चिंताजनक प्रवृत्ति भी तेजी से उभरकर सामने आई है! लोग अधिक वर्ष तो जी रहे हैं, परंतु जीवन के अंतिम 8 से 10 वर्ष गंभीर बीमारियों, शारीरिक अक्षमता और मानसिक तनाव के बीच बिताने को विवश हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य वैश्विक स्वास्थ्य अध्ययनों में बार-बार यह तथ्य सामने आया है कि जीवन-प्रत्याशा बढ़ने के बावजूद स्वस्थ जीवन-प्रत्याशा उतनी तेजी से नहीं बढ़ी। अर्थात मनुष्य की आयु तो बढ़ रही है, लेकिन स्वस्थ रहने के वर्ष अपेक्षाकृत कम हैं। इसका सबसे बड़ा कारण बदलती जीवनशैली है। आधुनिक जीवन ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन शारीरिक श्रम छीन लिया है। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर निर्भरता, जंक फूड, अत्यधिक चीनी और नमक का सेवन, नींद की कमी तथा मानसिक तनाव ने शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर दिया है। परिणामस्वरूप मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, गठिया, किडनी रोग, फैटी लिवर और अल्जाइमर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। पहले संक्रामक रोग मृत्यु का प्रमुख कारण थे, लेकिन आज गैर-संचारी रोग सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह और कैंसर देश में होने वाली अधिकांश मौतों और दीर्घकालिक विकलांगता के प्रमुख कारण हैं। इन बीमारियों का प्रभाव केवल वृद्धावस्था तक सीमित नहीं रहा; अब 35 से 50 वर्ष की आयु के लोग भी इनके शिकार हो रहे हैं। एक और महत्वपूर्ण कारण है - चिकित्सा विज्ञान की सफलता। पहले जिन बीमारियों से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती थी, आज आधुनिक उपचार उन्हें लंबे समय तक जीवित रखता है। लेकिन कई बार यह अतिरिक्त जीवन पूर्णतः स्वस्थ नहीं होता, बल्कि दवाओं, नियमित जांच और चिकित्सकीय देखभाल पर निर्भर होता है। अर्थात चिकित्सा ने मृत्यु को टाल दिया है, किंतु हर स्थिति में पूर्ण स्वास्थ्य वापस नहीं ला पाई है। मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही गंभीर विषय बन चुका है। अकेलापन, अवसाद, चिंता, सामाजिक अलगाव और डिजिटल जीवनशैली ने वृद्धावस्था को और कठिन बना दिया है। संयुक्त परिवारों के विघटन के कारण अनेक बुजुर्ग भावनात्मक सहारे से भी वंचित हो रहे हैं! परिणामस्वरूप शारीरिक बीमारी के साथ मानसिक पीड़ा भी बढ़ रही है। हालांकि इस तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। दुनिया के अनेक क्षेत्रों में ऐसे समुदाय हैं, जहां लोग 90से100 वर्ष की आयु तक अपेक्षाकृत स्वस्थ रहते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि इन लोगों की कुछ सामान्य आदतें होती हैं, संतुलित प्राकृतिक भोजन, नियमित शारीरिक श्रम, पर्याप्त नींद, तनाव पर नियंत्रण, सामाजिक जुड़ाव और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण। इसका अर्थ स्पष्ट है कि वृद्धावस्था की अधिकांश समस्याएं केवल उम्र का परिणाम नहीं, बल्कि जीवनशैली का भी परिणाम हैं। भारत जैसे देश के लिए अब स्वास्थ्य नीति का लक्ष्य केवल जीवन बचाना नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन के वर्षों को बढ़ाना होना चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना, नियमित स्वास्थ्य जांच, योग, व्यायाम, पौष्टिक भोजन, तंबाकू और शराब से दूरी, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान तथा बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक सामाजिक वातावरण तैयार करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

कॉकरोच आंदोलन: गांधीवाद की छाया या डिजिटल युग का नया प्रतिरोध?

कुछ लोग इसे युवाओं के असंतोष की नई अभिव्यक्ति मानते हैं, तो कुछ इसे गांधीवादी परंपरा की छाया में पढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में इस आंदोलन को महात्मा गांधी की प्रसंगिकता से जोड़ा जा सकता है, या यह केवल एक आकर्षक किंतु सतही तुलना है? इस प्रश्न का उत्तर न तो पूर्णतः हाँ है और न ही नहीं। कॉकरोच आंदोलन में गांधीवादी राजनीति के कुछ तत्व अवश्य दिखाई देते हैं, किंतु उसका स्वभाव, भाषा, माध्यम और वैचारिक संरचना गांधीवाद से स्पष्ट रूप से भिन्न है। इसलिए इसे गांधीजी की परंपरा का सीधा विस्तार मानने से पहले उसकी प्रकृति और सीमाओं को समझना आवश्यक है। गांधीवादी राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक अनुशासन था। सत्य, अहिंसा, आत्मसंयम, जनसेवा और रचनात्मक कार्यक्रम—ये केवल राजनीतिक नारे नहीं थे, बल्कि आंदोलन की आत्मा थे। गांधी के लिए संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक रूपांतरण की प्रक्रिया भी था।

डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारत में जब भी कोई नया जन-आंदोलन उभरता है, उसे पुराने वैचारिक फ्रेमों में समझने की कोशिश होती है। कॉकरोच आंदोलन के साथ भी यही हुआ है। कुछ लोग इसे युवाओं के असंतोष की नई अभिव्यक्ति मानते हैं, तो कुछ इसे गांधीवादी परंपरा की छाया में पढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में इस आंदोलन को महात्मा गांधी की प्रसंगिकता से जोड़ा जा सकता है, या यह केवल एक आकर्षक किंतु सतही तुलना है? इस प्रश्न का उत्तर न तो पूर्णतः हाँ है और न ही नहीं। कॉकरोच आंदोलन में गांधीवादी राजनीति के कुछ तत्व अवश्य दिखाई देते हैं, किंतु उसका स्वभाव, भाषा, माध्यम और वैचारिक संरचना गांधीवाद से स्पष्ट रूप से भिन्न है। इसलिए इसे गांधीजी की परंपरा का सीधा विस्तार मानने से पहले उसकी प्रकृति और सीमाओं को समझना आवश्यक है। गांधीवादी राजनीति की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक अनुशासन था। सत्य, अहिंसा, आत्मसंयम, जनसेवा और रचनात्मक कार्यक्रम—ये केवल राजनीतिक नारे नहीं थे, बल्कि आंदोलन की आत्मा थे। गांधी के लिए संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक रूपांतरण की प्रक्रिया भी था। इसी कारण उनके आंदोलन में साधन और साध्य के बीच गहरा सामंजस्य दिखाई देता है। इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन की शक्ति उसकी व्यंग्यात्मकता, प्रतीकात्मकता और डिजिटल सक्रियता में निहित है। यह ऐसे दौर में सामने आया है, जब नई पीढ़ी पारंपरिक राजनीतिक भाषाओं से दूरी बना रही है और सोशल मीडिया, मीम, डिजिटल अभियानों तथा सार्वजनिक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी असहमति दर्ज करा रही है। यह आंदोलन दशार्ता है कि आज का युवा अपने असंतोष को पुराने राजनीतिक ढाँचों के बजाय नए सांस्कृतिक प्रतीकों और संचार माध्यमों के जरिए व्यक्त करना चाहता है। इस दृष्टि से यह समकालीन प्रतिरोध की नई शैली है, पारंपरिक सत्याग्रह का पुनरावर्तन नहीं। फिर भी गांधीवादी प्रसंग से इसका संबंध पूरी तरह अस्वीकार नहीं किया जा सकता। गांधीजी ने राजनीति के केंद्र में सामान्य नागरिक को स्थापित किया था। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि किसी भी परिवर्तन की वास्तविक शक्ति जनता की चेतना, उसके श्रम और उसके नैतिक साहस में निहित होती है। कॉकरोच आंदोलन भी इस अर्थ में महत्त्वपूर्ण है कि उसने युवाओं की बेरोजगारी, परीक्षा-प्रणाली की विश्वसनीयता, संस्थागत जवाबदेही और शासन के प्रति बढ़ते अविश्वास जैसे प्रश्नों को सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में ला दिया। इस स्तर पर यह जन-भागीदारी की वही ऊर्जा उत्पन्न करता है, जिसे गांधीवादी राजनीति का मूल तत्व माना जाता है। किन्तु यहीं सबसे महत्वपूर्ण अंतर भी सामने आता है। गांधी के लिए साधनों की पवित्रता सर्वोपरि थी। उनका विश्वास था कि अनुचित साधनों से उचित लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, कॉकरोच आंदोलन का स्वर अधिक तीखा, व्यंग्यप्रधान और तात्कालिक है। वह व्यवस्था को चुनौती तो देता है, किंतु गांधी की तरह आत्मानुशासन, आत्मबल और वैचारिक संयम पर उतना बल नहीं देता। उसकी भाषा प्रतिरोध की भाषा है, तपस्या की नहीं। इसलिए उसे पूर्णतः गांधीवादी कहना उसकी अपनी विशिष्ट पहचान को धुंधला कर देता है। यह भी स्मरण रखना चाहिए कि गांधीवाद केवल विरोध की राजनीति नहीं था। वह ग्राम-स्वराज, स्वदेशी, श्रम की गरिमा, सामाजिक समरसता, सांप्रदायिक सद्भाव और रचनात्मक राष्ट्र-निर्माण की व्यापक अवधारणा था। इसके विपरीत, कॉकरोच आंदोलन का वर्तमान फोकस मुख्यतः शिक्षा, रोजगार, युवाओं की आकांक्षाओं और संस्थागत उत्तरदायित्व तक सीमित दिखाई देता है। इसलिए इसे गांधीवाद जैसी व्यापक सामाजिक परियोजना कहना अभी जल्दबाजी होगी। फिर भी दोनों के बीच एक गहरी समानता अवश्य है—दोनों जनता की चुप्पी को तोड़ते हैं। गांधी ने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध सामान्य भारतीय को बोलना सिखाया था। आज का यह आंदोलन युवाओं को यह विश्वास दिलाता है कि असंतोष केवल निजी निराशा नहीं है; उसे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति भी दी जा सकती है। जब युवाओं की समस्याएँ डिजिटल मंचों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और सामाजिक संवाद के माध्यम से सामने आती हैं, तब यह लोकतंत्र की जीवंतता का संकेत होता है। राजनीति समाप्त नहीं हुई है; उसने केवल अपने नए माध्यम और नए प्रतीक खोज लिए हैं। इसलिए गांधीजी की प्रसंगिकता यहाँ प्रत्यक्ष प्रेरणा के रूप में कम और एक नैतिक कसौटी के रूप में अधिक महत्त्वपूर्ण है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि कॉकरोच आंदोलन गांधीवादी है या नहीं; बल्कि यह होना चाहिए कि क्या यह आंदोलन जनता की नैतिक चेतना को जागृत करता है? क्या यह केवल क्षणिक असंतोष का विस्फोट है या किसी दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन की भूमिका तैयार कर रहा है? क्या इसकी व्यंग्यात्मक शक्ति लोकतांत्रिक सुधारों में परिवर्तित हो पाएगी? इन प्रश्नों के उत्तर समय देगा। अभी इतना अवश्य कहा जा सकता है कि इस आंदोलन को गांधीजी से जोड़ना आंशिक रूप से उचित है, यदि हम इसे जन-भागीदारी, नागरिक असहमति और जवाबदेही की मांग के संदर्भ में देखें। किंतु यदि इसे सत्याग्रह, अहिंसा, आत्मसंयम और नैतिक पुनर्निर्माण की कसौटी पर परखा जाए, तो यह गांधीवाद से अलग दिखाई देता है। यह गांधी का उत्तराधिकारी नहीं, बल्कि डिजिटल युग की नई विरोध-संस्कृति का प्रतिनिधि है। निष्कर्षतः, किसी भी जन-आंदोलन का मूल्यांकन केवल उसके प्रतीकों या लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य, साधनों, नैतिकता और दीर्घकालिक प्रभाव से किया जाना चाहिए। यदि कोई आंदोलन जनता को जागरूक करता है, सत्ता से जवाबदेही मांगता है और लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करता है, तो वह गांधीवादी विरासत के कुछ तत्वों को स्पर्श अवश्य करता है। किंतु यदि उसमें सत्य, अहिंसा, आत्मानुशासन और रचनात्मक सामाजिक परिवर्तन की व्यापक दृष्टि का अभाव है, तो उसे गांधीवाद का विस्तार कहना उचित नहीं होगा।

इतिहास, धर्म और सभ्यता के आईने में : पलायन

कई बार पलायन ही परिवर्तन का पहला कदम बनता है, तो कई बार वही विनाश का कारण भी। यदि मानव सभ्यता के प्रारंभिक इतिहास पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट होता है कि मनुष्य कभी स्थिर नहीं रहा है। वह निरंतर चलता रहा है, नए स्थान खोजता रहा है, नई परिस्थितियों को अपनाता रहा और अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करता रहा है। यही निरंतर गतिशीलता आगे चलकर सभ्यताओं के निर्माण का कारण बनी। प्राचीन मानव जंगलों और गुफाओं से निकलकर नदी घाटियों तक पहुँचा। सिंधु, नील, दजला-फरात और गहो जैसी नदियों के किनारे विकसित हुई सभ्यताएँ वस्तुतः मानव के सामूहिक पलायन का ही परिणाम थी। यदि मनुष्य अपने पुराने ठिकानों से बाहर निकलने का साहस न करता, तो संभवतः सभ्यता का विकास आज जितना व्यापक है, वैसा कभी नहीं होता। इस दृष्टि से देखा जाए तो पलायन केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि मानव विकास की पहली सीढ़ी है। भारतीय संस्कृति में पलायन शब्द को हमेशा नकारात्मक अर्थों में नहीं देखा गया है। रामायण इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

पलायन को केवल भागना समझना इतिहास और मानव-स्वभाव दोनों के साथ अन्याय होगा। कई बार पलायन ही परिवर्तन का पहला कदम बनता है, तो कई बार वही विनाश का कारण भी ह्व यदि मानव सभ्यता के प्रारंभिक इतिहास पर दृष्टि डालें तो स्पष्ट होता है कि मनुष्य कभी स्थिर नहीं रहा है। वह निरंतर चलता रहा है, नए स्थान खोजता रहा है, नई परिस्थितियों को अपनाता रहा और अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष करता रहा है। यही निरंतर गतिशीलता आगे चलकर सभ्यताओं के निर्माण का कारण बनी। प्राचीन मानव जंगलों और गुफाओं से निकलकर नदी घाटियों तक पहुँचा। सिंधु, नील, दजला-फरात और ह्वांगहो जैसी नदियों के किनारे विकसित हुई सभ्यताएँ वस्तुतः मानव के सामूहिक पलायन का ही परिणाम थी। यदि मनुष्य अपने पुराने ठिकानों से बाहर निकलने का साहस न करता, तो संभवतः सभ्यता का विकास आज जितना व्यापक है, वैसा कभी नहीं होता। इस दृष्टि से देखा जाए तो पलायन केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि मानव विकास की पहली सीढ़ी है। भारतीय संस्कृति में पलायन शब्द को हमेशा नकारात्मक अर्थों में नहीं देखा गया है। रामायण इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। भगवान श्रीराम ने अयोध्या का त्याग किया। उन्होंने वनवास स्वीकार किया। यदि कोई केवल बाहरी दृष्टि से देखे तो कह सकता है कि उन्होंने राजमहल छोड़ दिया। परंतु वास्तव में वह पलायन नहीं था, बल्कि धर्म और मयार्दा की रक्षा के लिए किया गया त्याग था। श्रीराम के वनगमन ने उन्हें केवल राजा नहीं, बल्कि मयार्दा पुरुषोत्तम बनाया। उनके चौदह वर्षों का वनवास भारतीय समाज के लिए आदर्श जीवन, कर्तव्य और धैर्य का पाठ बन गया। यह घटना बताती है कि हर स्थान परिवर्तन पलायन नहीं होता है, कभी-कभी वह उच्चतर उद्देश्य की ओर यात्रा भी होता है। महाभारत में पांडवों को हस्तिनापुर छोड़ना पड़ा। लाक्षागृह की घटना के बाद उन्होंने अपनी रक्षा के लिए स्थान बदला। वनवास के दौरान भी उन्होंने अनेक प्रदेशों की यात्रा की। क्या यह पलायन था? यदि केवल भौतिक दृष्टि से देखें तो हाँ। लेकिन नैतिक दृष्टि से यह अन्याय से संघर्ष की तैयारी थी। भगवान श्रीकृष्ण स्वयं मथुरा से द्वारका चले गए। इतिहासकार बताते हैं कि लगातार हो रहे आक्रमणों से जनता की रक्षा के लिए उन्होंने राजधानी स्थानांतरित की। यदि वे ऐसा न करते तो संभवतः यादव वंश भारी विनाश का सामना करता। इसलिए कभी-कभी स्थान बदलना कायरता नहीं, दूरदर्शिता होती है। भारतीय इतिहास में सबसे महान आध्यात्मिक यात्राओं में से एक है, गौतम बुद्ध का महाभिनिष्क्रमण। राजमहल, परिवार, वैभव और सत्ता छोड़कर सिद्धार्थ सत्य की खोज में निकल पड़े। यदि कोई केवल सांसारिक दृष्टि से देखे तो कह सकता है कि उन्होंने अपने परिवार का त्याग कर दिया। लेकिन यही यात्रा उन्हें बुद्ध बना गई। उन्होंने संसार को दुःख, करुणा, अहिंसा और मध्यम मार्ग का संदेश दिया। यदि सिद्धार्थ राजमहल में ही रहते, तो शायद वे इतिहास के एक राजा बनकर रह जाते। महल छोड़ने का उनका निर्णय पूरी मानवता के लिए ज्ञान का प्रकाश बन गया। भगवान महावीर ने भी राजसी जीवन छोड़कर तपस्या का मार्ग अपनाया। उन्होंने केवल घर ही नहीं छोड़ा, बल्कि मोह, लोभ और अहंकार तक का त्याग किया। यह बताता है कि पलायन केवल भौतिक नहीं होता है। मनुष्य अपने भीतर के दोषों से भी पलायन करता है। यदि वह क्रोध छोड़ दे, तो यह भी एक प्रकार का सकारात्मक पलायन है। यदि वह हिंसा छोड़कर अहिंसा अपनाए, तो यह भी परिवर्तन की यात्रा है। आदि शंकराचार्य ने पूरे भारत का भ्रमण किया। उन्होंने ज्ञान की स्थापना के लिए हजारों किलोमीटर की यात्रा की और चार मठों की स्थापना की। यदि वे अपने जन्मस्थान तक सीमित रहते, तो अद्वैत वेदांत का इतना व्यापक प्रचार संभव नहीं होता। यात्रा ने ही उन्हें युगपुरुष बनाया। सिख परंपरा में गुरु नानक देव की लंबी यात्राओं को उदासियाँ कहा जाता है। उन्होंने भारत, तिब्बत, अरब और मध्य एशिया तक यात्रा कर मानवता, समानता और ईश्वर की एकता का संदेश दिया। उन्होंने समाज को यह सिखाया कि सीमाएँ मनुष्य बनाता है, जबकि सत्य पूरे संसार का होता है। इतिहास केवल आध्यात्मिक यात्राओं से नहीं बना है। युद्धों ने भी बड़े पैमाने पर पलायन कराया है। मंगोल आक्रमण, तैमूर का हमला, यूरोप के धार्मिक युद्ध, विश्व युद्ध, इन सभी ने करोड़ों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर किया। भारत के विभाजन (1947) के समय भी लाखों परिवारों ने अपना घर, खेत, व्यापार और स्मृतियाँ छोड़ दीं। यह इतिहास का सबसे बड़ा मानवीय विस्थापन माना जाता है। इन घटनाओं ने यह सिद्ध किया कि जब राजनीति और हिंसा समाज पर हावी होती है, तो सबसे पहले सामान्य नागरिक पलायन करता है। औद्योगिक क्रांति के बाद पलायन का स्वरूप बदल गया। अब लोग तलवार से नहीं, नौकरी से प्रेरित होकर यात्रा करने लगे। गाँवों से शहरों की ओर लाखों लोग जाने लगे। रेलवे बनी, कारखाने बने, बंदरगाह विकसित हुए और महानगरों का विस्तार हुआ। भारत में मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और बाद में बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे जैसे शहर रोजगार के बड़े केंद्र बने। यह आर्थिक पलायन था। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में एक नया शब्द सामने आया ब्रेन ड्रेन अर्थात प्रतिभा पलायन। भारत के हजारों वैज्ञानिक, चिकित्सक, इंजीनियर और शोधकर्ता बेहतर अवसरों की तलाश में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में बस गए। इस पर लंबे समय तक चिंता व्यक्त की जाती रही। लेकिन समय के साथ यह भी स्पष्ट हुआ कि विदेश गए अनेक भारतीयों ने विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया और बाद में अपने अनुभव तथा निवेश से देश के विकास में भी योगदान दिया।

एल निनो मुझे प्रभावित करती है?

डॉ. अनिता भटनागर जैन

पसीना पोछते हुए सबने चैन की सांस ली। जरा सी जगह में विभिन्न लोग एकत्रित थे - कुछ स्कूल के बच्चे, सड़क पर ठेला लगाने वाली महिला, बैंक के कागज पकड़े हुए एक वृद्ध दंपति और ड्यूटी से ब्रेक लेता हुआ एक ट्रैफिक कांस्टेबल, आदिक अप्रत्याशित गर्मी, जिसमें कि तापमान 50 डिग्री सेंटिग्रेड से अधिक महसूस हो रहा था, में नगर निगम ने ये कूलिंग जोन बनाई थीकयाद आया कि दो दशक पहले 38 डिग्री सेंटिग्रेड तापमान को बहुत ही असामान्य माना जाता था।

आजकल समाचारपत्र की सुर्खियां और टी.वी. न्यूज चैनल पर लगातार एल निनो की बात हो रही हैकइसके कारण ही ये उमस भरी गर्मी और बहुप्रतीक्षित मानसून, जो कि भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, में वर्षा की 19.3% कमी संभावित हैक एल निनो केवल एक भौगोलिक परिभाषा से आजकल घर-घर में चर्चा का विषय बन गया है। एल निनो क्या है? क्या ये मुझे प्रभावित करेगा? ये एक प्राकृतिक जलवायु घटना है जो पूर्वी प्रशांत सागर के असामान्य तापमान होने पर घटित होती है। इसके कारण ट्रेड विंड कमजोर पड़ जाती है और वातावरण सक्युर्लेशन पद्धति प्रभावित होने के फलस्वरूप पूरे विश्व में वर्षा पर असर पड़ता हैकसामान्य वर्ष में उत्तरी हेमिस्फियर में गर्म पूर्वी दिशा के समुद्री करंट के कारण ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, दक्षिण-पूर्वी एशिया और भारत में वर्षा होती हैकएल निनो के कारण ये गर्म जलधाराएं पश्चिमी दिशा की तरफ चली जाती हैं और उत्तरी और दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप के पश्चिमी भाग में अत्यधिक वर्षा होती हैकवैज्ञानिको का अनुमान है कि एल निनो 2026 का प्रभाव 2027 तक रहेगाक एल निनो के कारण मध्य भारत में मानसून में विलंब हुआ और अप्रत्याशित हीट वेव हुईकहाल में दुनिया के सर्वाधिक 100 गर्म शहरों में 97 भारत में थेककुछ स्थानों पर फील-लाइक तापमान 45 डिग्री सेंटिग्रेड से अधिक था और दिल्ली में ये 53.1 डिग्री सेंटिग्रेड तक पहुँच गयाकहीट वेव का प्रभाव स्वास्थ्य, दिन में बाहर कार्य संभव न होना, उत्पादकता में कमी, मानसिक स्वास्थ्य, आपसी रिश्तों और मनोवैज्ञानिक समस्याएं में बढ़ोतरी, अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर, आदि हैंकइस वर्ष एल निनो में ह्रासपरक्ष घटना की क्षमता है जिसका प्रभाव स्थानीय विषमताओं और मुख्य सेक्टरों में चुनौतीपूर्ण होगाक भारत में 53.6% जनपदों में सामान्य से कम वर्षा हुई हैकये इसलिए चिंताजनक है क्योंकि मानसून से ही देश की 70% वार्षिक वर्षा प्राप्त होती है और 60% कृषक वर्षा पर आधारित कृषि पर निर्भर हैंकअमेरिका - ईरान युद्ध के कारण बढ़े हुए एनर्जी दरो से घर का बजट प्रभावित हुआ हैक भारत 80-90 प्रतिशत तेल, 40-50 प्रतिशत गैस का आयात करता हैकइन सबका मिलाजुला परिणाम ये हुआ कि सब्जियां, खाने वाले तेल और दालों के मूल्यों में व्यापक बढ़ोतरी हो गई हैक कृषि की कम उत्पादकता के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में कम आय होगी और विभिन्न उत्पादों की मांग भी घट जाएगी, जिसका प्रभाव ग्रामीण आधारित उद्योगों पर पड़ेगाक 2026-27 की सशक्त एल निनो के कारण ऊर्जा की अप्रत्याशित मांग रहेंगी जिसकी पूर्ति नॉन-रिन्यूएबल ऊर्जा स्रोतों से करना संभव नहीं है। कम वर्षा और हवा के कारण हाइड्रोपावर उत्पादकता में 2.9 टीडब्ल्यूएच और वायु ऊर्जा उत्पादन में 4.9 टीडब्ल्यूएच की घटोतरी संभावित है। भारत को मजबूरी में बढ़ती हुई कूलिंग की मांग के लिए अतिरिक्त 17.7 टी डब्ल्यूएच फोसिल स्रोतों पर आधारित ऊर्जा से करनी पड़ेगीक इससे 17 मिलियन टन अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होंगे। समाचारपत्र के अनुसार कोयला खनन के लिए दी गई अध्यावधिक मंजूरी के कारण 40,000 वृक्षों को भी काटना पड़ेगा कयह एक दुष्चक्र है कि गर्मी से जूझने के लिए बिजली चाहिए, अतिरिक्त कोयला चाहिए, जिसके परिणामस्वरूप हजारों वृक्ष कटेंगे और कई मिलियन टन अतिरिक्त ग्रीन हाउस गैस बढ़ेगी जिससे जलवायु पर विपरीत प्रभाव पड़ेगाकजलवायु परिवर्तन मनुष्यों की गतिविधियों का ही परिणाम है और परिस्थिति आगे और जटिल होती जाएगीककेवल अनुरूपण ही विकल्प है कसामान्य नागरिक के लिए हीट एक्शन प्लान लागू करना पड़ेगा ; कृषकों हेतु कम पानी और कम अवधि की फसलों के बीज उपलब्ध कराने पड़ेंगे; दिनचर्या में बदलाव लाना होगा; जीवन शैली में परिवर्तन लाकर सभी नागरिको को अपना कार्बन इम्प्रिंट कम करना पड़ेगाकक्या हम पानी की बचत कर सकते हैं? क्या हम लाइट/पंखे/एसी/कंप्यूटर आदि का जब उपयोग नहीं कर रहे, तो उन्हें बंद कर सकते हैं? क्या हम एसी को 25 डिग्री सेंटिग्रेड पर चलाकर बिजली की मांग को घटा सकते हैं? क्या हम लाल बत्ती या ट्रैफिक जाम में फंसे होने पर अपनी गाड़ियां बंद कर सकते हैं जिससे कि तेल की बचत हो? हर प्रयास महत्वपूर्ण होता है।

राष्ट्रीय दैनिक **प्रातःकिरण**

नई दिल्ली, गुरूवार, 30 जुलाई , 2026

संक्षिप्त खबरें

झांसी में खड़े ट्रक से स्लीपर बस टकराई

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में बड़ागांव थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बस चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा करीब 20 यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। दरअसल प्रयागराज से मध्य प्रदेश के विदिशा जा रही एक स्लीपर बस 29 जुलाई की रात करीब एक बजे बड़ागांव थाना क्षेत्र में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में मप्र निवासी बस चालक इस्लाम बेग और एक यात्री कन्ना की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना बड़ागांव पुलिस एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस के माध्यम से महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी भेजा। वहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने चालक सहित दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। तीन गंभीर घायलों का उपचार किया गया, जबकि अन्य घायलों को सामान्य चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एसपी सिटी प्रीति सिंह ने बताया कि पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने शीघ्र ही सामान्य करा दिया। प्रारंभिक जांच में बस के चालक को संभवतः झपकी आने के बाद बस अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकराने की बात सामने आई है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है तथा अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

गुरु पूर्णिमा पर श्री दुर्गा माता शक्तिपीठ में उमड़े शिष्य

वाराणसी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नगवा स्थित संत रविदास पार्क के समीप श्री दुर्गा माता शक्तिपीठ सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बना रहा। दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के प्रथम दिन प्रातःकाल से ही देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आश्रम में उमड़ पड़ी। भक्तों ने गुरु के श्रीचरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया, गुरु मंत्र ग्रहण किया और अपने आध्यात्मिक जीवन को नई दिशा देने का संकल्प लिया। पूरे आश्रम परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और सत्संग की मधुर ध्वनि से वातावरण भक्तिमय बना रहा। सुबह सात बजे आयोजित गुरु दीक्षा समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आश्रम की उपासिका साध्वी गीता द्वारा अपने गुरु की चरण पादुकाओं के विधिवत पूजन एवं दर्शन के साथ हुआ। इसके बाद गुरु दीक्षा का क्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से आए श्रद्धालुओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। गुरु दीक्षा के दौरान श्रद्धालुओं ने गुरु के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा और समर्पण व्यक्त किया। इस अवसर पर साध्वी गीता अंबा तीर्थ ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में कहा कि सच्चा गुरु वही होता है, जो शिष्य को अज्ञान और अंधकार से निकालकर ज्ञान, विवेक और आत्मबोध के प्रकाश की ओर ले जाए। उन्होंने कहा कि गुरु केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक कठिन मोड़ पर सही दिशा दिखाने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। गुरु का सान्निध्य मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाता है तथा उसे ईश्वर और भगवत चरणों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है, क्योंकि गुरु ही व्यक्ति के जीवन में ज्ञान, संस्कार और आत्मविश्वास का संचार करते हैं। महोत्सव के दौरान दांडी संन्यासियों के लिए भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। दिनभर धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन, सत्संग और श्री दुर्गा माता के दर्शन-पूजन का क्रम चलता रहा। श्रद्धालुओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगलकामना के लिए विशेष प्रार्थनाएं भी कीं। आयोजकों के अनुसार दो दिवसीय महोत्सव में भारत के विभिन्न प्रांतों के अलावा विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। देर रात तक चलने वाले विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं के प्रसाद ग्रहण करने की संभावना जताई गई। आकर्षक सजावट, अनुशासित व्यवस्थाओं और भक्तिमय वातावरण ने पूरे शक्तिपीठ परिसर को आध्यात्मिक आस्था और गुरु भक्ति के अनुपम संगम में परिवर्तित कर दिया।

हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री योगी

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पर्व संबंधी आनुष्ठानिक कार्यक्रम की व्यस्तता के बावजूद जनता दर्शन का आयोजन किया। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। लोगों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित किया जाए। बुधवार सुबह गुरु पूर्णिमा पूजन के बाद गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। लोगों के प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

झांसी में खड़े ट्रक से स्लीपर बस टकराई, चालक समेत दो की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में बड़ागांव थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बस चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। तीन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा करीब 20 यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। दरअसल प्रयागराज से मध्य प्रदेश के विदिशा जा रही एक स्लीपर बस 29 जुलाई की रात करीब एक बजे बड़ागांव थाना क्षेत्र में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में मप्र निवासी बस चालक इस्लाम बेग और एक यात्री कन्ना की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना बड़ागांव पुलिस एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस के माध्यम से महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी भेजा। वहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने चालक सहित दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। तीन गंभीर घायलों का उपचार किया गया, जबकि अन्य घायलों को सामान्य चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एसपी सिटी प्रीति सिंह ने बताया कि पुलिस ने मृतकों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने शीघ्र ही सामान्य करा दिया। प्रारंभिक जांच में बस के चालक को संभवतः झपकी आने के बाद बस अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकराने की बात सामने आई है।

गुरु पूर्णिमा पर क्रीं कुंड बना आस्था का महासंगम, अघोर पीठाधीश्वर के दर्शन को उमड़ा श्रद्धालुओं का रेला

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। अघोर परंपरा के विश्वविख्यात तीर्थस्थल बाबा कीनाराम आश्रम (क्रीं कुंड) में गुरु पूर्णिमा का महापर्व बुधवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आश्रम पहुंचे। अघोर पीठाधीश्वर सिद्धार्थ गौतम राम के दर्शन और आशीर्वाद के लिए सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ता रहा। पूरा आश्रम परिसर ह्लजय बाबा कीनारामह्व और गुरु वंदना के जयघोष से गूंजता रहा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत दिखाई दिया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर तड़के ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। सुबह होते-होते दर्शनार्थियों की लंबी कतारें आश्रम परिसर से बाहर तक पहुंच गईं। करीब तीन किलोमीटर लंबी लाइन में खड़े श्रद्धालु हाथों में फूल-माला, नारियल, चुनरी और पूजा सामग्री लिए अपने गुरु के दर्शन की प्रतीक्षा करते रहे। दूर-दराज के राज्यों के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस और अन्य देशों से आए श्रद्धालुओं ने भी गुरु के श्रीचरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं का उत्साह और आस्था देखते ही बन रही थी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आश्रम में विशेष पूजा-अर्चना, गुरु चरण वंदना, वैदिक मंत्रोच्चार तथा अघोर परंपरा के अनुरूप विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

गुरु पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर उमड़ी आस्था, सुरक्षा के रहे व्यापक इंतजाम

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर । गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार तड़के से ही शहर के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सरसैया घाट, परमट, नानाराव जाजमऊ, गंगा बैराज और बिठूर घाट समेत प्रमुख घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मुहूर्त से गंगा स्नान कर पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर अपने गुरु का आशीर्वाद लिया और परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की। घाटों पर सुबह से ही हर-हर गंगे और गुरु देव की जय के जयघोष गूंजते रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ने सभी प्रमुख घाटों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। पुलिस, जल पुलिस, पीएसी, गोताखोरों और मोटरबोट की तैनाती की गई, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। वहीं नगर निगम की ओर से घाटों की साफ-सफाई और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जबकि स्वास्थ्य विभाग ने एंबुलेंस और चिकित्सा टीमों को मौके पर तैनात रखा। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस.एम. कासिम आबिदी ने थाना बिठूर क्षेत्र स्थित बिठूर घाट का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उनके साथ सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणपुर भी मौजूद रहे। डीसीपी ने घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को आपसी समन्वय बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए हर समय तैयार रहने के निर्देश दिए। सनातन परंपरा में गुरु पूर्णिमा का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान, पूजा-अर्चना और गुरु वंदन से ज्ञान, सद्बुद्धि तथा जीवन में सफलता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसी आस्था के चलते सुबह से ही शहर के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

सच्चा गुरु वही है, जो शिष्य के जीवन को अज्ञान और अंधकार से निकाले: साध्वी गीता अंबा तीर्थ

- गुरु पूर्णिमा पर श्री दुर्गा माता शक्तिपीठ में उमड़ा आस्था का सैलाब, शिष्यों ने गुरु मंत्र लेकर आध्यात्मिक जीवन की नई शुरूआत की

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में शहर के नगवां स्थित संत रविदास पार्क के समीप श्री दुर्गा माता शक्तिपीठ में गुरु पूर्णिमा का पर्व बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पहले दिन प्रातःकाल से ही आश्रम में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वाराणसी जनपद सहित देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी आएं श्रद्धालुओं ने गुरु के श्रीचरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और गुरु मंत्र ग्रहण कर अपने आध्यात्मिक जीवन की नई शुरूआत की। शक्तिपीठ में प्रातः 7 बजे से आयोजित गुरु दीक्षा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गुरु दीक्षा से पूर्व आश्रम की साध्वी गीता ने अपने गुरु की चरण पादुकाओं का विधिवत पूजन कर गुरु पूर्णिमा महोत्सव का शुभारंभ किया। वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और आध्यात्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने गुरु के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर साध्वी गीता अंबा तीर्थ ने उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच ज्ञान गंगा बहाते हुए कहा कि सच्चा गुरु वही है, जो शिष्य के जीवन को अज्ञान और अंधकार से निकालकर ज्ञान और प्रकाश के मार्ग पर ले जाए। गुरु शिष्य के जीवन के संकटों को दूर कर उसे ईश्वर एवं भगवत चरणों की प्राप्ति का मार्ग दिखाते हैं। गुरु का सान्निध्य मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाता है और आत्मिक उन्नति का द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊंचा माना गया है, क्योंकि गुरु ही जीवन का सही मार्गदर्शन करते हैं।

दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा राज्य स्तरीय पुरस्कार 31 जुलाई तक करें आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज । दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए इच्छुक व्यक्तियों और संस्थाओं से आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। यह जानकारी बुधवार को जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अशोक कुमार गौतम ने दी। अशोक कुमार गौतम ने बताया कि राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए विभिन्न श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें दक्ष दिव्यांग कर्मचारी एवं स्वनियोजित दिव्यांगजन, दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता, सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी, दिव्यांगजनों के लिए कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति एवं संस्था, प्रेरणास्रोत व्यक्ति, दिव्यांगजनों के जीवन में सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास, बाधामुक्त वातावरण तैयार करने में उत्कृष्ट कार्य, दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएं देने वाला सर्वश्रेष्ठ जिला शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क, सर्वश्रेष्ठ बालक-बालिका, सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस, दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुकूल वेबसाइट, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी तथा दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए कार्य करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी को भी पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली-2017 के संबंध में विस्तृत जानकारी और आवेदन पत्र का प्रारूप विभागीय वेबसाइट http://uphwd.gov.ia से डाउनलोड किया जा सकता है। इच्छुक व्यक्ति और संस्थाएं निर्धारित आवेदन पत्र को पूर्ण रूप से भरकर दो प्रतियों में 31 जुलाई 2026 तक विकास भवन, प्रयागराज स्थित कक्ष संख्या-13 में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर काशी धर्मपीठ में उमड़ी भक्तों की भीड़ चातुर्मास महाव्रत के साथ गुरु दीक्षा महोत्सव का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नगवा स्थित संत रविदास पार्क के समीप अनंत विभूषित काशी धर्मपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानंद तीर्थ मठ में चातुर्मास महाव्रत एवं गुरु पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। दो दिवसीय आयोजन के प्रथम दिन बुधवार को प्रातःकाल से ही मठ परिसर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से गुलजार रहा। देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में भक्त मठ पहुंचे और अपने गुरु के श्रीचरणों में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु मंत्र की दीक्षा लेकर अपने आध्यात्मिक जीवन को नई दिशा देने का संकल्प लिया। प्रातः 7 बजे से प्रारंभ हुए गुरु दीक्षा कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और भजन-कीर्तन से पूरा मठ परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। गुरु पूजन एवं चरण पादुका पूजन के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने अपने गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए चातुर्मास के चार महीनों तक धर्म, साधना, सेवा और आत्मचिंतन के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मठ की ओर से कहा गया कि भारतीय सनातन परंपरा में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु ही शिष्य को अज्ञान रूपी अंधकार से निकालकर ज्ञान, विवेक और आत्मबोध के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। गुरु के मार्गदर्शन से मनुष्य जीवन की कठिनाइयों का समाधान प्राप्त करता है तथा ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि गुरु के प्रति श्रद्धा, विश्वास, समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करने का महापर्व है, जो गुरु-शिष्य परंपरा की अमूल्य विरासत को सुदृढ़ करता है।

यूक्रेन युद्ध : मर्चेंट नेवी अधिकारी की मौत पर मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान, घर पहुंचा प्रशासन

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच ब्लैक सी में ड्रोन हमले में जान गंवाने वाले कानपुर के मर्चेंट नेवी के चीफ ऑफिसर सागर गुप्ता के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद मंगलवार देर रात जिला प्रशासन और कमिश्नरेट पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शास्त्री नगर स्थित उनके आवास पहुंचे। अधिकारियों ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और शासन की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। मीडिया के माध्यम से घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल कानपुर के जिला प्रशासन और कमिश्नरेट पुलिस को परिवार से संपर्क कर हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त विपिन ताडा और सदर एसडीएम अनुभव सिंह देर रात सागर गुप्ता के आवास पहुंचे। अधिकारियों ने दिवंगत सागर गुप्ता की मां और अन्य परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में प्रदेश सरकार परिवार के साथ खड़ी है। परिवार की आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी लेने के साथ ही अधिकारियों ने शासन स्तर से मिलने वाली हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी और संयुक्त पुलिस आयुक्त ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन लगातार उनके संपर्क में रहेगा और आवश्यक सभी औपचारिकताओं में पूरा सहयोग करेगा। अधिकारियों ने कहा कि शासन के निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन किया जाएगा। गौरतलब है कि कानपुर के शास्त्री नगर निवासी सागर गुप्ता (30) मर्चेंट नेवी में चीफ ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे।

वाराणसी : ट्रक और डंपर की आमने-सामने भिड़ंत में चालक की मौत

वाराणसी। सेवापुरी क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर के बाद ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से केबिन काटकर चालक का शव बाहर निकाला गया। जंसा थाना क्षेत्र के रिंग रोड फेज-2 पर संजोई गांव के समीप मंगलवार की सुबह राजस्थान की ओर से आ रहे एक ट्रक की सामने से आ रहे डंपर से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और चालक केबिन के भीतर फंस गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद गैस कटर की सहायता से ट्रक का केबिन काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान मनीष गंगवार (35) निवासी बरेली के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि मनीष ट्रक से माल पहुंचाने ओडिशा गया था और माल उतारकर वापस लौट रहा था। उसी दौरान हादसे का शिकार हो गया।

ट्रक और डंपर की आमने-सामने भिड़ंत में चालक की मौत

वाराणसी। सेवापुरी क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर के बाद ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से केबिन काटकर चालक का शव बाहर निकाला गया। जंसा थाना क्षेत्र के रिंग रोड फेज-2 पर संजोई गांव के समीप मंगलवार की सुबह राजस्थान की ओर से आ रहे एक ट्रक की सामने से आ रहे डंपर से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और चालक केबिन के भीतर फंस गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

गुरू पूर्णिमा पर्व पर बाबा विश्वनाथ की नगरी गुरू की आराधना में लीन, मठों-आश्रमों में आस्था उफान पर

–महापर्व पर बंदऊं गुरु पद पदुम परागाह्व का भाव जिले में चहुंओर, गुरुजनों के चरणों में शीश नवाकर श्रद्धा समर्पित कर रहे श्रद्धालु

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में गुरु वंदना के महापर्व गुरु पूर्णिमा (आषाढ़ पूर्णिमा) पर बुधवार को सनातनी और बौद्ध श्रद्धालुओं ने अपने गुरुजनों के चरणों में शीश नवाकर श्रद्धा समर्पित की। महापर्व पर काशीपुराधिपति की नगरी में ह्वबंदऊं गुरु पद पदुम परागाह्व का भाव चहुंओर दिखा। देश-विदेश से नगर के मठों, गुरूपीठों और आश्रमों में आए शिष्यों ने अपने गुरु के पैर पखारे और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु पर्व पर अलसुबह से ही नगर के मंदिर, मठ, आश्रम शिष्यों से गुलजार हैं। पड़ाव स्थित अघोर पीठ श्री सर्वेश्वरी समूह संस्थान देवस्थानम में श्रद्धालुओं का रेला आधी रात के बाद से ही उमड़ रहा है। गुरु के प्रति आस्था प्रकट करने के लिए दूर दराज से आये शिष्यों का झुण्ड आश्रम में मंगलवार से ही पहुंचने लगा था। आश्रम में पूरी रात श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा। शिष्यों ने पीठाधीश्वर गुरुपद संभव राम के चरणों में शीश नवाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी क्रम में शिवाला रविन्द्रपुरी स्थित अघोरपीठ बाबा कीनाराम स्थली क्रीं कुंड पर सुबह आरती के पश्चात श्रमदान व प्रभातफेरी का आयोजन हुआ। उसके बाद पीठाधीश्वर बाबा सिद्धार्थ गौतम राम ने औघड़ अघोरेश्वर की समाधियों का पूजन किया। शिष्यों ने पीठाधीश्वर बाबा सिद्धार्थ गौतम राम के चरण रज लेकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। यहां दोपहर 12 बजे प्रसाद वितरण, चार बजे गोष्ठी, शाम 7.30 बजे आरती व आठ बजे सांस्कृतिक आयोजन होंगे। इसी क्रम में मोक्ष तीर्थ मणिकर्णिका घाट स्थित सतुआ बाबा आश्रम के पीठाधीश्वर संतोषदास ने अपने गुरुदेव यमुनाचार्य व आश्रम के प्रथम आचार्य बाबा रणछोड़ दास के चरणपादुका का विधिवत पूजन अर्चन किया। श्री धर्मसंघ शिक्षामंडल में पीठाधीश्वर शंकर देव चैतन्य ब्रह्मचारी ने शिष्यों को आशीर्वाद दिया। केदारघाट स्थित श्री विद्यामठ में शिष्यों ने अपने गुरु ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की प्रतीक रूप से चरण पादुका का पूजन किया। शंकराचार्य चातुर्मास्य के लिए छत्तीसगढ में मौजूद है। नगर के विशेश्वरगंज स्थित संगत चेतन मठ में भी गुरु पूर्णिमा पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। अस्सी डुमरावबाग स्थित आदि जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम् में काशीसुमेरूपीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती का श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया। गुरुधाम कालोनी स्थित अति प्राचीन श्री राम मंदिर में स्वामी रामकमल दास वेदांती ने भगवान शालीग्राम का पूजन अर्चन करने के बाद शिष्यों को आशीर्वाद दिया। इसी क्रम में संत मत अनुयायी आश्रम मठ गड़वा घाट में सुबह सात बजे महापुरुषों की पादुका पूजन, 7:30 बजे सद्गुरुदेव की आरती हुई। ईश्वरगंगी नरहरपुरा स्थित पातालपुरी मठ में सुबह दस बजे से महंत बालक दास महाराज का श्रद्धालुओं ने दर्शन पूजन किया।

धर्मचक्र प्रवर्तन दिवस पर सारनाथ में गूंजा बुद्ध का शांति संदेश डिप्टी सीएम समेत देश-विदेश के अनुयायी पहुंचे

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना की पावन स्मृति में आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को सारनाथ स्थित केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान (सीआईएचटीएस) परिसर में धम्मचक्कप्पवत्तन (धर्मचाक्र प्रवर्तन) दिवस श्रद्धा, गरिमा और आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी), नई दिल्ली एवं केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए बौद्ध भिक्षुओं, विद्वानों, शोधार्थियों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए शांति, सद्भाव और मानव कल्याण का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज विश्व समुदाय बुद्ध के विचारों की प्रासंगिकता को स्वीकार कर रहा है और उनके बताए मार्ग पर चलकर ही वैश्विक शांति एवं सामाजिक समरसता स्थापित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार भगवान बुद्ध से जुड़े तीर्थस्थलों और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य सारनाथ सहित सभी प्रमुख बौद्ध स्थलों पर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि बौद्ध पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों को भी हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के महासचिव शार्त्से खेंसुर जंगचुप चोएडेन रिनपोछे के स्वागत संबोधन से हुआ। इसके बाद केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के विद्यार्थियों ने भगवान बुद्ध के जीवन और उनके संदेश पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण बना रहा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, गुरूवार, 30 जुलाई , 2026

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री स्वदेशी गौसंवर्धन योजना के अंतर्गत 28 लाभार्थियों का हुआ चयन

बिजनौर। मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना (नन्दबाबा दुग्ध मिशन) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद बिजनौर में पात्र लाभार्थियों का चयन बुधवार को विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ई-लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत संपन्न कराया गया। योजना के अंतर्गत जनपद से ऑनलाइन पोर्टल पर कुल 239 आवेदन प्राप्त हुए थे। संबंधित अधिकारियों ने सभी आवेदनों का परीक्षण किए जाने के उपरांत 154 आवेदन पात्र पाए गए। पात्र आवेदकों में से ई-लॉटरी के माध्यम से 28 लाभार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 14 महिला एवं 14 पुरुष शामिल हैं। इस प्रकार योजना में महिला एवं पुरुष सहभागिता को समान महत्व प्रदान किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना, पशुपालकों की आय में वृद्धि करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार एवं रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। नन्दबाबा दुग्ध मिशन के माध्यम से चयनित लाभार्थियों को डेयरी व्यवसाय के विकास के लिए शासन से निर्धारित सुविधाएं एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ई-लॉटरी की पूरी प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं तकनीक आधारित रही, जिससे सभी पात्र आवेदकों को समान अवसर सुनिश्चित हो सके। उन्होंने चयनित लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि वे योजना का अधिकतम लाभ उठाकर अपने डेयरी व्यवसाय को सुदृढ़ करेंगे तथा जिले के दुग्ध उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी, नन्दबाबा दुग्ध मिशन विजय सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल, जिला विकास अधिकारी तथा चयन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों को मिलेगा दोहरा सुरक्षा कवच

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयों को बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण का भी सशक्त माध्यम बना रही है। अगस्त माह में विद्यालयों के माध्यम से दो विशेष टीकाकरण अभियान संचालित किए जाएंगे, जिससे बच्चों को गंभीर संक्रामक बीमारियों के विरुद्ध दोहरा सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा सके। पहले चरण में 3 से 7 अगस्त तक टीडी/टीडीएपी (टिटनेस, डिफ्थीरिया एवं काली खांसी) तथा दूसरे चरण में 18 से 28 अगस्त तक एमआर (मीजल्स-रूबेला) टीकाकरण अभियान संचालित होगा। अभियान के माध्यम से प्रदेश के सभी 75 जनपदों में परिषदीय विद्यालयों, सहायता प्राप्त विद्यालयों, मदरसों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत पात्र बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को अभियान के प्रभावी संचालन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अभियान का उद्देश्य यह है कि कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे और अभियान समयबद्ध ढंग से पूरा हो। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अभियान की प्रत्येक गतिविधि समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराएं। इसका उद्देश्य परिषदीय विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण का भी मजबूत केंद्र बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र बच्चे को गंभीर संक्रामक बीमारियों से समय पर सुरक्षा मिल सके। डिप्थीरिया, टिटनेस और काली खांसी से बचाव के लिए पहला चरण 3, 4, 6 और 7 अगस्त को आयोजित होने वाले टीडी/टीडीएपी अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में अध्ययनरत 5 से 6 वर्ष (संभावित कक्षा-1), 10 वर्ष (संभावित कक्षा-5) तथा 16 वर्ष (संभावित कक्षा-10 एवं 11) आयु वर्ग के बच्चों को आयु के अनुरूप टीडीएपी-2, टीडी-10 तथा टीडी-16 की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी। प्रत्येक टीकाकरण सत्र में 50 से 75 बच्चों को आच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान से पूर्व राज्य, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण, समन्वय बैठकें तथा विद्यालयवार तैयारी पूरी की जाएगी। खसरा और रुबेला पर दूसरे चरण में होगा व्यापक प्रहार पहले चरण के बाद 18 से 28 अगस्त तक एमआर (मीजल्स-रुबेला) अभियान संचालित होगा। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को एमआर वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी। प्रत्येक विद्यालय में प्रतिदिन 100 से 125 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे खसरा और रुबेला जैसी बीमारियों की रोकथाम को और मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के 28 लाभार्थियों का ई-लॉटरी से चयन

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना (नन्दबाबा दुग्ध मिशन) के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद बिजनौर में 28 लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया। विकास भवन सभागार में आयोजित चयन प्रक्रिया मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न हुई। योजना के लिए जनपद से ऑनलाइन पोर्टल पर कुल 239 आवेदन प्राप्त हुए थे। जांच के बाद 154 आवेदन पात्र पाए गए। पात्र आवेदकों में से ई-लॉटरी के जरिए 28 लाभार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 14 महिलाएं और 14 पुरुष शामिल हैं। इस प्रकार योजना में महिला एवं पुरुषों को समान अवसर प्रदान किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना, पशुपालकों की आय में वृद्धि करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को डेयरी व्यवसाय के विकास के लिए शासन द्वारा निर्धारित वित्तीय सहायता एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ई-लॉटरी की प्रक्रिया पूरी तरह तकनीक आधारित और पारदर्शी रही, जिससे सभी पात्र आवेदकों को समान अवसर सुनिश्चित हो सका। उन्होंने चयनित लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि वे योजना का लाभ उठाकर अपने डेयरी व्यवसाय को सशक्त बनाएंगे और जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक एवं नोडल अधिकारी नन्दबाबा दुग्ध मिशन विजय सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल, जिला विकास अधिकारी सहित चयन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर नीब करौरी मंदिर में हुआ गुरु सम्मान समारोह

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कादराबाद क्षेत्र स्थित संकटमोचन श्री बालाजी धाम नीब करौरी मंदिर, हिदायतपुर पत्थरवाला में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मंदिर के महंत मोहित त्यागी को अंगवस्त्र भेंट कर गुरु के प्रति सम्मान और समर्पण भाव व्यक्त किया। कार्यक्रम में दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गुरु महिमा का वर्णन करते हुए ह्यगुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरवे नमः॥ह्व श्लोक का उच्चारण किया और गुरु के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। संकटमोचन श्री बालाजी नीब करौरी मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष खेल सिंह राजपूत, भाजपा मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, अशोक धारीवाल, अमन धारीवाल, रजत कुमार, वीरभान सिंह, मोहित चौहान, विकास कुमार पाल, ट्रस्ट की अध्यक्ष मंजू त्यागी तथा महासचिव रितिक त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।यदि आप चाहें, इसे अमर उजाला, दैनिक जागरण या हिन्दुस्तान समाचार पत्र की शैली में भी रूपांतरित किया जा सकता है।

सपा कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर बुधवार को महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति भारतीय संस्कृति, सभ्यता और सृष्टि निर्माण की गौरवशाली परंपरा के प्रतीक हैं। उनका जीवन श्रम, समर्पण, सामाजिक समरसता और मानव कल्याण का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रही है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है तथा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। महाराजा दक्ष प्रजापति के आदर्श आज भी समाज में एकता, सौहार्द और आपसी सम्मान के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से समतामूलक और मजबूत समाज के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।मुख्य वक्ता सुरेंद्र प्रजापति एडवोकेट ने महाराजा दक्ष प्रजापति के जीवन, व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी सामाजिक एकता, श्रम और सम्मान का मार्ग प्रशस्त करते हैं।इस अवसर पर मोहन प्रजापति, जिलाजीत प्रजापति, दिलीप प्रजापति, अजय प्रजापति, जनार्दन प्रजापति, मोहित प्रजापति, कैलाश प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, महेंद्र यादव ह्यनेपालह्व, इरशाद मंसूरी, जिला सचिव दीपक विश्वकर्मा, लाल मोहम्मद राईनी, जितेंद्र शर्मा, रवि यादव और नीतू शर्मा सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महाराजा दक्ष प्रजापति को श्रद्धापूर्वक नमन किया।कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में जीर्णोद्धार पुरातत्व संग्रहालय का किया लोकार्पण

–दुर्लभ पाण्डुलिपियों, पुरातात्विक धरोहरों और निर्माणाधीन विकास कार्यों का किया निरीक्षण, संरक्षण कार्यों की सराहना

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को विश्वविद्यालय के 44वें दीक्षांत समारोह में सहभागिता के दौरान परिसर में संचालित विभिन्न विकास एवं संरक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 4 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण किए गए विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक लाल भवन, पुरातत्व संग्रहालय तथा शताब्दी भवन अतिथि गृह का लोकार्पण किया। –ऐतिहासिक धरोहरों को मूल स्वरूप में संरक्षित रखने की सराहना राज्यपाल ने वर्ष 1917 में अंग्रेजों द्वारा निर्मित ऐतिहासिक लाल भवन तथा 15 नवंबर 1998 को लोकार्पित शताब्दी भवन अतिथि गृह के नवीनीकरण के बाद उनका उद्घाटन किया। उन्होंने भवनों के मूल स्वरूप को सुरक्षित रखते हुए किए गए संरक्षण एवं आधुनिकीकरण कार्यों की प्रशंसा करते हुए इसे विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की महत्वपूर्ण पहल बताया। –कुषाणकालीन मानव मस्तक ने खींचा राज्यपाल का ध्यान विश्वविद्यालय के वर्ष 1950 में स्थापित पुरातत्व संग्रहालय का अवलोकन करते हुए राज्यपाल ने यहां संरक्षित 7,000 से अधिक दुर्लभ पुरावस्तुओं, प्राचीन मुद्राओं, मूर्तियों और ऐतिहासिक धरोहरों का निरीक्षण किया। संग्रहालय में सुरक्षित कुषाणकालीन मानव मस्तक को देखकर वे विशेष रूप से प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह संग्रहालय भविष्य में शोधार्थियों, विद्यार्थियों तथा देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए अध्ययन और आकर्षण का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। –सवा लाख से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण कार्य की सराहना राज्यपाल ने सरस्वती भवन पुस्तकालय में ह्यज्ञान भारतम्ह्व (राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन) के अंतर्गत संचालित दुर्लभ पाण्डुलिपि संरक्षण केंद्र का भी सूक्ष्म निरीक्षण किया। उन्होंने यहां संरक्षित सवा लाख से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण के कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान-परंपरा के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में यह अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है। –निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता पर जताया संतोष राज्यपाल ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड से निर्माणाधीन श्रमण विद्या संकाय के जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की गुणवत्ता और आधुनिक स्वरूप पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने इसे विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने की महत्वपूर्ण पहल बताया। इसके अलावा उन्होंने दलाई लामा भवन सहित परिसर में संचालित अन्य विकास एवं संरक्षण कार्यों का भी अवलोकन किया –भारतीय ज्ञान-परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाने में मिलेगी मदद : राज्यपाल इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय अपनी ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ आधुनिक अधोसंरचना के विकास का अनुकरणीय कार्य कर रहा है। यह प्रयास भारतीय ज्ञान-परम्परा को सुरक्षित रखते हुए भावी पीढ़ियों तक उसके प्रभावी संवहन तथा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केंद्र सरकार छात्रों की समस्याओं को लेकर गंभीर

बागपत। उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत पहुंचे प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मुगलों के जमाने में शासक सत्ता के लिए अपने पिता को हटाते थे, उसी तरह अखिलेश यादव ने भी अपने पिता को पार्टी अध्यक्ष पद से हटाकर स्वयं कमान संभाली। कैबिनेट मंत्री बागपत जिले के बड़ागांव स्थित तपस्वी आश्रम में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और राजनीतिक मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखा। जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है और प्रधानमंत्री ने आवश्यक कदम उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में असामाजिक तत्व शामिल हो गए थे, जिन्होंने माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। इथेनॉल नीति पर विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए मंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करना और किसानों को लाभ पहुंचाना है। वहीं, रक्षा उत्पादन को लेकर उन्होंने कहा कि भारत अब हथियारों का निर्यात कर रहा है और विमान निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

गुरुपूर्णिमा पर सपा कार्यालय में मनाई गई महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर बुधवार को गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर जिला अध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव की अध्यक्षता में महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके कृतित्व, व्यक्तित्व एवं आदर्शों को अपनाकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।जिला अध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति को ब्रह्मा जी का मानस पुत्र माना जाता है। उन्होंने कहा कि पुराणों के अनुसार दक्ष प्रजापति से ही सृष्टि और प्रजा के विस्तार का मार्ग प्रशस्त हुआ तथा उन्हें वेदों और पुराणों की परंपराओं में प्रथम आयुर्वेदाचार्य के रूप में भी जाना जाता है। समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि हिंदू पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महाराजा दक्ष प्रजापति ब्रह्मा जी के मानस पुत्र एवं माता सती के पिता थे। उन्होंने बताया कि उनकी 27 पुत्रियों का विवाह चंद्रमा से हुआ, जिन्हें 27 नक्षत्रों के रूप में जाना जाता है। वहीं अदिति को देवताओं और दिति को दैत्यों की माता बताया गया है। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव चंद्रपाल सैनी ने किया। इस अवसर पर प्रजापति महासभा के राष्ट्रीय महासचिव श्योनाथ सिंह प्रजापति, संतराम सिंह यादव, अमन चौधरी, अशोक चौधरी, नवनीत गोला, महमूद अली उर्फ भूरा भाई, सर्वेश सैनी, राधेलाल रघुवंशी, जिताम्बर यादव, मुमताज खां, शाहजेब खां, रविपाल चिकारा, रजनीश यादव, अतीक अहमद, मुंसब मेवाती, डालचंद सिंह प्रजापति, कपिल प्रजापति, राजकिशोर प्रजापति, कोमल प्रजापति, अमर सिंह भगत, हरि सिंह प्रजापति, सुनहरी सिंह प्रजापति, बाबूराम प्रजापति, जगदीश प्रजापति, श्याम सिंह प्रजापति, नरेश कुमार गोला, विक्रम सिंह प्रजापति, प्रदीप प्रजापति, रीवा प्रजापति, चंद्रपाल प्रजापति, रिंकू प्रजापति, बिजेंद्र प्रजापति, धर्मेंद्र कुमार प्रजापति, विजेंद्र सिंह प्रजापति, अक्षय कुमार प्रजापति, विशाल कुमार, शिवम वर्मा, संजय कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपी के छह जिलों की 110 ग्राम पंचायतों में आधार सेवाएं शुरू

-पहले चरण में लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व बलरामपुर के लोगों को मिली सुविधा

-प्रदेश की 57,694 ग्राम पंचायतों में आधार केंद्र खोलने का लक्ष्य, पहले चरण में 5,000 पंचायतें शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। अब आधार कार्ड बनवाने, उसमें नाम, पता, मोबाइल नंबर या बायोमेट्रिक अपडेट कराने के लिए ग्रामीणों को शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप पंचायती राज विभाग ने ग्राम पंचायतों को डिजिटल सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ी पहल की है। इसके तहत छह जिलों की 110 ग्राम पंचायतों में आधार नामांकन एवं अपडेट सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। इस व्यवस्था से अब तक 75 हजार रुपये से अधिक आधार सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि योगी सरकार की योजना चरणबद्ध तरीके से सभी ग्राम पंचायतों तक यह सुविधा पहुंचाने की है। इसके तहत प्रदेश की 57,694 ग्राम पंचायतों में आधार केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। पहले चरण में पांच हजार ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। इससे न केवल ग्रामीणों के समय व धन की बचत होगी, बल्कि पंचायतों की अपनी आय बढ़ाने का भी नया रास्ता खुलेगा। योजना को गति देने के लिए पंचायत सहायकों को आधार ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 1200 से अधिक पंचायत सहायकों को प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि शेष का प्रशिक्षण जारी है। वर्तमान में 179 पंचायत सहायकों की ऑपरेटर आईडी सक्रिय हो चुकी है और 157 आधार मशीनों का एक्टिवेशन पूरा कर लिया गया है। इससे ग्राम पंचायत स्तर पर सेवाओं का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। फिलहाल लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व बलरामपुर की 110 ग्राम पंचायतों में यह सुविधा शुरू हो चुकी है। इन जिलों के ग्रामीणों को अब आधार सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ रही है। पंचायती राज निदेशक के अनुसार, यह पहल केवल आधार सेवाओं तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि ग्राम पंचायतों को भविष्य में डिजिटल नागरिक सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने की मजबूत आधारशिला बनेगी। इससे ग्रामीणों को सरकारी सेवाएं गांव में ही उपलब्ध होंगी और पंचायतों की आर्थिक आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। विभाग ग्राम पंचायतों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आधार सेवाओं की शुरूआत एक महत्वपूर्ण कदम है और जल्द ही इसका लाभ प्रदेश के हर गांव तक पहुंचेगा।

बिजनौर के बहुचर्चित प्रबल हत्याकांड में 7 आरोपी दोषी करार, 31 जुलाई को सुनाई जाएगी

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। नगर के बहुचर्चित प्रबल हत्याकांड में करीब 13 वर्ष बाद अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए सात आरोपियों को दोषी करार दिया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट-द्वितीय के न्यायाधीश शाहजाद अली ने सभी आरोपियों के विरुद्ध आरोप सिद्ध पाए हैं। दोषियों को मिलने वाली सजा पर अदालत 31 जुलाई को सुनवाई करेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2013 में नगर के एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह के दौरान प्रबल नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद मामला जिले में काफी चर्चा का विषय बना रहा और लंबे समय तक न्यायालय में इसकी सुनवाई चलती रही। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने जिन सात आरोपियों को दोषी करार दिया है, उनमें संजय गुप्ता (एडवोकेट), विनय अग्रवाल, अपूर्व अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, राहुल गुप्ता तथा आशीष उर्फ आशु शामिल हैं। करीब 13 वर्षों तक चले इस मुकदमे में साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने अपना निर्णय सुनाया है। अब दोषियों को किस प्रकार की सजा दी जाएगी, इसका फैसला 31 जुलाई को किया जाएगा। अदालती फैसले के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे पीड़ित पक्ष के लिए यह निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिले के बहुचर्चित आपराधिक मामलों में शामिल इस मुकदमे पर लोगों की नजरें अब सजा के ऐलान पर टिकी हुई हैं।

अमरोहा विधानसभा क्षेत्र की सात प्रमुख सड़क परियोजनाओं को मिली मंजूरी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सदर विधायक, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) के सभापति महबूब अली के प्रयासों से अमरोहा विधानसभा क्षेत्र में सात महत्वपूर्ण सड़क एवं आधारभूत विकास कार्यों को मंजूरी मिल गई है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इन परियोजनाओं पर कार्य कराया जाएगा, जिससे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी।स्वीकृत कार्यों में नहटौर-नूरपुर-अमरोहा-जोया (एसएच-77) मार्ग का फोरलेन सुदृढ़ीकरण, अमरोहा शहर के आबादी वाले हिस्से में इंटरलॉकिंग टाइल्स एवं नाला निर्माण, अमरोहा कांठ बाईपास (शहरी मार्ग) पर विभिन्न स्थानों पर सीसी सड़क, नालियों व इंटरलॉकिंग का विशेष मरम्मत कार्य, जोया से इकोदा मार्ग पर सीसी रोड, नाली व टाइल्स निर्माण, एसएच-77 से ग्राम बहदूर होकर एनएच-9 तक मार्ग का चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण, अमरोहा-अतरासी-हसनपुर मार्ग पर किमी-26 स्थित सेतु पर क्रैश बैरियर लगाने का कार्य तथा अमरोहा-मालीखेड़ा मार्ग का विशेष मरम्मत कार्य शामिल है। बताया गया कि इन सड़कों की स्थिति लंबे समय से जर्जर थी और क्षेत्रवासी इनके निर्माण एवं मरम्मत की मांग कर रहे थे। विधायक महबूब अली के लगातार प्रयासों से इन विकास कार्यों को स्वीकृति मिली है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में मनाया गया गुरु पूर्णिमा उत्सव

हाथरस। उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस में गुरु पूर्णिमा के मौके पर सादाबाद में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय केंद्र पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमारीज परिवार के सदस्यों, नगर के गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में सतगुरु शिव बाबा का स्मरण किया गया और आध्यात्मिक जीवन अपनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और परमपिता परमात्मा शिव बाबा के स्मरण के साथ हुआ। इसके बाद उपस्थित लोगों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया, जिससे उन्होंने आत्मिक शांति का अनुभव किया। सतगुरु शिव बाबा की महिमा का गुणगान करते हुए ईश्वरीय महावाक्यों का श्रवण भी कराया गया। सेवा केंद्र प्रभारी बीके भावना दीदी ने अपने संबोधन में कहा कि संसार में अनेक गुरु हो सकते हैं, लेकिन सच्चे सतगुरु निराकार परमपिता परमात्मा शिव बाबा ही हैं। उन्होंने बताया कि शिव बाबा ही आत्माओं को सत्य ज्ञान देकर अज्ञान के अंधकार से बाहर निकालते हैं और सुख, शांति, प्रेम तथा पवित्रता का मार्ग दिखाते हैं। बीके भावना दीदी ने यह भी कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, आत्मपरिवर्तन और ईश्वरीय शिक्षाओं को जीवन में उतारने का श्रेष्ठ अवसर है। उन्होंने जोर दिया कि यदि व्यक्ति आध्यात्मिक मूल्यों को अपने जीवन का हिस्सा बना ले तो समाज और राष्ट्र दोनों का कल्याण संभव है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी भाई-बहनों ने आध्यात्मिक जीवन जीने, नशामुक्त एवं मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। उन्होंने विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए भी सकारात्मक संकल्प लिए। अंत में, सभी ने सामूहिक रूप से विश्व शांति की प्रार्थना की।

गुरु पूर्णिमा पर हजारों ने लगाई गंगा में डुबकी

फर्रुखाबाद। जनपद में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने गंगाघाट पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई। गुरु का आशीर्वाद प्राप्त कियो जनपद के पांचाल घाट,बरगदिया घाट,श्रंगीरामपुर और ढाई घाट व रानी घाट पर हजारों की संख्या में स्नानार्थियों की भारी भीड़ उमड़ीगंगा स्नान के लिए फर्रुखाबाद के अलावा हरदोई,शाहजहांपुर,मैनपुरी, कासगंज, कन्नौज और एटा जिलों भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने विधिवत गंगा में स्नान कर पूजा अर्चना कर अपने अपने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त कियो सभी घाटों पर भगवान श्री सत्यनारायण की कथाएं सुनी गईं और श्रद्धानुसार दान-पुण्य भी अर्पित किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर घाटों पर पुलिस बल तैनात रहा। गोताखोरों की टीमें भी मुस्तैद रहीं और फ्लैट यूनिट लगातार शक्ति से निगरानी कर रही थी ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। शहर के पांचाल घाट पुल पर बीते दिनों हुए ज्वाइंट कार्य के कारण डिवाइडर रखे गए थे,जिससे आंशिक जाम की स्थिति भी बनी रही। ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिस और पांचालघाट चौकी प्रभारी वाहनों को धीरे-धीरे निकालकर जाम को नियंत्रित करने का प्रयास करते दिखे समाचार लिखे जाने तक गंगा स्नान जारी है।

राजकीय फल संरक्षण प्रशिक्षण केंद्र में निःशुल्क रोजगारपरक प्रशिक्षण के लिए आवेदन शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण योजना के अंतर्गत राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र, कैलसा रोड, अमरोहा द्वारा जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वरोजगार एवं रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। केंद्र प्रभारी के अनुसार दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम में खाद्य प्रसंस्करण की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल, आयु 1 जुलाई 2026 को 21 वर्ष तथा कुल 330 सीटें निर्धारित हैं। आवेदन पत्र 1 अगस्त से प्राप्त एवं जमा किए जा सकेंगे। यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इसके अलावा एक माह के बेकरी एवं पाककला प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं। इसमें न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल, आयु 18 वर्ष तथा कुल 30 सीटें निर्धारित हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2026 है। यह प्रशिक्षण भी निःशुल्क होगा।अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 100 दिवसीय उद्यमिता विकास खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किया जाएगा। इसमें खाद्य प्रसंस्करण, उद्यमिता विकास और व्यवसाय स्थापना का विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल, आयु 18 वर्ष तथा 30 सीटें निर्धारित हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2026 है। प्रशिक्षण शुल्क ₹300 रखा गया है। केंद्र प्रभारी ने इच्छुक अभ्यर्थियों से समय रहते आवेदन कर इन रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7456089286 एवं 7248149138 पर संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

अंबेडकर अस्पताल में फायर फाइटिंग सिस्टम फेल

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल डॉ. भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल (मेकाहारा) में मेडिसिन इमरजेंसी वार्ड में AC ब्लास्ट से आग लग गई। आग के बाद फॉल सीलिंग और प्लास्टिक सामग्री जलने से कुछ ही मिनटों में पूरे ग्राउंड फ्लोर में धुआं फैल गया। इस दौरान करोड़ों रुपए की लागत से लगा स्प्रिंकलर सिस्टम चालू नहीं हुआ, धुआं बाहर निकालने के लिए कूलर का सहारा लेना पड़ा। धुएं से मरीजों का दम घुटने लगा, लेकिन डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों ने जान जोखिम में डालकर सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मंगलवार दोपहर को हुई इस घटना के बाद समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। फायर सेफ्टी व्यवस्था में कई खामियां मिलीं। अस्पताल प्रबंधन इसे हादसा बता रहा है, लेकिन कर्मचारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों में फायर सेफ्टी व्यवस्था को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए हैं। मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे मेडिसिन इमरजेंसी वार्ड में अचानक आग लग गई। उस समय बड़ी संख्या में मरीज इलाज करा रहे थे। कुछ ही मिनटों में फॉल सीलिंग और एसी की प्लास्टिक बॉडी में आग फैलने से पूरा वार्ड धुएं से भर गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड में लगे एसी से धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर बाद तेज आवाज सुनाई दी, जिसे कई लोगों ने ब्लास्ट जैसा बताया। कर्मचारियों के अनुसार एसी नया था और शुरुआती आग उसी के पास से उठी। हालांकि, आग लगने की वास्तविक वजह का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

झारखंड में एक्टिव 8 नक्सलियों का बीजापुर में सरेंडर

झारखंड के विभिन्न इलाकों में सक्रिय रहे 8 नक्सली कैडरों ने बुधवार (29 जुलाई) को बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें पांच महिला माओवादी भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इन सभी पर मिलाकर 49 लाख रुपये का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति और जिले में चल रहे पुनर्वास कार्यक्रमों से प्रभावित होकर उन्होंने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। पुलिस के मुताबिक, आत्मसमर्पण की इस प्रक्रिया में झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) और बीजापुर पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया। सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से माओवादी कैडरों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया गया। इन माओवादियों पर था लाखों का इनाम आत्मसमर्पण करने वालों में अश्विन उर्फ लच्छू, रंगा उर्फ सोहन और दोवा माड़वी उर्फ राहत पर 8-8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वहीं फगनी पोयाम उर्फ रजनी, सूरज मुन्नी चम्पिया उर्फ सुबनी, हिड़मे कड़ती उर्फ रीता, बुधरी कुंजाम उर्फ अनुषा और सलमी चम्पिया उर्फ जिलानी पर 5-5 लाख रुपये का इनाम रखा गया था। हिंसक विचारधारा से मोहभंग के बाद लिया फैसला पुलिस के अनुसार, सभी माओवादी लंबे समय से प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन से जुड़े थे और झारखंड के विभिन्न इलाकों में सक्रिय थे। सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, संगठन के कमजोर होते प्रभाव, हिंसक विचारधारा से मोहभंग और पहले आत्मसमर्पण कर चुके माओवादियों के सफल पुनर्वास से प्रेरित होकर उन्होंने हथियार छोड़ने का निर्णय लिया। पुनर्वास नीति के तहत मिलेगी सहायता आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादी कैडरों को शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही उन्हें कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा, स्वरोजगार और रोजगार से जुड़ी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला प्रशासन और पुलिस उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक तरीके से पुनर्स्थापित करने के लिए आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन देगी।

राज्यपाल बोले- सरकारी विभाग के लोगों को नशा-मुक्त बनाना जरूरी

प्रात: किरण संवाददाता

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि देश में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि विदेशों से भारत में आने वाली ड्रग्स केवल अवैध कमाई का जरिया नहीं हैं, बल्कि इसके पीछे भारत के युवाओं की शक्ति को कमजोर करने की साजिश भी है। युवाओं को इस खतरे को समझना होगा और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। बुधवार को टोंक दौरे पर पहुंचे राज्यपाल ने जिला परिषद सभागार में करीब एक घंटे अधिकारियों की बैठक लीं, फिर मीडिया से बातचीत में कहा कि नशामुक्त भारत का अभियान सरकारी विभागों से शुरू होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पहले अपने-अपने विभाग के लोगों को नशामुक्त बनाएं, तभी समाज में प्रभावी संदेश जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि नशामुक्ति के साथ-साथ टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य भी होना चाहिए। इसके लिए अभियान को जमीनी स्तर तक ले जाना होगा और लोगों को व्यापक रूप से जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि टोंक जिले में महज 34 स्टूडेंट्स नीट में पास हुए हैं, यह चिंता का विषय है। इसमें भी प्राइवेट स्कूलों के ज्यादा होंगे, सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर सुधारने के प्रयास करने होंगे। अफसरों की मीटिंग लीं, पढ़ाई के स्तर पर हुई चर्चा इससे पहले राज्यपाल ने नगर परिषद सभागार में अधिकारियों की मीटिंग ली। इसमें भी नशा मुक्त एवं टीबी मुक्त समाज निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई, सरकारी कॉलेज और स्कूलों में पढ़ाई का स्तर सुधारने की बात कही। इससे पहले राज्यपाल के टोंक पहुंचने पर जिला परिषद टोंक में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मीटिंग में संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, कलेक्टर टीना डाबी, एसपी रोशन मीना समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।पूर्व नगर परिषद चेयरमैन के आवास गए राज्यपाल राज्यपाल आज सुबह करीब साढ़े 11 बजे जयपुर से सीधे पूर्व नगर परिषद चेयरमैन लक्ष्मी जैन के आवास पहुंचे और लक्ष्मी जैन के साथ उनके परिवार से मुलाकात की। इस मौके पर बीजेपी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, सफाई आयोग के पूर्व सदस्य दीपक संगत, कमलेश यादव ने उनका स्वागत किया।

कांकेर में मलेरिया से 3 बच्चों समेत 4 मौतें:32 पॉजिटिव, सरकारी हॉस्टल में फैला इन्फेक्शन

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर जिले कांकेर में मलेरिया से 4 लोगों की मौत हुई है। इनमें 3 स्टूडेंट और 1 महिला शामिल हैं। चारों मौतें अलग-अलग गांव में हुई हैं।सरडी, डोमारगढ़, मदेपोटे और चिचगांव गांव में मलेरिया फैला हुआ है, यहां 32 लोग पॉजिटिव मिले हैं, सभी का अलग-अलग हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। सरडी के बॉयज हॉस्टल में 11 स्टूडेंट्स पॉजिटिव थे, इनमें एक मौत हुई है। सरकारी हॉस्टल में रहने वाले 2 स्टूडेंट की मौत हुई है। इसके अलावा डोमारगढ़ में 3 बहने पॉजिटिव मिले थे, इनमें एक 9 साल की बच्ची की मौत हुई है। प्रभावित इलाकों में हेल्थ कैंप लगाकर लोगों की स्क्रीनिंग और जांच की जा रही है।27 जुलाई को भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम चिचगांव निवासी राकेश्वरी कोला (25) की मलेरिया से मौत हो गई। मितानिन ने किट (मलेरिया रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट) से जांच कराई, जिसमें उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। मितानिन ने उन्हें दवाइयां भी दी थीं, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं हुआ। देर रात तबीयत बिगड़ने पर राकेश्वरी को भानुप्रतापपुर के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि, जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने मितानिन की रिपोर्ट को खारिज करते हुए बताया कि डॉक्टरों के स्लाइड टेस्ट में रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। अलग-अलग हॉस्पिटल में चल रहा इलाजजिले में मलेरिया की स्थिति गंभीर बनी हुई है। वर्तमान में 10 से अधिक स्टूडेंट अलग-अलग अस्पतालों में मलेरिया का इलाज करा रहे हैं, जबकि 2 छात्रों को रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलेरिया के बढ़ते प्रकोप के कारण स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रखा गया है। छात्रावासों और आश्रमों में कैंप लगाकर बच्चों की जांच की जा रही है, साथ ही गांवों में घर-घर जाकर भी मलेरिया की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री और सचिव ने की मीटिंग मलेरिया के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और सचिव अमित कटारिया मंगलवार (28 जुलाई) को कांकेर पहुंचे थे।

स्कॉर्पियो पर लिखा- मौत का सामान, 20 लाख का डिब्बा:क्रेन से 20 फीट हवा में लटकाई गाड़ी

प्रात: किरण संवाददाता

झुंझुनूं में 20 जुलाई को एक्सीडेंट में बिजनेसमैन की मौत हो गई थी। हादसे में गाड़ी के परखच्चे उड़ गए थे, लेकिन एयरबैग्स नहीं खुले थे। बुधवार को बिजनेसमैन के परिजन और दोस्त महिंद्रा के शोरूम पहुंचे और हंगामा कर दिया। शोरूम के बाहर स्कॉर्पियो को क्रेन के सहारे 20 फीट ऊंचाई पर लटकाया और प्रदर्शन किया। दोस्तों ने गाड़ी पर लाल कलर से लिखा- मौत का सामान और 20 लाख का डिब्बा। परिजनों और दोस्तों ने कहा- हमें मुआवजा नहीं हमारा दोस्त, भाई और बेटा वापस चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कहा- गाड़ी बनाने वालों से कहना है कि वे एक बार अपने बच्चों को इस गाड़ी में बैठाएं और एक्सीडेंट कराकर देखें कि यह कितनी सेफ है। मामला शहर में गहलोत मोटर्स के सामने दोपहर 12.30 बजे का है। पोल से टकरा कर बिखर गई थी स्कॉर्पियोबिजनेसमैन के दोस्त धीरज जाट ने बताया- तरुण नायक (21) झुंझुनूं में रेंटल गाड़ियों का बिजनेस करते थे। 20 जुलाई को वे अपने 4 साथियों के साथ सीकर से झुंझुनूं लौट रहे थे। इस दौरान डूंडलोद बाइपास पर उनकी स्कॉर्पियो बिजली के पोल से टकराकर पलट गई थी। हादसे में तरुण को गंभीर चोटें आई थी। उनको नवलगढ़ जिला अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था। गाड़ी में सवार 4 अन्य लोगों को मामूली चोटें आई थी। तरुण ने सीट बेल्ट लगाया हुआ था, लेकिन हादसे के वक्त गाड़ी का एयरबैग नहीं खुला। इसको लेकर हमने कई बार कंपनी से बात की, लेकिन उन्होंने एयरबैग खुलने की बात को लेकर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके कारण हम तरुण की मां, दो भाइयो और दोस्तों के साथ दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को क्रेन पर टांगकर शोरूम के बाहर पहुंचे।क्रेन से हवा में लटकाई स्कॉर्पियो, लिखा- 20 लाख का डिब्बा प्रदर्शनकारियों ने महिंद्रा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हवा में 20 फीट ऊंचाई पर लटकी स्कॉर्पियो पर लिखा था- डेंजर, मौत का सामान, खतरा, 20 लाख का डिब्बा। इस विरोध प्रदर्शन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। गाड़ी बनाने वाले अपने बच्चों को बैठाकर इसकी सेफ्टी चेक करेंधीरज जाट ने बताया- हमें कंपनी से कोई नई गाड़ी या मुआवजा नहीं चाहिए, बल्कि महिंद्रा वाले हमारा दोस्त वापस लाकर दें। मैं महिंद्रा कंपनी के मालिक आनंद महिंद्रा और झुंझुनूं महिंद्रा एजेंसी के संचालक से कहना चाहता हूं कि वे एक बार अपने बच्चों को इस गाड़ी में बैठाएं और एक्सीडेंट कराकर देखें कि यह कितनी सेफ है।प्रदर्शनकारियों ने कहा- तरुण घर में इकलौता कमाने वाला था। अब परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है।

पाकिस्तान में चल रहा बीकानेर के युवक का वॉट्सऐप:आतंकी शहजाद भट्टी गैंग तक पहुंचाया था ओटीपी

प्रात: किरण संवाददाता

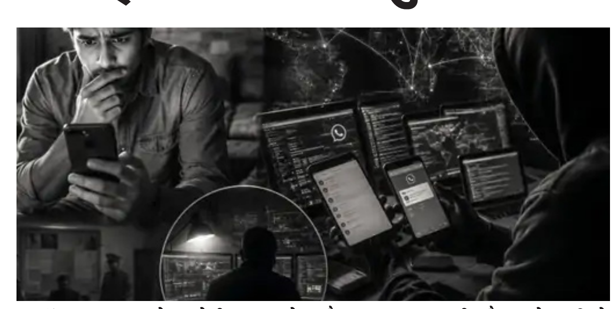

बीकानेर में रहने वाले युवक के मोबाइल नंबर से पाकिस्तान में वॉट्सऐप चल रहा है। सिम एक्टिव करने के लिए जिस ओटीपी की जरूरत थी, वह बज्जू थाना क्षेत्र के गौडू गांव का रहने वाले अनिल कुमार (18) ने ही पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी गैंग तक पहुंचाया था। एंटी टेररिस्ट स्क्वॉयड (ATS) ने पकड़कर पूछताछ के बाद पुलिस के हवाले कर दिया सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, भारतीय नंबरों के गलत इस्तेमाल से देश की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इनका उपयोग जासूसी, फर्जी पहचान, हनी ट्रैप, साइबर हमले और सुरक्षा से जुड़ी जानकारी हासिल करने जैसे खतरों के लिए किया जा सकता है। बता दें, 17 जुलाई को नंबर एक्टिव होते ही जयपुर की एंटी टेररिस्ट स्क्वॉयड (ATS) ने आरोपी युवक को घर से पकड़ लिया था। आरोपी लंबे समय से आतंकी के गुर्गे उज्जेर से संपर्क में था। एटीएस की टीम ने 18 जुलाई को उसे घर से पकड़ा था। एक दिन पूछताछ के बाद उसे 19 जुलाई को लोकल पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया। हथियारों के प्रदर्शन का भी आरोप पुलिस के अनुसार, अनिल कुमार पाकिस्तान गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके साथियों के संपर्क में रहने की जांच की जा रही है। आरोपी के नाम से जारी भारतीय सिम कार्ड और वॉट्सऐप अकाउंट दूसरे लोगों को इस्तेमाल करने देने के आरोपों की भी जांच की जा रही है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने के मामले की भी जांच चल रही है। पहले भी सामने आ चुके हैं मामले बीकानेर के सीमावर्ती इलाकों बज्जू, खाजूवाला और पूगल में सुरक्षा एजेंसियां लगातार नजर रख रही हैं। सीमा पार से होने वाली संदिग्ध गतिविधियों, सोशल मीडिया नेटवर्क और स्थानीय संपर्कों की जांच की जा रही है। बीकानेर के सीमावर्ती क्षेत्रों से पहले भी हनी ट्रैप, जासूसी और आईएसआई से जुड़े कई मामले सामने आ चुके हैं। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज मामले (2024-25) में सेना की गतिविधियों से जुड़ी जानकारी लीक करने के आरोप में एक कैंटीन संचालक, एक ई-मित्र संचालक और एक रेलवे कर्मचारी को पाकिस्तानी महिला एजेंटों के संपर्क में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अक्टूबर 2023 में दंतोर क्षेत्र के एक युवक को सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी महिला एजेंटों को सामरिक और गोपनीय जानकारी भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

घर में घुसकर विवाहिता का गला काटा ,जयपुर रेफर

सीकर में घर में घुसकर महिला का गला काट दिया गया था। महिला को अब गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है। महिला कुछ बोल नहीं पा रही है। ऐसे में हमले का कारण भी सामने नहीं आया है। ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धोद थाने के बाहर करीब 28 घंटे तक धरना दिया। जिन्होंने सीकर-लोसल सड़क मार्ग भी जाम कर दिया था। आरोपी को डिटेन करने के बाद धरना समाप्त हुआ। प्रियंका (25) नाम की विवाहिता कुचामन (ससुराल) से 3 महीने पहले डिलीवरी के लिए अपने पीहर सरवड़ी गांव आई हुई थी। वह 6 महीने की गभर्वती है। पति महाराष्ट्र में फर्नीचर का काम करते हैं। पिता को लहूलुहान हालत में मिली बेटी वह अपने 3 साल के बेटे के साथ पीहर में सो रही थी। इस दौरान गांव का ही रहने वाला सुरेश सैनी घर में घुसा और उसके गले पर वार किया। इतना ही नहीं हाथ और पैर पर भी चाकू मार दिया। करीब 10 मिनट बाद उसके पिता घर पर आए तो बेटी लहूलुहान हालत में पड़ी मिली। गंभीर हालत में इलाज के लिए सीकर के ट्रॉमा सेंटर लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद आईसीयू में एडमिट किया गया। स्थिति में सुधार नहीं होने पर आज जयपुर रेफर किया गया। घटना के बाद घायल के पिता ने आरोपी के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवाया। महिला बेहोश, चढ़ाया खून भी वापस निकल रहाघायल के भाई प्रेम सिंह ने बताया कि घटना के बाद से बहन बेहोश है। उसे जो ब्लड चढ़ाया गया, वह भी वापस निकल रहा है। धोद पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि आरोपी को डिटेन कर लिया गया है और मामले में आगे का अनुसंधान जारी है। पुलिस सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

दवा लेकर लौट रहे मां-बेटे की बाइक खाई में गिरी

दोनों गंभीर घायल; सड़क पर पड़े मृत पशु से टकराने से हुआ हादसा

प्रात: किरण संवाददाता

बालोतरा में पिता की दवा लेकर लौट रहे मां-बेटे की बाइक सड़क पर पड़े मृत पशु से टकराकर अनियंत्रित हो गई और खाई में जा गिरी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर मदद की और एंबुलेंस की सहायता से दोनों को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रेफर कर दिया गया। हादसा बालोतरा जिले के गुड़ामालानी क्षेत्र में शेरानियों की कटाई के पास मंगलवार रात करीब 11 बजे हुआ। गुड़ामालानी से बस से गए थे जोधपुर, लौटते समय हुआ हादसा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बाड़मेर के सनावड़ा गांव निवासी अर्जुनराम (38) पुत्र मंगलाराम अपनी मां कुसुंबी देवी (65) के साथ मंगलवार सुबह बाइक से गुड़ामालानी आए थे। दोनों ने गुड़ामालानी में बाइक खड़ी की और वहां से बस से जोधपुर गए। पिता की दवा और मां का आधार कार्ड अपडेट करवाने गए थे घायल अर्जुनराम ने बताया कि वह अपने पिता के लिए दवा लेने जोधपुर गए थे। वहीं, मां कुसुंबी देवी का आधार कार्ड अपडेट करवाने के लिए उन्हें भी साथ लेकर गए थे। शाम को दोनों बस से वापस गुड़ामालानी पहुंचे। इसके बाद बाइक से अपने गांव के लिए रवाना हो गए। सड़क पर पड़े मृत पशु नहीं दिखे, बाइक टकराकर खाई में गिरी गुड़ामालानी से करीब 12 किलोमीटर दूर शेरानियों की कटाई गांव के पास सड़क पर कुछ मृत पशु पड़े हुए थे। अर्जुनराम ने बताया कि सामने से आ रही गाड़ी की लाइट की वजह से सड़क पर पड़े पशु दिखाई नहीं दिए और बाइक उनसे टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरी। लोगों ने पहुंचकर बचाया, प्राथमिक उपचार के बाद दोनों रेफर हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों की मदद की। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस चालक बालकिशन दोनों घायलों को गुड़ामालानी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बाड़मेर जिला हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।

जमीन हड़पने लिए 33 साल बाद जिंदा हो गया मालिक

प्रात: किरण संवाददाता

जिस व्यक्ति के नाम 50 बीघा जमीन थी, उसकी मौत को 33 साल बीत चुके थे, लेकिन जमीन हड़पने के लिए उसी के नाम से फर्जी मालिक खड़ा कर दिया गया। असली वारिसों ने जमीन बेचने से इनकार किया तो आरोपियों ने फर्जी आधार-पैन और गवाह तैयार कर रजिस्ट्री कराने की साजिश रच ली। बीकानेर के खाजूवाला उप रजिस्ट्रार कार्यालय में रजिस्ट्री से पहले ही यह फजीर्वाड़ा पकड़ में आ गया। जांच में सामने आया कि रजिस्ट्री कराने पहुंचा व्यक्ति असली जमीन मालिक नहीं था, बल्कि फर्जी तरीके से खड़ा किया गया था। तहसीलदार ने मामले का खुलासा किया, जिसके बाद पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और षड्यंत्र की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जमीन के दो बैनामे रजिस्ट्री के लिए पेश किए गए तहसीलदार हरीश कुमार टाक ने बताया - 27 जुलाई को चक 6 बीजीएम स्थित 50 बीघा जमीन के दो बैनामे रजिस्ट्री के लिए पेश किए गए थे। इन दस्तावेजों में दानाराम पुत्र गिरधारी लाल को जमीन का विक्रेता और वेदप्रकाश पुत्र सूजाराम को खरीदार बताया गया था। रजिस्ट्री की प्रक्रिया चल रही थी, इसी दौरान असली दानाराम के वारिसों ने आपत्ति दर्ज कराई। वारिसों की आपत्ति के बाद जांच शुरू हुई, फर्जी निकले दस्तावेज वारिसों ने बताया - तहसील कार्यालय में मौजूद व्यक्ति असली दानाराम नहीं है, क्योंकि वास्तविक जमीन मालिक दानाराम भाट पुत्र खियाराम की वर्ष 1993 में ही मौत हो चुकी थी। वह फतेहपुर, जिला सीकर का निवासी थे। आपत्ति मिलने के बाद पूरे मामले पर शक हुआ और दस्तावेजों की जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि पेश किए गए आधार कार्ड और पैन कार्ड भी फर्जी थे। पुलिस ने मृतक दानाराम के वारिसों को भी जांच में शामिल होने के लिए बुलाया है। पूछताछ में खुलासा, चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज पूछताछ में फर्जी दानाराम ने बताया - वह दानाराम पुत्र खियाराम नहीं, बल्कि दानाराम पुत्र गिरधारी लाल निवासी सोनपालसर, सरदारशहर (चूरू) है।

करेले के ढेर से निकला कोबरा, युवक को डसा

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नेहरू नगर स्थित साप्ताहिक सब्जी बाजार में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब करेले के ढेर से अचानक एक कोबरा निकल आया। इस दौरान करेला छांट रहे एक युवक को सांप ने पैर में डस लिया। घायल युवक को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। सांप निकलने की घटना के बाद बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोगों में दहशत फैल गई। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के जरिए बरसात के मौसम में जहरीले जीव-जंतुओं से सतर्क रहने की अपील की जा रही है।बाजार में मची अफरा-तफरी दरअसल, सरकंडा क्षेत्र के बहतराई में रहने वाले बिहारी साहू बाजार में मंगलवार को सब्जी खरीदने पहुंचे थे। इसी दौरान वह करेले के ढेर में से करेला छांट रहे थे, तभी अचानक वहां छिपा कोबरा फन फैलाकर बाहर निकल आया। कुछ समझ पाते, इससे पहले ही सांप ने उनके पैर में डस लिया। घटना के बाद उन्हें तत्काल सिम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई। कोबरा निकलने की खबर फैलते ही लोग सब्जियां छोड़कर इधर-उधर भागने लगे। वहीं, सब्जी विक्रेताओं में भी दहशत का माहौल बन गया। झाड़ियों से आकर करेले के ढेर में छिपा था कोबरा प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक सब्जी विक्रेता करेले सहित अन्य सब्जियां बेच रहा था। इसी दौरान पास की झाड़ियों से निकलकर कोबरा करेले के ढेर में जाकर छिप गया। जब बिहारी साहू करेला छांटने लगे, तभी कोबरा अचानक फन फैलाकर बाहर निकला और उन्हें डस लिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो घटना के दौरान मौजूद कुछ लोगों ने कोबरा का वीडियो बना लिया। वीडियो में कोबरा करेले के ढेर के बीच फन फैलाए दिखाई दे रहा है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के साथ बरसात के मौसम में बाजार, खेत और झाड़ियों के आसपास जहरीले जीव-जंतुओं से सतर्क रहने की अपील भी की जा रही है।

बिलासपुर सेन्ट्रल जेल में जलती भट्ठी में कूदा कैदी, मौत

सबसे बड़ी और हाई सिक्योरिटी मानी जाने वाली बिलासपुर सेंट्रल जेल में बुधवार को एक बड़ी घटना सामने आई है। डबल मर्डर के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी ने जेल परिसर में स्थापित गैसीफायर प्लांट की जलती भट्ठी में छलांग लगाकर जान दे दी। जेल प्रशासन ने तत्काल सायरन बजाकर आपात स्थिति घोषित की और पुलिस के साथ वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। शुरूआती जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान बृजेश उर्फ राहुल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह डबल मर्डर केस में सजायाफ्ता था। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह सहित पुलिस अफसरों की टीम सेंट्रल जेल पहुंच गए हैं और घटनास्थल का निरीक्षण कर जेल अधिकारियों से जानकारी ले रहे हैं। एफएसएल और पुलिस की टीम भी जांच में जुट गई है। लकड़ियों से गैस बनती है, उसी गैसीफायर की भट्ठी में कूदा जेल परिसर में स्थापित गैसीफायर प्लांट में लकड़ियां डालकर गैस तैयार की जाती है।

छत्तीसगढ़ का मोस्ट वांटेड नक्सली मिसिर बेसरा झारखंड में गिरफ्तार:55 जवानों का हत्यारा, डेढ़ करोड़ का इनामी था

प्रात: किरण संवाददाता

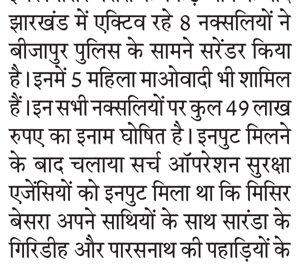

बस्तर में माओवादी नेटवर्क को फैलाने वाले और झारखंड में 55 जवानों की शहादत से जुड़े IED ब्लास्ट का आरोपी नक्सली मिसिर बेसरा पकड़ा गया है। मंगलवार (28 जुलाई) को झारखंड के सारंडा के जंगल में सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर उसे और 2 साथियों को गिरफ्तार किया है। मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर उर्फ सुनिर्मल पर करीब डेढ़ करोड़ रुपए से ज्यादा का इनाम घोषित है। वह नक्सलियों के पोलित ब्यूरो का मेंबर और एफइ इंचार्ज था। माओवादी संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और संगठन के शीर्ष नेताओं में शामिल रहा है। बताया जा रहा है कि अगला टारगेट नक्सली गणपति है, जिसके नेपाल में छिपे होने की खबर है, उसने सरेंडर नहीं किया है। बसवा राजू से पहले वो ही संगठन का महासचिव था। बसवा राजू नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी का मेंबर था। 21 मई 2025 को एनकाउंटर में मारा गया। इधर मिसिर बेसरा के पकड़े जाने के बाद झारखंड में एक्टिव रहे 8 नक्सलियों ने बीजापुर पुलिस के सामने सरेंडर किया है। इनमें 5 महिला माओवादी भी शामिल हैं। इन सभी नक्सलियों पर कुल 49 लाख रुपए का इनाम घोषित है। इनपुट मिलने के बाद चलाया सर्च ऑपरेशन सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिला था कि मिसिर बेसरा अपने साथियों के साथ सारंडा के गिरिडीह और पारसनाथ की पहाड़ियों के रास्ते नए ठिकाने की तलाश में निकल रहा है। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान घेराबंदी में वह भाग नहीं सका और पकड़ा गया। 20 साल से नक्सली संगठन से जुड़ा था नक्सली मिसिर बेसरा झारखंड के गिरिडीह जिले के पीरटांड थाना क्षेत्र के मदनडीह गांव का रहने वाला है। वह पिछले 20 साल से झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में एक्टिव रहा है। माओवाद संगठन के बड़े ऑपरेशनों में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उसके खिलाफ हत्या, क्एऊविस्फोट, पुलिस बलों पर हमले और आर्म्स एक्ट समेत 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। इन वारदातों में रहा शामिल पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सारंडा, कोल्हान, पारसनाथ और झारखंड-ओडिशा-पश्चिम बंगाल उसका प्रमुख कार्यक्षेत्र रहा है। साल 2003-04 में पश्चिम सिंहभूम जिले के बिटकिलसोय और बलिबा क्षेत्र में हुए क्एऊब्लास्ट की साजिश रचने का आरोप भी उस पर है। इन हमलों में 55 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे। इसके अलावा साल 2009 में बिहार के लखीसराय कोर्ट परिसर में नक्सलियों के किए गए हमले के दौरान उसे पुलिस हिरासत से छुड़ा लिया गया था। तब से वह लगातार फरार चल रहा था। बस्तर और छत्तीसगढ़ से गहरा कनेक्शन सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, मिसिर बेसरा छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में भी एक्टिव था। वह माओवादी संगठन के केंद्रीय नेतृत्व का हिस्सा होने के कारण दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी और पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो के बीच समन्वय का काम करता था। सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से नजर रखे हुए थींबस्तर में नक्सलियों के नेटवर्क को बढ़ाने, कैडरों को ट्रेनिंग देने, हथियार आपूर्ति और बड़े ऑपरेशनों की प्लानिंग करने में उसकी भूमिका को लेकर सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से नजर रखे हुए थीं।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से दरोगा घायल

गाजियाबाद। संजयनगर रेलवे फ्लाईओवर के पास तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से वन विभाग में तैनात दरोगा गंभीर रूप से घायल हो गए। कविनगर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौतमबुद्धनगर के गांव खगौड़ा निवासी दीपक कुमार संजयनगर सेक्टर-23 स्थित वन विभाग कार्यालय में वन दरोगा के पद पर तैनात हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 27 जुलाई की शाम वह कार्यालय से अपनी बाइक से हर्ष विहार, दिल्ली स्थित अपने आवास पर जा रहे थे। संजयनगर रेलवे फ्लाईओवर के पास पहुंचते ही पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई हैं, जिसके कारण चलने-फिरने और बोलने में भी परेशानी हो रही है। उपचार के बाद उन्होंने कविनगर थाने में शिकायत की। एसीपी कविनगर सिद्धार्थ गौतम का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

प्लास्टिक कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण का अभियान शुरू

ट्रांस हिंडन। शहर में प्लास्टिक कचरे के वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को ड्रॉप (डेवलप रिस्पॉन्सिबल आउटलुक फॉर प्लास्टिक) के चौथे चरण का शुभारंभ हुआ। वसुंधरा स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में नगर निगम, इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) स्कूल प्रशासन और किआ इंडिया के सहयोग से कार्यक्रम हुआ। इस दौरान ड्रॉप कम्युनिटी बिन का अनावरण हुआ और प्लास्टिक कचरे के संग्रहण के लिए विशेष कलेक्शन वाहन को हरी झंडी दिखाई। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार ने बताया कि विशेष वाहन स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए स्कूलों से निकली प्लास्टिक व अन्य चीजों से बनाया है। यह चलेगा नहीं, बल्कि इसे सभी स्कूलों में रखा जाएगा। यह बच्चों में छोटी उम्र से ही कूड़े को अलग-अलग रखने का संस्कार देगा। साथ ही उनमें यह समझ भी विकसित होगी कि कूड़े को अलग-अलग इकट्ठा किया जाए तो यह कितना उपयोगी हो सकता है। आईपीसीए की उपनिदेशक डॉ. राधा गोयल ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य केवल प्लास्टिक कचरे का संग्रह करना नहीं, बल्कि लोगों को कचरा पृथक्करण, पुनर्चक्रण और जिम्मेदार निस्तारण के प्रति जागरूक बनाना भी है। वहीं किआ इंडिया के अतुल सूद ने कहा कि कंपनी पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। देश के 12 शहरों में चल रहे ड्रॉप में कंपनी की भागीदारी है। गाजियाबाद को अभियान से जोड़कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इसका विस्तार किया जा रहा है।

सुहाना, अलीशा, आफरीन ने जीती निबंध प्रतियोगिता

गाजियाबाद। विद्यालय स्तरीय स्वच्छता एवं पर्यावरण अभियान के अंतर्गत बीआरसी मुरादनगर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ब्लॉक स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में करीब 60 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कंपोजिट विद्यालय सुल्तानपुर की कक्षा आठ की सुहाना ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, आठवीं की अलिशा द्वितीय और सातवीं की आफरीन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार ने सुहाना को सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि अब जिलास्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन 31 जुलाई को बीआरसी मुरादनगर में किया जाएगा। उपेक्षा संत, गीता, रिचा, प्रमोद, अंजू, मनोरमा, राजीव शर्मा ने सुहाना को सुहाना के उज्जवल भविष्य की कामना की।

बच्चों के विवाद में परिवार पर हमला, तीन घायल

गाजियाबाद। विजयनगर थानाक्षेत्र की काशीराम आवास योजना, प्रताप विहार में बच्चों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। घटना में महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। काशीराम आवास योजना निवासी तरुण कश्यप ने बताया कि 24 जुलाई की रात करीब दस बजे बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर पड़ोसी देव चौहान, रमन, वंश और ममता उसके घर के सामने पहुंच गए। आरोप है कि चारों ने पहले उसकी पत्नी आरती और मां विमला देवी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों और मुक्कों से हमला कर दिया। हमले में वह, उसकी पत्नी और मां घायल हो गई। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय का कहना है कि मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

राज्य स्तरीय बालक खो-खो प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए नॉकआउट मुकाबले

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआईएससीई) की दो दिवसीय राज्य स्तरीय बालक खो-खो प्रतियोगिता का आगाज बुधवार को ग्रेटर नोएडा के सेक्टर अल्फा-1 स्थित सेंट जोसेफ स्कूल में हुआ। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 10 जोन के 300 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले दिन नॉकआउट के मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में गाजियाबाद (मेजबान), गोरखपुर, कानपुर उत्तर, कानपुर दक्षिण, लखनऊ उत्तर, लखनऊ दक्षिण, बरेली, आगरा, मेरठ और वाराणसी जोन की टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें खिलाड़ियों के साथ करीब 50 प्रशिक्षक और टीम अधिकारी भी मौजूद रहे। तीन आयु वर्गों अंडर-14 वर्ष से कम, 17 वर्ष से कम और 19 वर्ष से कम में खिलाड़ियों ने अपनी टीम को विजय बनाने में अहम भूमिका निभाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर जिप्सन पलाटी ने बताया कि पहले दिन नॉकआउट स्पर्धा में मुकाबले खेले गए। इसमें खिलाड़ियों के बीच कड़ी स्पर्धा देखने को मिली हैं। वहीं, दूसरे दिन बृहस्पतिवार को सेमीफाइनल व फाइनल में मुकाबले खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय महिला फुटबॉल खिलाड़ी तन्वी सिंह ने किया। विद्यालय के खेल अध्यापक मनीष तिवारी, त्रिमोहन कुमार, एकता खन्ना, संगीता राठी, सृजन कुमारी, आदि मौजूद रहे। वहीं, चंद्रमणि शर्मा, सन्नी कुमार, रितिका, तान्या, वंदना, रचित, कशिश, जय, अनिकेत आदि ऑफिशियल की भूमिका निभा रहे हैं। इन टीमों के हुए नॉकआउट मुकाबले : नॉकआउट मुकाबले में अंडर-14 कैटेगरी में गाजियाबाद ने वाराणसी, वाराणसी ने आगरा, कानपुर उत्तर ने लखनऊ दक्षिण, मेरठ ने लखनऊ उत्तर, वाराणसी ने प्रयागराज, कानपुर दक्षिण ने आगरा, गाजियाबाद ने प्रयागराज, कानपुर दक्षिण ने बरेली को पराजित किया।

देश से सैकड़ों करोड़ विदेश भेजने वाले चीनी नागरिक समेत तीन गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। नोएडा एसटीएफ ने फर्जी यानी शेल कंपनियों के माध्यम से देश से सैकड़ों करोड़ रुपये विदेश में भेजने वाले चीन के नागरिक और उसके सहयोगी एक सीए समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके द्वारा दस फर्जी कंपनियां बनाकर मनी लॉन्ड्रिंग की जा रही थी। नोएडा में अवैध रूप से रह रहे चीनी नागरिक ने मिजोरम के पते पर अपना भारतीय आधार कार्ड भी फर्जी तरीके से बनवा लिया था। इसके संबंध में एसटीएफ की ओर से केंद्रीय एजेंसियों को भी रिपोर्ट भेजी गई है। एसटीएफ के एएसपी आरके मिश्रा ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-83 स्थित संदिग्ध कंपनी वाईटीएल मैन्युफैक्चरिंग पीवीटी एलटीडी के संबंध में जानकारी

मिली थी, जिसे एक चीनी नागरिक लियो लॉन्गहुई द्वारा संचालित की जा रही थी। चार्टर्ड एकाउटेंट संजीव और कौशलेंद्र भी कंपनी चला रहे थे। एसटीएफ ने जब उनसे पूछताछ की और उनके ठिकानों की तलाशी ली तो इस पूरे गैंग का खुलासा हुआ। इसके बाद उनकी बुधवार देर रात में गिरफ्तारी की गई। उनके द्वारा बनाई गई दस फर्ज कंपनियों का अब तक खुलासा हो चुका है। इसमें दो कंपनी हांगकांग, दो दिल्ली और छह गौतमबुद्ध नगर के पते पर रजिस्टर्ड हैं और उनके माध्यम से 50 करोड़ से अधिक रुपये विदेश भेजे जा चुके हैं और अभी जांच जारी है। उनका मानना है कि वह सैकड़ों करोड़ रुपये अवैध तरीके से चीन भेज चुके हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पोषक तत्वों से तैयार रेडी टू ईट भोजन मिलना शुरू

गाजियाबाद। जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों के लिए रेडी-टू-ईट पोषाहार का वितरण शुरू हो गया है। लंबे समय के इंतजार के बाद शुरू हुई इस व्यवस्था से केंद्रों पर पंजीकृत बच्चों के साथ-साथ घरों में रहने वाले छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों को भी पौष्टिक भोजन मुहैया कराया जा रहा है। यह आहार पोषक तत्वों से भरपूर है। इस भोजन से बच्चों में कुपोषण की समस्या दूर हो सकेगी। बच्चों को पौष्टिक भोजन मिल सके इसके लिए अब आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को रेडी-टू-ईट खाना उपलब्ध होगा। इस भोजन में प्रोटीन, आयरन, विटामिन से लेकर अन्य पर्दाथ शामिल हैं। अब आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाना शुरू हो गए हैं। इनमें बेसन का हलवा, आटे का हलवा समेत अन्य पोषक तत्वों से तैयार रेडी-टू-ईट खाद्य सामग्री शामिल है। इन व्यंजनों को इस प्रकार तैयार किया गया है कि बच्चों को आवश्यक प्रोटीन, ऊर्जा और अन्य पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मिल सकें। विभाग का मानना है कि नियमित रूप से इस प्रकार का पोषण मिलने से बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। बाल विकास एवं पुष्टाहार अधिकारी विनिता चंद्रा ने बताया कि केंद्रों पर आने वाले बच्चों के अलावा उन परिवारों तक भी पोषाहार पहुंचाया जाना शुरू हो गया है, जिनके छोटे बच्चे नियमित रूप से केंद्र नहीं आ पाते। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निर्धारित सूची के अनुसार लाभार्थियों को खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रही हैं, ताकि कोई भी पात्र बच्चा पोषण से वंचित न रहे। विशेष रूप से कुपोषित और अति कुपोषित बच्चों को ध्यान में रखकर इस पोषाहार का वितरण किया जा रहा है। ऐसे बच्चों की नियमित निगरानी भी की जा रही है और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकताओं को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे पोषाहार वितरण के साथ अभिभावकों को संतुलित आहार, स्वच्छता और बच्चों की देखभाल के प्रति जागरूक करें। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि वितरित की गई खाद्य सामग्री का उपयोग सही तरीके से बच्चों के भोजन में किया जाए।

ग्रेटर नोएडा में विवाहिता की संदिग्ध मौत

पति समेत 3 पर दहेज हत्या का केस, परिजनों ने लगाए हत्या के आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के कासना कोतवाली क्षेत्र के घंघौला गांव में सोमवार रात एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में महिला के पति, देवर और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद के जावली गांव की रहने वाली दो सगी बहनें तनु और तनीषा की शादी 6 दिसंबर 2020 को घंघौला गांव निवासी अमित व सुमित से हुई थी। दोनों बहनों के दो-दो बच्चे भी हैं। मृतका तनु के भाई तनीश कसाना ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर दोनों बहनों को प्रताड़ित कर रहे थे। उनका आरोप है कि आरोपी पहले ब्रेजा और अब स्कॉर्पियो की मांग

कर रहे थे, और यह मांग लगातार बढ़ती जा रही थी। सोमवार रात तनु की घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव ऊपर के कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। परिजनों का आरोप है कि जब वे मौके पर पहुंचे तो ससुराल पक्ष के लोग वहां से भाग गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि तनु के शरीर पर मारपीट और चोट के निशान थे। इस घटना के विरोध में मंगलवार दोपहर को मायके पक्ष के लोग कासना कोतवाली पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। पुलिस ने उन्हें आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी रवि शंकर निम ने बताया कि महिला ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या की है। परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपी पति अमित, देवर सुमित और सास कृष्ण के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में 15वां कांवड़ सेवा शिविर: 1000 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था

नोएडा के सेक्टर-14 में श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर समिति की ओर से भव्य कांवड़ सेवा शिविर की तैयारियां की जा रही हैं। करीब 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। 2 अगस्त तक सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएंगी और 3 अगस्त से श्रद्धालुओं को सेवा मिलने लगेगी। समिति की ओर से यह लगातार 15वां कांवड़ सेवा शिविर लगाया जा रहा है। इस बार करीब 1000 से अधिक कांवड़ियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को सात्विक भोजन, चिकित्सा सुविधा और विश्राम की पूरी व्यवस्था मिलेगी। उनकी सेवा के लिए बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों (वॉलंटियर) को भी तैनात किया जाएगा। वाटरप्रूफ टेंट, मेडिकल कैंप और सुरक्षा के विशेष इंतजाम शिविर में इस बार पूरी तरह वाटरप्रूफ टेंट लगाया गया है ताकि बारिश के दौरान भी श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मेडिकल टीम के लिए अलग कैंप बनाया गया है। शिविर तक आने वाली सड़क का कार्य पूरा कर लिया गया है। वहीं बिजली के पोलों पर काली पन्नी लगाई गई है, जिससे करंट फैलने जैसी किसी भी आशंका को रोका जा सके। शिविर की व्यवस्थाओं की निगरानी पुलिस, नोएडा प्राधिकरण, जिला प्रशासन और समिति के पदाधिकारी मिलकर कर रहे हैं। समिति के अध्यक्ष मान सिंह ने बताया कि प्रतिदिन 5000 से अधिक कांवड़ियों के शिविर में पहुंचने की संभावना है। इनमें दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब से आने वाले श्रद्धालु प्रमुख होंगे। बढ़ती संख्या को देखते हुए इस बार सेवादारों की संख्या भी पहले से अधिक रखी गई है, ताकि हर श्रद्धालु को बेहतर सुविधा मिल सके। हर दिन बदलेगा भोजन का मेन्यू समिति के सचिव राजीव कुमार मिश्रा ने बताया- श्रद्धालुओं को पौष्टिक और सात्विक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। पूड़ी की जगह रोटी परोसी जाएगी और प्रतिदिन अलग-अलग प्रकार की सब्जी बनाई जाएगी। एकादशी के दिन विशेष रूप से हलवा प्रसाद दिया जाएगा।

कंपनी के लिए किराए पर दिए भवन को दोबारा किराए पर देने का आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। कंपनी के भवन को किराये पर देना बुजुर्ग को भारी पड़ गया। किरायेदार ने फर्जी किरायानामा तैयार कर बिना अनुमति के भवन के कुछ हिस्से को अन्य लोगों को किराये पर दे दिया। यही नहीं, बैंक से 4.5 करोड़ का ऋण भी ले लिया। पीड़ित को 50 लाख रुपये किराया भी नहीं दिया। फेज-2 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के पंजाबी बाग निवासी बुजुर्ग संजीव शाही ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-80 स्थित एक औद्योगिक संपत्ति के मालिक हैं। आरोपी नीलम सिंह एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की निदेशक हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने अपने भूखंड को दिसंबर 2022 में नीलम सिंह को किराये पर दिया था। इसके संबंध में एक रजिस्टर्ड लीज डीड भी बनाई गई थी। डीड के मुताबिक, उनकी लिखित सहमति के बिना किसी भी तरह की सबलेटिंग या ट्रांसफर पर साफ तौर पर रोक लगाई गई थी। शिकायतकर्ता ने दूसरी मंजिल पर एक हजार वर्ग फीट जगह और छत के अधिकार अपने पास रखे थे। साथ ही निरीक्षण का पूरा अधिकार भी उनके पास था। बाद में आरोपी ने शिकायतकर्ता की पत्नी और प्रतिनिधियों को उस जगह घुसने से रोका और उन्हें धमकाया, जिससे गैर-कानूनी गतिविधियों का शक पैदा हुआ। जांच करने पर दिसंबर 2025 में पता चला कि आरोपी ने उनकी सहमति के बिना फर्जी हस्ताक्षर करके 15 अप्रैल 2024 को एक किरायानामा तैयार करा लिया था। इस फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल करके आरोपी ने उनकी संपत्ति के कुछ हिस्से को अवैध तरीके से सबलेट कर दिया। इस फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल आरओसी कानपुर में कंपनियों को रजिस्टर करने और प्रॉपर्टी को अपना बिजनेस एड्रेस बताकर जीएसटी रजिस्ट्रेशन लेने के लिए भी किया गया। आरोपियों ने एचडीएफसी बैंक से लगभग 4.5 करोड़ रुपये का ऋण भी लिया। चोलमंडलम इन्वेस्टमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से 30,03,407 रुपये का ऋण ले लिया। आरोपी ने 21 दिसंबर 2022 के किरायानामा के अनुसार जून 2025 से किराया और अन्य शुल्क का भुगतान नहीं किया है, जिससे शिकायतकर्ता को लगभग 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

ग्रेटर नोएडा में 3 दिन से महिला लापता, गुमशुदगी दज

ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे से 32 वर्षीय महिला 27 जुलाई की दोपहर 1 बजे से से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। उसके पति ने दनकौर कोतवाली में बुधवार की शाम 4 बजे गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने महिला की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में अश्वनी ने बताया कि उनकी पत्नी रश्मि 27 जुलाई को घर से अचानक कहीं चली गई थी। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद उन्होंने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। पीड़ित पति ने बताया कि उनके दो छोटे बच्चे हैं और मां के अचानक लापता होने से पूरा परिवार चिंता में है। पुलिस ने पति की शिकायत के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर महिला की तलाश तेज कर दी है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संभावित स्थानों पर भी जानकारी जुटाई जा रही है कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है।

नोएडा में दोपहर बाद बारिश, 31°C पारा: उमस से लोग परेशान

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा में मंगलवार की बारिश के बाद बुधवार सुबह मौसम बदला हुआ नजर आया। सुबह से आंशिक बादल छाए रहे और हल्की धूप निकली। दोपहर बाद कुछ एक स्थानों पर बारिश हुई। पूरे शहर में बारिश नहीं होने से लोगों को तेज उमस का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि आईएमडी का अलर्ट था की दोपहर बाद तेज बारिश होगी। ऐसे में सेक्टर-14, सेक्टर-14ए और उसके आसपास तेज बारिश हुई। लेकिन शहरी इलाकों में बारिश नहीं के बराबर हुई। इससे लोगों को शहर में होने वाले जलभराव से राहत मिली। आईएमडी के अनुसार, वातावरण में नमी 90 प्रतिशत दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, 30 जुलाई से 2 अगस्त

तक हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है, जबकि 3 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, जिले में बादलों का प्रभाव बना हुआ है और वातावरण में नमी 90 प्रतिशत है। यही वजह है कि तापमान सामान्य रहने के बावजूद लोगों को उमस का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को हुई बारिश के बाद शहर की अधिकांश सड़कों से पानी उतर गया, लेकिन कई इलाकों में कीचड़ की समस्या बनी हुई है। बरौला, सरफाबाद समेत कई स्थानों पर नगर निगम की टीमें सफाई अभियान चला रही हैं। नालों की सफाई भी तेज संभावित बारिश को देखते हुए नालों की सफाई का काम भी तेज कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जलभराव की स्थिति से बचने के लिए संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

नोएडा में निवेश के नाम पर 59 लाख की ठगी: वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा

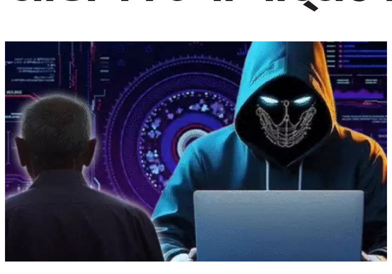

सेक्टर-76 जेएम ऑर्किड सोसायटी में रहने वाले एक 65 साल के बुजुर्ग को ट्रेडिंग कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर साइबर शातिरों ने 59 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित को एक नामी शेयर ट्रेडिंग कंपनी के फर्जी ग्रुप में शामिल किया गया। आरोपी खुद को सेबी से रजिस्टर्ड होने का दावा किए। झांसे में आए पीड़ित ने दस से अधिक किस्तों में ठगों के खाते में रुपये भेज दिए। मुनाफे की रकम निकालने की कोशिश तो ठग संपर्क तोड़ लिए। मामले में साइबर थाना पुलिस तहरीर लेकर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अनजान नंबर से आया मैसेज पीड़ित ने पुलिस को बताया कि वह प्राइवेट कंपनी से रिटायर कर्मचारी हैं। इसी साल जनवरी महीने में उन्हें एक अनजान नंबर से मैसेज आया। बातचीत होने के बाद पीड़ित को एमएस फार्ले नाम की कथित स्टॉक ब्रोकर फर्म के प्रतिनिधियों ने संपर्क कराया गया। भारत में कंपनी का प्रतिनिधि बताकर माइकल कॉलिन्स और जतिन शर्मा ने खुद को सेबी से पंजीकृत बताया और घर बैठे ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिए अधिक मुनाफा कमाने का लालच दिया। एनसीआरपी पोर्टल पर की शिकायत पीड़ित को एक ऐप पर रजिस्ट्रेशन कराने के बाद शुरूआत में निवेश पर लाभ दिखाया।

नोएडा में पुलिस से बचकर सोसाइटी में घुसा चोर: सुरक्षाकर्मियों ने घेराबंदी कर पकड़ा

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा में मंगलवार शाम एक चोरी के मामले में वांछित आरोपी अलीगढ़ पुलिस को चकमा देकर एक सोसाइटी में घुस गया। पूर्वांचल रॉयल सिटी सोसाइटी के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा और उसे दोबारा पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी नरेंद्र अलीगढ़ का निवासी है और चोरी के एक मामले में वांछित था। अलीगढ़ पुलिस को उसकी लोकेशन ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-1 थाना क्षेत्र में मिली थी। जब पुलिस ने उसे घेरने की कोशिश की, तो वह भागकर चूहरपुर स्थित पूर्वांचल रॉयल सोसाइटी में घुस गया। अलीगढ़ पुलिस ने सोसाइटी के गेट पर खड़े सुरक्षाकर्मियों को सतर्क किया।

इसके बाद सुरक्षा गार्डों और पुलिस ने मिलकर सोसाइटी के भीतर भाग रहे चोर को दबोच लिया। इस दौरान सोसाइटी में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एक निवासी ने अपने फ्लैट से इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया। जानकारी के मुताबिक, आरोपी सोसाइटी में डिलीवरी बॉय का काम कर रहा था और घटना के समय डिलीवरी प्वाइंट पर मौजूद था। अलीगढ़ पुलिस आरोपी नरेंद्र को पकड़कर अपने साथ ले गई।

नोएडा में नाले में कूदे पति-पत्नी: लोगों ने रस्सी के सहारे दोनों को बाहर निकाला, आपस में हुआ था विवाद

नोएडा में मंगलवार दोपहर बाद पति-पत्नी के नाले में कूद गए। बरौला के पास नाले में पानी कम और गाद ज्यादा होने के कारण दोनों डूबे नहीं। मौके पर मौजूद लोगों ने रस्सी की मदद से दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। घटना का 27 सेकेंड का वीडियो बुधवार को सामने आया है। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों को समझाया, जिसके बाद वे अपने घर चले गए। मामले में किसी भी पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं दी गई है। रस्सी के सहारे लोगों ने किया रेस्क्यू सामने आए 27 सेकेंड के वीडियो में कुछ लोग रस्सी और पटरे की मदद से अस्थायी सहारा बनाकर नाले में फंसी महिला को बाहर निकालते दिखाई दे रहे हैं। महिला उस सहारे पर खड़ी है और बाहर मौजूद लोग उसे ऊपर की ओर खींच रहे हैं। इस दौरान उसका पति नीचे नाले में खड़ा होकर महिला की मदद करता नजर आता है। महिला के बाहर आने के बाद लोगों ने पति को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आपसी विवाद के बाद नाले में कूदे थे पुलिस के मुताबिक, पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद दोनों बरौला के पास नाले में कूद गए। नाले में पानी कम और गाद ज्यादा होने की वजह से दोनों डूबे नहीं। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया पुलिस ने समझाकर घर भेजा सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों से बातचीत की। समझाने के बाद पति-पत्नी अपने घर चले गए। पुलिस ने बताया कि मामले में किसी भी पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है।

दूसरे की पॉलिसी पर ऋण लेकर साढ़े तीन लाख हड़पे

ट्रांस हिंडन। जालसाज ने एक जैसे नाम का फायदा उठाकर दूसरे व्यक्ति की पॉलिसी पर ऋण लेकर साढ़े तीन लाख रुपये हड़प लिए। किस्त का भुगतान न होने पर मूल पॉलिसी धारक को नोटिस मिला तो फजीर्वाड़े का पता चला। बीमा कंपनी की याचिका पर कोर्ट के आदेश के बाद मुकदमा दर्ज हुआ है। एलआईसी की राजेंद्रनगर शाखा में तैनात वरिष्ठ शाखा प्रबंधक ने कोर्ट में याचिका डाली थी। उनके मुताबिक दिल्ली निवासी दिनेश शर्मा पुत्र बाल कृष्ण शर्मा ने साल 2004 में एलआईसी की पांच लाख रुपये की जीवन आनंद पॉलिसी ली थी। आरोप है कि मैनपुरी निवासी दिनेश शर्मा ने एक समान नाम होने का फायदा उठाते हुए फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज तैयार कराए और मार्च 2018 में पॉलिसी को करोलबाग शाखा से राजेंद्रनगर शाखा में स्थानांतरित कराकर 3.92 लाख रुपये का लोन ले लिया। किस्त जमा न करने पर अप्रैल 2019 में वास्तविक पॉलिसीधारक को कंपनी ने नोटिस भेजा। उन्होंने बीमा लोकपाल से शिकायत की। इसके बाद कंपनी ने जांच की तो पॉलिसी स्थानांतरण के लिए दिए गए सभी दस्तावेज और पते फर्जी पाए गए। आरोपी ने कुछ किस्तों का खुद ही भुगतान किया था। जांच में पता चला कि आरोपी दिनेश शर्मा मैनपुरी का मूलनिवासी है और उसके पिता का नाम सत्यनाराण शर्मा है। वह दिल्ली में भी रहता था। फजीर्वाड़े का पता चलने पर कंपनी ने पुलिस को शिकायत दी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

निजी अस्पतालों को एक स्थायी फोन नंबर देना होगा

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। जिले के सभी निजी अस्पतालों को एक स्थायी संपर्क फोन नंबर स्वास्थ्य विभाग को देना होगा, ताकि स्वास्थ्य विभाग से संबंधित कार्यों के लिए संपर्क किया जा सके। यह नंबर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों से संबंधित कार्यों के लिए शासन के पास भी उपलब्ध रहेगा। निजी अस्पतालों को जन्म-मृत्यु पंजीकरण, अस्पताल पंजीकरण, संचारी और गैर संचारी से संबंधित बीमारियों की जानकारी समेत कई स्वास्थ्य कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी स्वास्थ्य विभाग को देनी होती है, जिसके लिए निजी अस्पताल अलग-अलग नंबर मुहैया कराते हैं। इन मोबाइल नंबरों की जानकारी प्रदेश सरकार से जुड़े स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के पास होती है, ताकि जरूरत पड़ने पर ऑनलाइन बैठक में सभी निजी अस्पताल, नर्सिंग होम सहित अन्य निजी चिकित्सकीय संस्थानों के प्रतिनिधियों को जोड़कर शासन की जानकारी दी जा सके। वहीं, जन्म और मृत्यु प्रमाण पंजीकरण के लिए निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों के नंबर पोर्टल पर भी दर्ज होते हैं। कई बार ऐसे डॉक्टर या निजी अस्पताल का प्रतिनिधियों के दूसरे अस्पताल में जाने या या नौकरी छोड़ने की स्थिति में परेशानी आती है, क्योंकि इनके नंबर शासन के साथ ही कई पोर्टल पर भी अपलोड होते हैं। जिसे बाद में हटाने में जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर पर कई प्रक्रिया करनी पड़ती है। इस स्थिति में स्वास्थ्य कार्यक्रमों के डाटा सहित अन्य जानकारियां उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। दोबारा नंबर दर्ज कराने में भी दिक्कत आती है।

टी20 में वैभव ने लगाई 230 स्थानों की छलांग, शुभमन वनडे में फिर बने नंबर-1

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आईसीसी की ताजा वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में फिर से दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर वापसी की। मिचेल इस साल जनवरी से नंबर-एक पर काबिज थे, लेकिन हालिया वेस्टइंडीज-न्यूजीलैंड सीरीज में नहीं खेलने का फायदा गिल को मिला।

वहीं, महज 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। वैभव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज में दो अर्धशतक लगाए और 50.33 की औसत से 151 रन बनाए। भारत ने यह सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी। उन्होंने 230 स्थान की छलांग लगाते हुए 48वां पायदान हासिल कर लिया। उनकी इस तेजी से हुई प्रगति ने भारतीय क्रिकेट में उनके उज्ज्वल भविष्य की उम्मीदें को और मजबूत कर दी हैं।

टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत के ईशान किशन 910 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर कायम हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 के बाद उनका करियर सर्वश्रेष्ठ रेटिंग 916 तक पहुंचा था, जो टी20 इतिहास की तीसरी सबसे ऊंची बल्लेबाजी रेटिंग है। इस मामले में उनसे आगे केवल अभिषेक शर्मा (931) और डेविड मलान (919) रहे हैं।

दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (848) हैं। वहीं तिलक वर्मा दो स्थान की छलांग लगाकर छठे और टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर सात स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर पहुंच गए। टी20 बल्लेबाजों में शीर्ष-10 में भारत के तीन खिलाड़ी मौजूद हैं। ईशान के अलावा अभिषेक शर्मा तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। वहीं, तिलक छठे स्थान पर मौजूद हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव

भारतीय लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने 31 स्थान की बड़ी छलांग लगाते हुए टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 41वां स्थान हासिल किया। दूसरी ओर, चोट के कारण जिम्बाब्वे दौरे से बाहर रहे वरुण चक्रवर्ती तीन स्थान नीचे खिसक गए, लेकिन वह अब भी शीर्ष-10 गेंदबाजों में शामिल हैं। जिम्बाब्वे के रायन बर्ल बल्लेबाजों की रैंकिंग में छह स्थान ऊपर चढ़कर 85वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी गेंदबाजों की सूची में 10 स्थान की छलांग लगाकर 26वें स्थान पर पहुंच गए।

टेस्ट रैंकिंग में ग्रीव्स और सील्स को फायदा

वेस्टइंडीज के जस्टिन ग्रीव्स को पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला। उन्होंने तारूबा टेस्ट में लगातार पांच मेडन विकेट लेकर वेस्टइंडीज को 90 रन से जीत दिलाई और टीम ने सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली। इस प्रदर्शन के बाद ग्रीव्स टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में 21 स्थान ऊपर चढ़कर 48वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में वह नौवें स्थान पर हैं।

उनके साथी तेज गेंदबाज जेडन सील्स 24वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास, जिन्होंने मैच में पांच विकेट लिए थे, 17वें स्थान पर पहुंच गए। दूसरी पारी में नाबाद अर्धशतक लगाने वाले बाबर आजम बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में 15वें स्थान पर पहुंच गए।

मुक्केबाजी में पक्के किए तीन पदक, प्रीति और प्रिया के बाद जादूमणि भी सेमीफाइनल में

ग्लास्गो (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजों ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रीति और प्रिया के बाद जादूमणि सिंह ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही इन्होंने पदक पक्के कर लिए हैं। वहीं, परवीन महिला 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। भारत को मुक्केबाजी में ज्यादा से ज्यादा पदक लाने की उम्मीद है और भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा है।

प्रीति सर्वसम्मत फैसले में जीतीं

मुक्केबाज प्रीति पवार ने राष्ट्रमंडल खेलों में पदक पक्का कर लिया। प्रीति ने महिला 54 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में आयरलैंड की निकोल क्लाइड को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। प्रीति ने इसके साथ ही कम से कम कांस्य पक्का कर लिया है। हालांकि, उनकी नजरें स्वर्ण पदक की होंगी। सेमीफाइनल जीतने पर प्रीति स्वर्ण पदक के लिए भिड़ेंगी। प्रीति ने क्वार्टर फाइनल में तीनों राउंड में दमदार प्रदर्शन किया और अपने पंच से विरोधी खिलाड़ी को पस्त कर दिया। तीनों ही राउंड में सभी जजों ने प्रीति के पक्ष में ही फैसला सुनाया और अंततः वह पदक सुनिश्चित करने में सफल रहीं।

प्रिया की दमदार वापसी

भारतीय महिला मुक्केबाज प्रिया ने सेमीफाइनल में जगह बनाने के साथ मुक्केबाजी में भारत के लिए एक और पदक पक्का कर लिया। प्रिया ने महिला 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में स्कॉटलैंड की नियामह मिचेल को खंडित फैसले में 4-1 से हराया। प्रिया मिचेल के खिलाफ पहले राउंड में पिछड़ गई थीं, लेकिन उन्होंने दूसरे राउंड में दमदार वापसी की और मैच का रुख पलट दिया। तीसरे राउंड में भी प्रिया हावी रहीं।

परवीन खंडित फैसले में हारीं

भारतीय मुक्केबाज परवीन को क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। परवीन को महिला 65 किग्रा में इंग्लैंड की साचा हिकी ने खंडित फैसले में 3-2 से हराया। परवीन अगर ये मुकाबला जीत लेतीं तो भारत के लिए पदक पक्का कर लेतीं।

जादूमणि सिंह का पदक पक्का

भारतीय मुक्केबाज जादूमणि सिंह ने 5-0 से शानदार जीत दर्ज की है। जादूमणि ने पुरुष 55 किग्रा में जांबिया के खिलाड़ी मवेंगो मवाले को सर्वसम्मत फैसले में हराया। इस तरह जादूमणि ने भी पदक पक्का कर लिया है।

मनु भाकर कांस्य जीतकर भी पूरी तरह खुश नहीं हैं, खुद किया खुलासा

हांगझोउ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने हांगझोउ में हाल ही में समाप्त हुए आईएसएसएफ विश्व कप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बावजूद कहा कि उनके मन में इस प्रदर्शन को लेकर मिली-जुली भावनाएं हैं। इस स्पर्धा में भारत की ईशा सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर देश के लिए शानदार सफलता हासिल की।

मनु अब भी 2026 में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश में हैं। इससे पहले उन्होंने म्यूनिख विश्व कप में सम्राट राणा के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था, जबकि एशियाई चैंपियनशिप में भी टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

'मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी'

विश्व कप में कांस्य पदक जीतने के बाद मनु भाकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा, 'एक और कांस्य पदक। इस पदक को लेकर मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रदर्शन में सुधार कर पाई, लेकिन साथ ही मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात से होती है कि मेरी मेहनत रंग ला रही है। सुधार की अभी भी बहुत गुंजाइश है और यही बात मुझे प्रेरित करती है। एक-एक कदम आगे बढ़ना है।'

मनु का यह बयान साफ करता है कि उनके लिए पदक जीतना ही अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि वह लगातार अपने प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने पर फोकस कर रही हैं।

10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीत गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

ग्लासगो। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के छठे दिन भारत के स्टार धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुलवीर ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स की इस स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं। 27 मिनट 49.78 सेकंड में पूरा किया ऐतिहासिक सफर 27 वर्षीय गुलवीर सिंह ने ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार और धैर्य का परिचय देते हुए 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकाला और दूसरा स्थान हासिल किया।

● **गोल्ड मेडल :** ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। ● **सिल्वर मेडल :** भारत के गुलवीर सिंह (27 :49.78) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। ● **कांस्य पदक :** डेविड मुलार्की ने कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि लंबी दूरी की दौड़ में पारंपरिक रूप से दबदबा रखने वाले कीनिया और युगांडा के दिग्गज धावक इस बार पोडियम (शीर्ष तीन) में जगह बनाने में नाकाम रहे।

ज्ञानेश्वरी की कहानी: गरीबी के बीच रह कर पूरा किया पिता का सपना

नई दिल्ली। एक प्रसिद्ध कहावत है, 'जिसमें कुछ करने का जुनून होता है वह किसी भी परिस्थिति में अपनी राह बना लेता है।' इसी कहावत को सच कर दिखाया है भारतीय वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने। परिवार की आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, कोरोना जैसी महामारी और कई तमाम तरह की परेशानियों का सामना करते हुए ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने सपने को साकार किया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने सोमवार (27 जुलाई) को राष्ट्रमंडल खेलों में 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता और अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक यादव बिजली मिस्त्री हैं, जिन्होंने कभी बॉडी बिल्डर बनने का सपना देखा था लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका सपना अधूरा रह गया। अपनी बेटी के जन्म के साथ ही दीपक ने यह निश्चय कर लिया था कि वह अपनी बेटी को एक स्पोर्ट्सपर्सन ही बनाएंगे। 13 साल की ज्ञानेश्वरी को उनके पिता दीपक ने पहली बार पॉवर लिफ्टिंग से परिचय कराया। ज्ञानेश्वरी के प्रतिभा को देखते हुए दीपक उनको वेटलिफ्टिंग कोच अजय लोहार विश्वकर्मा के पास ले गए, जो इस युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को देखकर तुरंत प्रभावित हो गए।

कम संसाधनों में की कड़ी मेहनत– कोच लोहार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया,'ड्राई लिफ्टिंग के पहले दिन ही उन्होंने 15 किलोग्राम के लकड़ी के तख्ते को आसानी से उठा लिया। मुझे उस एहसास हो गया कि वह एक अच्छी वेटलिफ्टर बनेंगी। उनमें संतुलन और शारीरिक ताकत शुरू से ही अच्छी थी। इसलिए उन्होंने खेल की बुनियाद को जल्दी सीख लिया। वेटलिफ्टिंग के सफर की शुरुआत के साथ ही ज्ञानेश्वरी को संसाधनों की कमी से जुझना पड़ा।

ज्ञानेश्वरी के पिता ने कहा, ज्ञानेश्वरी भीषण गर्मी में बिना पंखे वाले हॉल में अभ्यास किया करती थीं। ज्ञानेश्वरी यादव ने एक दिन के लिए भी अपने अभ्यास में कमी नहीं की। कोरोना महामारी के दौरान जब सब कुछ ठप हो चुका था, ऐसे समय में भी ज्ञानेश्वरी ने बिना संसाधनों के ही अपने अभ्यास को जारी रखा। छह महीने से अधिक तक जिम बंद रहने की वजह से ज्ञानेश्वरी ने घर को ही प्रशिक्षण स्थल बना लिया। पिता दीपक ने सीमेंट की पट्टियां बनाई और गैस सिलेंडर का इंतजाम किया ताकि वह बिना किसी रुकावट के प्रशिक्षण कर सके।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक ने बताया, 'ज्ञानेश्वरी के जन्म के साथ ही मैंने और उसकी मां दुर्गा ने यह फैसला ले लिया था कि हम उसे खिलाड़ी बनाएंगे। जब उसने रजत पदक जीता तो मुझे खुद को पोडियम पर देखने का मौका मिला। वह 14 साल की उम्र में भी आसानी से बेंच प्रेस कर लिया करती थी। चाहे बारिश हो या गर्मी उसने अभ्यास कभी नहीं छोड़ा। जहां वह प्रशिक्षण करती थी वहां पंखा भी नहीं था।

चारा काटते-काटते मजबूत हुए हरजिंदर कौर के हाथ, अब दिलाया रजत

ग्लास्गो। गले में कॉमनवेल्थ गेम्स का रजत पदक... चेहरे पर सुकून भरी मुस्कान... और आंखों में उन वर्षों के संघर्ष की चमक, जिन्हें शायद सिर्फ हरजिंदर कौर ही महसूस कर सकती हैं। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जब हरजिंदर ने 69 किलोग्राम वर्ग में 227 किलोग्राम (101 किग्रा स्नैच और 126 किग्रा क्लीन एंड जर्क) वजन उठाकर रजत पदक जीता, तब दुनिया ने एक चैंपियन देखा, लेकिन इस चमकदार पल के पीछे मिट्टी से सनी हथेलियां, खेतों की मेहनत और गरीबी से भरा बचपन छिपा था। आइए हरजिंदर की भावुक कर देने वाली कहानी जानते हैं...

जहां सपनों से पहले जिम्मेदारियां थीं

14 अक्तूबर 1996 को पंजाब के नाभा के पास मेहस गांव में जन्मी हरजिंदर एक साधारण किसान परिवार से हैं। पिता साहिब सिंह परिवार के इकलौते कमाने वाले थे। घर की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि खेलों पर खुलकर खर्च किया जा सके। स्कूल से लौटने के बाद हरजिंदर का समय मैदान में नहीं, बल्कि खेतों में बीतता था। वह पिता के साथ खेती का काम करतीं और भैंसों के लिए चारा काटतीं। गांव में 'टोका' नाम की हाथ से चलने वाली मशीन से चारा काटना आसान काम नहीं था। भारी लोहे के पहिए को लगातार घुमाने में काफी ताकत लगती थी। उन्हें तब नहीं पता था कि यही मेहनत एक दिन उनकी सबसे बड़ी ताकत बन जाएगी।

लेकिन किस्मत में था वेटलिफ्टिंग

हरजिंदर को बचपन से कबड्डी बेहद पसंद थी। वह कई किलोमीटर साइकिल चलाकर अभ्यास के लिए जाती थीं। कॉलेज पहुंचीं तो कबड्डी खेलीं, फिर रस्साकशी (टग ऑफ वॉर) में भी हिस्सा लेने लगीं। यहीं उनकी ताकत पर पंजाब के पूर्व राष्ट्रमंडल चैंपियन और कोच परमजीत शर्मा की नजर पड़ी। उन्होंने हरजिंदर से कहा कि अगर वह वेटलिफ्टिंग अपनाएं तो अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकती हैं। शुरुआत में हरजिंदर तैयार नहीं थीं। उन्हें यह खेल पसंद भी नहीं था, लेकिन कोच ने हार नहीं मानी। आखिरकार 2016 में उन्होंने वेटलिफ्टिंग शुरू की और यहीं से उनकी जिंदगी बदल गई।

जब जेब में सिर्फ 700 रुपये होते थे

खेल की राह आसान नहीं थी। घर से मिलने वाले पैसे इतने कम होते थे कि कई बार उन्हें खर्च सोच-समझकर करना पड़ता था। हरजिंदर ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'मेरे पिता मुझे नाभा से कॉलेज हॉस्टल आने-जाने के लिए 350 रुपये और 350 रुपये जेब खर्च के लिए देते थे। मुझे उनसे ज्यादा पैसे मांगने में शर्म आती थी।' परिवार ने कई बार कर्ज लेकर भी उनका साथ दिया। जब कोरोना महामारी के दौरान ट्रेनिंग सेंटर बंद हो गए, तब कोच परमजीत शर्मा ने उन्हें अपने घर में रखा ताकि अभ्यास न रुके। यही भरोसा आगे चलकर भारत के लिए पदकों में बदल गया।

चारा काटने से बनी मजबूत भुजाएं

हरजिंदर अक्सर अपनी सफलता का श्रेय खेतों की मेहनत को देती हैं। उन्होंने कहा था, 'अगर मैं पदक जीतूंगी तो कहूंगी कि टोका पर चारा काटने से मेरी भुजाएं मजबूत हुईं और उसी ने मुझे वेटलिफ्टिंग में मदद की।' शायद यही वजह है कि उनकी ताकत सिर्फ जिम में नहीं, बल्कि खेतों की मिट्टी में तैयार हुई थी।बर्मिंघम 2022 में हरजिंदर ने 71 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों के पोडियम पर जगह बनाई थी। चार साल बाद ग्लासगो में उन्होंने खुद को और बेहतर साबित किया। उन्होंने स्नैच में पहले 99 किलोग्राम और फिर 101 किलोग्राम वजन उठाकर दो बार गेम्स रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में 123 और फिर 126 किलोग्राम उठाकर कुल 227 किलोग्राम के साथ करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। हालांकि कनाडा की चार्लोट सिमोनो ने 240 किलोग्राम के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता, लेकिन हरजिंदर का रजत किसी स्वर्ण से कम नहीं था।आज हरजिंदर सिर्फ एक पदक विजेता नहीं हैं। वह उन लाखों बेटियों की उम्मीद हैं, जो छोटे गांवों से बड़े सपने देखती हैं। वह बताती हैं कि हालात चाहे कितने भी मुश्किल क्यों न हों, अगर मेहनत और धैर्य साथ हो तो मंजिल जरूर मिलती है।

पीएम मोदी ने गुरु पूर्णिमा की बधाई दी, लिखा- गुरु ज्ञान के साथ ही सुसंस्कारों से सुशिक्षित करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बुधवार को सुभाषित शेयर किया है। उन्होंने देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'गुरु पूर्णिमा की सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। गुरु ज्ञान के साथ ही अपने शिष्यों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर उन्हें सुविचार और सुसंस्कारों से सुशिक्षित करते हैं। आइए, उनके आदर्शों को अपने जीवन का संबल बनाएं।' पीएम की ओर से सोशल मीडिया पर एक श्लोक, 'प्रेरकः सूचकश्चैव वाचको दर्शकस्तथा। शिक्षकः बोधकश्चैव षडेते गुरवः स्मृताः॥' भी साझा किया गया है। जिसका हिंदी अर्थ है कि जो जीवन में प्रेरणा का संचार करे, सही दिशा का संकेत दे, ज्ञान और सत्य का उपदेश करे, उचित मार्ग दिखाए, शिक्षा प्रदान करे तथा जीवन में सत्य का बोध कराकर आत्मविकास का मार्ग प्रशस्त करे, ये गुरु के छह स्वरूप बताए गए हैं।

बीते दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा गया था, 'प्रकृति के संरक्षण और सम्मान में ही मानवता का कल्याण निहित है। हमारी परंपरा भी हमें इसी धर्मसम्मत आचरण की प्रेरणा देती है।' उन्होंने संस्कृत श्लोक, 'लोकपालाश्च ते सर्वे वासवप्रमुखास्तथा। ऋतवः षट् च ते सर्वे मासाः संवत्सराः क्षपाः॥ दिनानि च मुहूर्ताश्च स्वस्ति कुर्वन्तु ते सदा। श्रुतिः स्मृतिश्च धर्मश्च पातु त्वां पुत्र सर्वतः॥' भी साझा किया था।

जिसका हिंदी अर्थ है कि प्रकृति और धर्म के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन ही सुख, सुरक्षा और मंगल का आधार है। अतः दिशाओं के रक्षक देवता, इंद्र आदि प्रमुख देवगण, छह ऋतुएं, सभी मास, वर्ष, रात्रियां, दिन और शुभ मुहूर्त सदैव कल्याणकारी हों। वेद, स्मृतियां और धर्म भी सभी प्रकार से सर्वत्र सबकी रक्षा करें।

सोमवार को प्रधानमंत्री की ओर से 'एक्स' पोस्ट में संस्कृत श्लोक, शीलवान् पूजितो लोके, शीलवान् साधुसम्मतः। शीलवान् सर्वकर्मार्हः, शीलवान् प्रियदर्शनः॥ शेयर किया गया था।

जिसका हिंदी अर्थ है, 'सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है। उत्तम चरित्र से युक्त व्यक्ति अपने सत्यनिष्ठा, विनम्र, और मर्यादित आचरण के कारण प्रत्येक उत्तरदायित्व के योग्य माना जाता है; उसका व्यक्तित्व सभी के लिए आकर्षक और अनुकरणीय होता है। वास्तव में, सफलता, प्रभावी नेतृत्व, और अटूट विश्वास का वास्तविक आधार उत्तम चरित्र ही है। '

राजनीतिक हितों के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती सरकार: सीजेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर और सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि सरकार अपने राजनीतिक हितों के लिए सुप्रीम कोर्ट का इस्तेमाल नहीं कर सकती और न ही अदालत के आदेशों को अपने फायदे के लिए हथियार की तरह प्रयोग किया जाना चाहिए। सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर

पोस्ट करते हुए कहा, 'प्रदर्शनकारियों के संबंध में देश के सामने एक स्पष्ट सार्वजनिक वादा किया गया था, जिसका सम्मान होना चाहिए। सरकार को शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस लेनी चाहिए और अपने आश्वासनों पर अमल करना चाहिए।' सीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि यदि कोई वास्तविक अपराधी खुलेआम घूम रहा है तो पुलिस को उसके पुराने मामलों में कानूनी प्रक्रिया के तहत जमानत रद्द कराने के लिए अदालत का रुख करना चाहिए। ऐसे मामलों में यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि संबंधित व्यक्ति अब तक बिना किसी कार्रवाई के कैसे घूम रहा था।

एनसीपी विलय की खबरों के बीच शरद पवार ने पीएम मोदी को दिया बारामती आने का न्योता, महाराष्ट्र में बदलेगी सियासी हवा?

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में एक ही दिन हुए दो घटनाक्रमों के कारण सूबे के सियासी पंडित सकते में पड़ गए हैं। राकां के वरिष्ठ नेता शरद पवार इसकी वजह हैं। एक ओर बड़े पवार ने राकां के दोनों गुटों के विलय की संभावनाओं को पूरी तरह खारिज कर दिया, वहीं दूसरी ओर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बारामती आने का निमंत्रण देकर सियासी हलकों में नई अटकलों को जन्म दे दिया। विपक्षी राजनीति के बीच पवार के इन कदमों को लेकर अलग-अलग राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं।

शरद पवार की अध्यक्षता वाले विद्या प्रतिष्ठान में नक्षत्र गार्डन के भीतर स्थापित 9 फुट ऊंची गौतम बुद्ध की प्रतिमा के अनावरण के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में विद्या प्रतिष्ठान की बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया। कार्यक्रम 2 अक्टूबर या 16 अक्टूबर को आयोजित करने की योजना है, हालांकि अंतिम तारीख पर प्रधानमंत्री कार्यालय की मंजूरी अभी बाकी है। इसके बावजूद आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

डोम में होंगे 13 महान विभूतियों के चित्र: विद्या प्रतिष्ठान के डोम में गौतम बुद्ध की प्रतिमा के साथ महात्मा गांधी, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, छत्रपति शाहू महाराज सहित 13 महान विभूतियों के चित्र भी लगाए जा रहे हैं। शरद पवार ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और बताया गया है कि वह स्वयं प्रधानमंत्री को आमंत्रण पत्र सौंपने के लिए दिल्ली भी जाएंगे।

विलय की अटकलों पर लगाया विराम

बारामती में पत्रकारों से बातचीत के दौरान शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के विलय की संभावना को सिरे से नकार दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोनों दलों के एक होने का कोई संबंध नहीं है। उनके इस बयान को पिछले कुछ दिनों से चल रही अटकलों पर सीधा जवाब माना जा रहा है।

मुलाकातों के बाद तेज हुई थीं चर्चाएं

हाल के दिनों में शरद पवार की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात, पार्थ पवार और प्रफुल पटेल की उनसे भेंट तथा दोनों गुटों के नेताओं की केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात के बाद विलय और एनडीए में शामिल होने की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब एक तरफ विलय से साफ इनकार और दूसरी तरफ प्रधानमंत्री को बारामती बुलाने की पहल ने बड़े पवार की राजनीतिक रणनीति को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

जंतर-मंतर वाले बयान पर महबूबा मुफ्ती का यू-टर्न

कश्मीर के लोगों से मांगी माफी; कहा- अनजाने में छूटे अहम शब्द

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग वाली अपनी टिप्पणी के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों से माफी मांगी। उन्होंने माना कि मीडिया से बात करते समय अनजाने में उनसे एक महत्वपूर्ण वाक्यांश छूट गया था। मुफ्ती ने कहा कि जब वह केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री के तौर पर उमर अब्दुल्ला के कार्यकाल का जिक्र कर रही थीं, तो उनका मकसद कश्मीर में सुरक्षा बलों की कार्रवाई का बचाव करने के बारे में एक खास बात कहना था।

हालांकि, उन्होंने माना कि बयान देते समय अनजाने में उनसे ये शब्द छूट गए थे, 'सुरक्षा बलों को बनाए रखने का बहाना बनता है।' पीडीपी प्रमुख ने माना कि इन शब्दों के छूटने से उनकी बात का संदर्भ बदल गया और उन्होंने इस गलती की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि मैं इस गलती के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों से माफी मांगती हूं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए जंतर-मंतर वाले उनके बयान के वीडियो क्लिप से जुड़े विवाद पर महबूबा मुफ्ती ने उन दावों को खारिज कर दिया कि फुटेज के साथ छेड़छाड़ की गई थी या उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके बनाया गया था। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो असली और सही है। उन्होंने साफ किया कि विवाद इसलिए हुआ क्योंकि पत्रकारों से बातचीत के दौरान अनजाने में उनसे एक वाक्यांश छूट गया था।

असम में 75 जिंदगियां खत्म, संकट की घड़ी में सीएम हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा ऐलान, पीड़ितों को 9 लाख की मदद

गुवाहटी, एजेंसी। असम में कुदरत का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के कई हिस्सों में आई भयंकर बाढ़ ने अब तक 75 लोगों की जान ले ली है। पानी का तेज बहाव और डूबने की घटनाओं ने पूरे प्रदेश में मातम का माहौल पैदा कर दिया है। हाल ही में शिवसागर जिले से 7 और लोगों की मौत की दुखद खबर सामने आई है। इस महा-संकट के बीच मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रभावितों के जख्मों पर मरहम लगाने के लिए ऐतिहासिक राहत पैकेज की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने बताया है कि सरकार लोगों की जिंदगी को दोबारा पटरी पर लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

पीड़ित परिवारों को 9 लाख रुपये की बड़ी आर्थिक मदद: बाढ़ की त्रासदी में अपने अपनों को खोने वाले परिवारों को सहारा देने के लिए सरकार ने तिजोरी खोल दी है। मुख्यमंत्री राहत कोष और सरकारी अनुग्रह राशि को मिलाकर कुल 9 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सरकार ने नियमों में बड़ी ढील दी है। अब 4 लाख रुपये की सरकारी मदद पाने के लिए पोस्टमार्टम की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है। इसके अलावा, जो लोग पिछले 30 दिनों से लापता हैं।

1 लाख परिवारों को 'अरुणोदोई' का सहारा: बाढ़ प्रभावितों की रोजमर्रा की जरूरतों के लिए सरकार 1 लाख से ज्यादा परिवारों को तुरंत 15,000 रुपये नकद दे रही है। साथ ही, राज्य की प्रमुख 'अरुणोदोई' योजना को 1 अगस्त से फिर से शुरू किया जा रहा है। इसके तहत सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों जैसे शिवसागर, जोरहाट, गोलाघाट और चराइदेव के लाभार्थियों को 2,500 रुपये की विशेष किस्त भेजी जाएगी।

45 हजार हेक्टेयर फसल तबाह: असम के 7 जिले शिवसागर, चराइदेव, गोलाघाट, जोरहाट, नगांव, सोनितपुर और कामरूप (मेट्रो) अब भी जलमग्न हैं। करीब 622 गांवों के 3.32 लाख लोग इस आपदा की चपेट में हैं। किसानों के लिए यह काल बनकर आया है, क्योंकि 45,341 हेक्टेयर से अधिक की खड़ी फसल बर्बाद हो चुकी है। नुमालीगढ़ में धनसिरी नदी लगातार खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे स्थिति और भी गंभीर बनी हुई है।

राहत शिविरों में 32 हजार लोग: मैदान पर एसडीआरएफ की टीमें, मेडिकल स्टाफ और स्थानीय वॉलंटियर्स दिन-रात रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हैं। वर्तमान में 115 राहत शिविरों में 32,477 से ज्यादा लोगों ने शरण ली है, जहां उन्हें भोजन, दवाइयां और साफ पानी मुहैया कराया जा रहा है। असम की इस त्रासदी को देख बॉलीवुड सितारे भी भावुक हैं। सलमान खान, सोनाक्षी सिन्हा, गुरु रंधावा और पापोन जैसे सितारों ने पीड़ितों की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं और लोगों से भावुक अपील की है।

असम में आई बाढ़ मे लाखों लोग हुए प्रभावित: असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, राज्य के सात जिलों के 21 राजस्व सर्किलों के तहत आने वाले 622 गांव अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। मौजूदा समय में 3,32,639 लोग इस आपदा से प्रभावित हैं। इसका सबसे अधिक असर शिवसागर, चराइदेव, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव, सोनितपुर और कामरूप जिलों में देखा जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ करीब 45,341.98 हेक्टेयर कृषि भूमि अब भी पानी में डूबी हुई है, जिससे किसानों की फसलों और कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है।

ईरान में पुलिसकर्मियों की हत्या, दोषियों को फांसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में मंगलवार को राज्य मीडिया ने बताया कि जनवरी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान चार पुलिस अधिकारियों की हत्या के आरोप में दो पुरुषों को फांसी दी गई। न्यायपालिका से संबद्ध मीजानऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी पहचान अबुलफजल सेपाही बदजानी और अमीर हुसैन सफारी हुसैनाबादी के रूप में हुई है। इन पर इस्फ़हान शहर में एक पुलिस स्टेशन में आग लगाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप था। इस्फ़हान राजधानी तेहरान से करीब 400 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। ये दोनों जनवरी में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान गिरफ्तार किए गए हजारों लोगों में से थे। अधिकार समूहों का कहना है कि और भी लोगों को मौत की सजा मिल सकती है। दिसंबर के अंत में शुरू हुए ये विरोध प्रदर्शन जनवरी तक चले, जिन पर सुरक्षा बलों ने कड़ी कार्रवाई की थी। इससे पहले जुलाई में भी ईरान ने इसी मामले में दो अन्य पुरुषों को फांसी दी थी। ईरान के अनुसार विरोध प्रदर्शनों में 3,000 से अधिक लोग मारे गए, जबकि अधिकार समूह यह संख्या 7,000 से अधिक बताते हैं।

पीओके में 14 मौतों के बीच पाक रक्षा मंत्री का विवादित बयान, प्रदर्शनकारियों को बताया भारत जैसा दुश्मन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बिगड़ते हालात और जारी हिंसा के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बेहद विवादित बयान देकर आग में घी डालने का काम किया है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 14 एक्टिविस्टों की मौत के बाद आसिफ ने प्रदर्शनकारियों की तुलना भारत से करते हुए उन्हें देश का दुश्मन करार दिया है। एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पीओके की सड़कों पर उतरे लोगों के प्रति कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, 'मैं इन प्रदर्शनकारियों को भारत की श्रेणी में रखता हूं और उन्हें भी भारत की तरह ही दुश्मन मानता हूं।'

आसिफ ने प्रदर्शनकारियों के साथ किसी भी प्रकार की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उनके इस बयान ने पीओके में पहले से ही आक्रोशित जनता के गुस्से को और भड़का दिया है। यह विवाद उस समय बढ़ा जब प्रतिबंधित ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में करीब 5,000 लोग रावलकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि पीओके विधानसभा में कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म किया जाए।

जेएएसी का मानना है कि ये सीटें इस्लामाबाद को क्षेत्रीय राजनीति में अनावश्यक दखल देने का मौका देती हैं। इसी मार्च के दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें 14 कार्यकर्ताओं की जान चली गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। मृतकों में जेएएसी के संस्थापक सदस्य उमर नजीर के भाई उस्मान नजीर भी शामिल हैं। संगठन का आरोप है कि पाक सेना और पुलिस ने निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने इन आरोपों को नकारते हुए दावा किया कि प्रदर्शनकारियों के पास आधुनिक हथियार थे और उन्होंने ही सुरक्षा बलों को निशाना बनाया, जिसके बाद आत्मरक्षा में कार्रवाई की गई। पीओके में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारत ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पीओके में हो रहे विरोध प्रदर्शन पाकिस्तान के आर्थिक शोषण और प्रशासनिक दमन का नतीजा हैं। भारत ने पाकिस्तान द्वारा कराए जा रहे चुनावों को 'दिखावटी कवायद' बताते हुए दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं।

थाईलैंड घूमने का सस्ता पैकेज पड़ा भारी, 3 भारतीय युवकों का अपहरण

पाकिस्तानी गिरोह ने 69 लाख रुपये की फिरौती मांगी

बैंकाक एजेंसी। थाईलैंड के पट्टाया से एक बेहद खौफनाक मामला सामने आया है, जहां चार पाकिस्तानी नागरिकों और एक भारतीय व्यक्ति के गिरोह ने तीन भारतीय युवकों को एक हफ्ते तक बंधक बनाकर रखा और उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया। इन बदमाशों ने पीड़ितों के परिजनों से करीब 68.4 लाख रुपये (लगभग 2.4 मिलियन बाट) की फिरौती मांगी थी। सोमवार को स्थानीय पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारकर पीड़ितों को सुरक्षित बचा लिया।

सस्ते टूर पैकेज के लालच में फंसे युवक

पुलिस जांच में सामने आया कि 23 से 26 साल के इन तीन युवकों को मात्र 1.99 लाख रुपये (70,000 बाट) में सात दिनों के थाईलैंड टूर पैकेज का लालच दिया गया था। पीड़ित 21 जुलाई की सुबह बैंकॉक के सुवर्णभूमि हवाई अड्डे पर उतरे और वहां से टैक्सी लेकर पट्टाया पहुंचे। वहां एक भारतीय व्यक्ति उन्हें मोटरसाइकिल पर बैठाकर एक किराए के मकान में ले गया, जहां गिरोह के अन्य सदस्य पहले से मौजूद थे।

उल्टा लटकाया, भूखा रखा और टखनों पर किए वार: पीड़ितों ने पुलिस को अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि उन्हें दो कमरों में हाथ-पैर बांधकर कैद किया गया था। गिरोह के सदस्य उन्हें रोजाना प्रताड़ित करते थे। उन्हें कई बार चेहरे के बल उल्टा लटकाया गया और उनके टखनों पर भारी वस्तुओं से हमला किया गया। उन्हें खाना और पानी तक नहीं दिया जाता था और यहां तक कि शौचालय जाने की भी अनुमति नहीं थी। उन्हें मजबूर किया गया कि वे भारत में अपने परिवारों को फोन कर फिरौती की मांग करें।

दुबई के नंबर से पुलिस को चकमा देने की कोशिश: चोन बुरी के आव्रजन प्रमुख पुलिस कर्नल नपतपोंग कोसितसुरियामनी ने बताया कि पीड़ितों के रिश्तेदारों ने थाई पुलिस से मदद मांगी थी। बदमाशों ने अपनी लोकेशन छिपाने के लिए दुबई में रजिस्टर्ड फोन नंबर का इस्तेमाल किया था, लेकिन पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर उनके ठिकाने का पता लगा लिया। हालांकि, जब पुलिस पट्टाया के नोंगप्रू स्थित उस मकान पर पहुंची, तो अपहरणकर्ता पुलिस के आने से कुछ समय पहले ही मोटरसाइकिलों पर सवार होकर फरार हो गए।

पर्यटकों के लिए चेतावनी: थाईलैंड पुलिस ने इस घटना के बाद पर्यटकों को सस्ते टूर पैकेज देने वाले स्कैमर्स से सावधान रहने की चेतावनी दी है। गौरतलब है कि हाल ही में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए थाईलैंड ने भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए फिर से वीजा-मुक्त यात्रा की सुविधा शुरू की थी, जिसके कुछ ही दिनों बाद यह वारदात सामने आई है। पुलिस फिलहाल फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

महिला ने भारत से लगाई मदद की गुहार, बोली- हमारे बच्चों को भी मारा जा रहा है

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में कथित हिंसा को लेकर सोशल मीडिया पर एक महिला का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक महिला भारत से मदद की अपील करती नजर आ रही है। महिला ने दावा किया है कि इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में आम नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि, इस वीडियो की वेरिफिकेशन और महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। महिला ने वीडियो में भावुक अपील करते हुए कहा कि पाकिस्तानी फोर्स हमारे लोगों और बच्चों को मार रही है। जमीन खून से लाल हो गई है। भारत हमारी मदद करे। यह वीडियो ऐसे समय सामने आया है जब कुछ इलाकों में विरोध प्रदर्शनों और सुरक्षा बलों की कार्रवाई को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीओजेके के मीरपुर और रावलाकोट क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से तनाव की स्थिति बनी हुई है। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच टकराव की खबरें सामने आई हैं। दावों के मुताबिक, करीब 40 से 50 मोटरसाइकिलों पर सवार प्रदर्शनकारियों का एक समूह रावलाकोट की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि यह मार्च मुजफ्फराबाद तक पहुंचने वाले बड़े प्रदर्शन का हिस्सा था। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि मीरपुर बाजार क्षेत्र में सुरक्षा बलों की ओर से फायरिंग की गई, जिसमें कई लोग घायल हुए। हालांकि, इन घटनाओं और हताहतों की संख्या की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। प्रदर्शनकारियों की ओर से आरोप लगाया गया है कि मीरपुर के जिला अस्पताल में मृतकों के शव रखे गए हैं और परिवारों को उनसे मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, रावलाकोट में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने और घायलों के इलाज को लेकर विवाद की खबरें सामने आई हैं। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि कई घायल लोगों को अस्थायी चिकित्सा केंद्रों में इलाज कराना पड़ रहा है। स्थानीय रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बड़ी संख्या में लोग अभी भी मुजफ्फराबाद की ओर मार्च कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,